ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्रीय जांच एजेंसियां राजनीतिक हथियार न बनें : गृह मंत्री परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 14 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-195

7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के उपचुनाव का परिणाम घोषित

विपक्षी गठबंधन ने 10 सीटें जीत लीं

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को महज दो सीटें मिलीं। 13 में से 10 सीटों पर विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार जीते हैं। हिमाचल और मध्य प्रदेश एक-एक सीट पर भाजपा और बिहार में एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। चुनाव आयोग ने सभी 13 सीटों के नतीजे आधिकारिक रूप से घोषित कर दिए हैं।

पंजाब में जालंधर पश्चिम सीट पर आम आदमी पार्टी के मोहिंदर भगत चुनाव जीते हैं। हिमाचल की देहरा सीट से कांग्रेस की कमलेश ठाकुर, नालागढ़ से कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा और हमीरपुर से भाजपा के आशीष शर्मा को जीत मिली है। पश्चिम बंगाल में सभी सीटें टीएमसी के खाते में गई हैं। यहां रायगंज में कृष्णा कल्याणी, बागदा में मधुपर्णा ठाकुर, रानाघाट दक्षिण में मुकुट मणि अधिकारी और मानिकतला में सुप्ति पांडे को जीत मिली है। मध्य प्रदेश में अमरवाड़ा सीट पर भाजपा के कमलेश प्रताप शाह की जीत हुई है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला और

पार्टी	पिछला परिणाम	इस बार के नतीजे
भाजपा	3	2
निर्दलीय	3	1
कांग्रेस	2	4
टीएमसी	1	4
बसपा	1	0
जदयू	1	0
आपा	1	1
डीएमके	1	1

बंगाल, हिमाचल, उत्तराखंड, तमिलनाडु, बिहार, पंजाब, एमपी में हुए उपचुनाव

मंगलौर सीट पर कांग्रेस के काजी मोहम्मद निजामुद्दीन जीते हैं। बिहार में रुपौली सीट पर लोजपा (रामविलास) से बागी होकर चुनाव लड़े शंकर सिंह जीत गए हैं। तमिलनाडु में विक्रवंदी विधानसभा सीट पर डीएमके के अन्नियुर शिवा को जीत मिली है।

उल्लेखनीय है कि बिहार में रुपौली विधानसभा, हिमाचल में देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ विधानसभा, मध्य प्रदेश में अमरवाड़ा विधानसभा, पंजाब में जलंधर पश्चिम विधानसभा, तमिलनाडु में विक्रवंदी विधानसभा, उत्तराखंड में बद्रीनाथ और मंगलौर विधानसभा, पश्चिम बंगाल में रायगंज विधानसभा, रानाघाट दक्षिण विधानसभा, बागदा विधानसभा और मानिकतला विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए। जिन सीटों पर उपचुनाव हुआ उनमें पिछली बार भाजपा और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे अधिक तीन-तीन सीटें जीती थीं। दूसरे स्थान पर कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। वहीं टीएमसी, बसपा, जदयू, आपा और डीएमके के एक-एक उम्मीदवार विजयी हुए थे।

पश्चिम बंगाल में चार सीटों पर उपचुनाव हुए जिनमें रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला सीट शामिल है। टीएमसी ने 2021 के पश्चिम बंगाल चुनावों में मानिकतला सीट जीती थी।

वहीं मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने रायगंज, रानाघाट दक्षिण और बागदा में जीत हासिल की थी। बाद में भाजपा के विधायक टीएमसी में चले गए थे। टीएमसी विधायक साधन पांडेय की मृत्यु के कारण मानिकतला उप चुनाव हुआ। टीएमसी ने साधन पांडे की पत्नी सुप्ती पांडेय को इस सीट से मैदान में उतारा था। ▶10 पर

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में एनडीए ने जीती 9 सीटें

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में एनडीए गठबंधन (महायुती) ने बड़ी जीत हासिल की है। इस चुनाव में उतरे उसके सभी उम्मीदवार जीत गए हैं। विपक्षी गठबंधन को इन चुनावों में एक सीट पर हार झेलनी पड़ी है।

12 जुलाई को हुए विधान परिषद चुनाव में भाजपा महायुती (एनडीए) ने 11 में से 9 सीटें हासिल कीं। उसने इन चुनावों के लिए 9 उम्मीदवार ही उतारे थे। सभी जीत गए। इनमें 9 में से 5 पर भाजपा, 2 पर एनसीपी (अजित पवार) और 2 पर शिवसेना (शिंदे) को जीत हासिल हुई। दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन की तरफ से कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और पीडब्लूपी ने अपना एक-एक उम्मीदवार उतारा था। इनमें से पीडब्लूपी के उम्मीदवार जयंत पाटील को शरद पवार की एनसीपी का समर्थन हासिल था। वोटों की गिनती के बाद शिवसेना और कांग्रेस उम्मीदवार जीत गए, जबकि जयंत पाटील को हार का मुंह देखना पड़ा। महायुती (एनडीए) में भाजपा की तरफ से पंकजा मुंडे, परिणय फुल्के, अमित गोरखे, योगेश तिलेखर और सदाभाव खोत ने जीत हासिल की। वहीं एनसीपी (अजित पवार) के राजेश विटेकर और शिवाजीराव गरजे भी जीते। शिवसेना (शिंदे) की भावना गवली और कृपाल तमाने ने भी जीत हासिल की। ▶10 पर

केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को मिली नई शक्तियां

दिल्ली के एलजी की तरह शक्तिशाली हुए जम्मू-कश्मीर के एलजी

एलजी से पूछे बगैर अफसरों के होने वाले तबादलों पर लगेगी रोक

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अब जम्मू-कश्मीर को भी दिल्ली जैसे संवैधानिक अधिकार मिलेंगे। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल को दिल्ली के उप राज्यपाल की तरह संवैधानिक और प्रशासनिक शक्तियों से लैस करने का फैसला किया है। जम्मू-कश्मीर में अब ट्रांसफर और पोस्टिंग एलजी की अनुमति के बिना नहीं हो पाएगी।

गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल को अधिक शक्ति देने के लिए जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के नियमों में संशोधन किया है। गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है, जिसमें एलजी को अधिक शक्ति देने वाली नई धाराएं शामिल की गई हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है, इसमें एलजी को अधिक शक्ति देने का प्रावधान है। इसमें नई धाराएं जोड़ी गई हैं।

केंद्र सरकार द्वारा शुक्रवार 12 जुलाई 2024 को इस सिलसिले में अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल को आईएएस और आईपीएस जैसे अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग, पुलिस, कानून और व्यवस्था के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के मामलों में अधिक अधिकार मिलेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 55 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नियम में संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसे अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी 31 अक्टूबर 2019 की उद्घोषणा के साथ पढ़ा गया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के कामकाज का लेन-देन (दूसरा संशोधन) नियम, 2024 कहा जा सकता है। यह संशोधन आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तिथि 12 जुलाई को लागू होंगे।

मुख्य नियमों में नियम 42 के बाद 42-ए जोड़ा गया है, जिससे उपराज्यपाल को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बने राज्य के लिए महाधिवक्ता और विधि अधिकारियों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल गया है। ▶10 पर

रेडियो एक्टिव उपकरण मिलने से हड़कंप भाभा परमाणु केंद्र जांच करेगा

पांच लोग हिरासत में, कई और लोगों की तलाश

देहरादून, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी देहरादून में रेडियो एक्टिव उपकरण मिलने से हलचल मची हुई है। रेडियो एक्टिव उपकरणों की खरीद फरोख्त करते पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में दिल्ली और फरीदाबाद तक के कनेक्शन सामने आ रहे है। बरामद किए गए रेडियो एक्टिव उपकरणों को जांच के लिए भाभा परमाणु शोध केंद्र भेजा गया है।

संदिग्ध रेडियोएक्टिव उपकरण की खरीद फरोख्त करते पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। उपकरण की डील पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ सुमन के बंगले पर (जिसे आरोपियों ने किराये पर लिया था) की जा रही थी। शुरुआत में उपकरण की जांच एसडीआरएफ ने की। इसके बाद नरौरा एटॉमिक पावर स्टेशन की रेडिएशन रिस्पांस टीम ने प्रथम द्रष्टया रेडियो एक्टिव पदार्थ न होने की पुष्टि की।

लेकिन कुछ रसायन इससे मिलते जुलते पाए गए। लिहाजा, उपकरण को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर भेजा गया है। एसएसपी अजय सिंह ने कहा, हमें यह खुफिया सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोगों के पास एक रेडियो एक्टिव उपकरण है जिसकी खरीद-फरोख्त की बात की जा रही है। राजपुर पुलिस को उस जगह भेजा गया तो मकान में पांच लोग मिले। ▶10 पर

सार्वजनिक हुई समान नागरिक कानून की रिपोर्ट

अक्टूबर से उत्तराखंड में लागू हो जाएगा यूसीसी

देहरादून, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है। इस तरह उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। अक्टूबर महीने तक उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कर दिया जाएगा।

विशेषज्ञ समिति ने राजभवन स्थित राज्य अतिथि गृह (एनेक्सी) में शुक्रवार को समान नागरिक संहिता उत्तराखंड की रिपोर्ट का लोकार्पण किया। यूसीसी के संबंध में रूल्स मेकिंग एंड इम्प्लिमेंटेशन कमेटी के चेयरमैन और पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चार भागों में बंटी यूसीसी रिपोर्ट और नियमावली अब लॉन्च कर दी गई है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यूसीसी रिपोर्ट आम जनता से साझा नहीं हो पाई थी। अब चारों खंडों की रिपोर्ट और नियमावली का लोकार्पण कर दिया गया है। कमेटी ने सरकारी वेबसाइट पर रिपोर्ट के चार वॉल्यूम अपलोड किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1946 में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी यूसीसी की पुरजोर वकालत की थी। प्रेस वार्ता में रूल्स मेकिंग एंड इंप्लीमेंटेशन कमेटी के सदस्य एडीजी अमित सिन्हा, सामाजिक कार्यकर्ता मनु गौड़ और दून यूनिवर्सिटी की वीसी सुरेखा डंगवाल मौजूद थीं।

यूसीसी रिपोर्ट जारी करते हुए कमेटी के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने से पहले भारत के वैदिक काल से लेकर संविधान सभा के गठन तक तमाम तरह के गहन अनुसंधान किए गए। अलग-अलग देशों में लागू पर्सनल लॉ का गहनता से अनुसंधान किया गया। उन्होंने बताया कि मुस्लिम देश तुर्की, सऊदी अरब, अजरबैजान,

नेपाल, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूएसए, कनाडा, बांग्लादेश और इंडोनेशिया में पहले ही यूसीसी लागू है। यूसीसी को पहली बार फ्रांस में नेपोलियन बोनापार्ट लेकर आए थे। इन्होंने सन 1804 में फ्रांस में यूसीसी लागू किया था। इसके लगभग 100 वर्ष बाद कुछ अन्य देश भी यूसीसी लेकर आए। फ्रांस, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में यूसीसी से यूरोप के कई देश प्रभावित हुए और अपने-अपने देश में यूसीसी लाए।

उन्होंने बताया कि यूसीसी रिपोर्ट में जनसंख्या नियंत्रण कानून का भी जिक्र है। हालांकि इसे सरकार ने यूसीसी कानून में शामिल नहीं किया है। इसके अलावा यूसीसी की रिपोर्ट में गोद लेने का भी अधिकार को लेकर भी बात कही गई, लेकिन इसे भी कानून में शामिल नहीं किया गया है। सरकार की तरफ से यूसीसी रिपोर्ट के वॉल्यूम एक और वॉल्यूम तीन को सार्वजनिक किया जाएगा। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर शोध रिपोर्ट जारी होगी। ▶10 पर

हिंदुओं-सिखों के मुकाबले बढ़े मुस्लिम-ईसाई

देहरादून, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने का संकल्प लिया हुआ है, जिसका ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपा जा चुका है। इस बीच, शुक्रवार को यूसीसी पैनल की 4 खंड की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तराखंड में पहाड़ों से लोग मैदानों की ओर पलायन कर रहे हैं, तो मैदानी इलाकों में शहरी आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है। ये आबादी उत्तराखंड के अंदर की ही नहीं है, बल्कि दूसरे राज्यों से आए लोगों की वजह से भी है। खास बात ये है कि उत्तराखंड में मुस्लिमों और ईसाइयों की आबादी हिंदुओं और सिखों की तुलना में 2 गुना से भी ज्यादा बढ़ी है। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पैनल की रिपोर्ट ने बदलती जनसांख्यिकी की ओर ध्यान खींचा है।

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में आबादी घट रही है, तो मैदानी इलाकों में बेहद तेजी से आबादी बढ़ी है। इसमें सबसे बड़ा योगदान दूसरे राज्यों से आने वाले प्रवासियों ने किया है। रिपोर्ट अपने पहले खंड के अध्याय 2 में बताती है कि उत्तराखंड की सांख्यिकी डायरी 2021-22 के अनुसार, 2001-11 के दशक में मैदानी इलाकों में शहरी क्षेत्रों में 30.23 प्रतिशत की जनसंख्या वृद्धि देखी गई, जो काफी हद तक पलायन के कारण थी। दूसरी ओर, अल्मोड़ा और गढ़वाल के दो पहाड़ी जिलों में इस अवधि में उनकी आबादी में पूर्ण गिरावट देखी गई है। यूसीसी पैनल रिपोर्ट यह भी बताती है कि चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले दशक के दौरान राज्य के मैदानी इलाकों में मतदाताओं की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 21°

हार का कर रहे मंथन, पर असलियत से भाग रहे भाजपा नेता

चमचागीरी और अहंकार में मत्त नेता पार्टी को रसातल में ले जाएंगे

लोकसभा चुनाव में इस बार भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम क्यों हुईं, इस पर पार्टी में मंथन चल रहा है। पहले भी ऐसे मंथन होते रहे हैं, किन्तु हमेशा परिणाम ढाक के तीन पात ही निकले। इस बार भी वैसी ही स्थिति दिखाई दे रही है। भाजपा की इस मंथन-कुश्ती में यह बात भुला दी जाती है कि जब किसी कारण की ओर उंगली उठाई जा रही है, उस समय तीन उंगलियां स्वयं अपनी ओर उठ रही हैं। वास्तविकता देखी जाए तो लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम होने के असली कारण हैं, अति आत्मविश्वास, अहंकार, आम जनता से दूरी, समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, गलत प्रत्याशियों का चयन, अदूरदर्शिता, विपक्षी दलों द्वारा फैलाया गया जातिवाद और अफवाहें।

भाजपा के कर्णधार अति आत्मविश्वास में बुरी तरह डूबे रहे। मोदी और योगी के नाम पर चुनाव में विजय पक्की है, यह सोचकर पूरी पार्टी अति आत्मविश्वास एवं अकर्मण्यता में डूबी रही। पार्टी में लक्ष्य-प्राप्ति के लिए करो या मरो की जो भावना होनी चाहिए थी, उसका

पूरी तरह अभाव था। सक्रियता का केवल ढोंग किया जाता रहा। भाजपा में तरह-तरह की सक्रियताओं के नारे सुनाई देते थे। बूथ प्रमुख एवं पन्ना प्रमुख बनाए गए तथा

शुभ-लाभ मीमांसा

उन्हें लेकर अनगिनत बैठकें होती रहीं। लेकिन हकीकत में बूथ प्रमुखों और पन्ना प्रमुखों का स्वरूप बिलकुल निराकार ही रहा। बैठकों में चेहरे दिखलाने वाले इन लोगों के चेहरे बाद में अदृश्य हो जाते थे। जब चुनाव के रणनीतिकारों में ही दायित्व के प्रति समर्पण-भाव का अभाव था तो बूथ प्रमुखों, पन्ना प्रमुखों आदि में समर्पण-भाव कहां से आता?

जिम्मेदारी के प्रति शिथिलता का यह आलम था कि फील्ड में भाजपा का मोर्चा संभालने वाले लोग अपने क्षेत्रों में मतदाताओं के घरों तक पहुंचे ही नहीं। जबकि उन्हें मतदान वाले दिन से पहले मतदाताओं के घरों के कई बार चक्कर लगा लेने चाहिए थे। उन्हें मतदाताओं की समस्याओं का निवारण करना चाहिए था। मतदाता-सूची में यदि कोई गड़बड़ी या कमी थी तो उसे दूर कराना चाहिए था। इतना ही नहीं, मतदान वाले दिन भाजपा के विभिन्न दस्तों को लोगों के घरों में जाकर उन्हें मतदान के लिए निकलने को प्रेरित करना चाहिए था। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

भाजपा के कर्णधार एवं रणनीतिकार यदि अपनी जिम्मेदारी के प्रति सचमुच समर्पित होते तो वे उसी समय चौकन्ने हो गए होते, जब वर्ष 2022 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में भाजपा की ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी शर्तों पर मंजूर की थी जमानत

अंकुश के बाद भी सीएम पद छोड़ नहीं रहे केजरीवाल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी राहत नहीं मिलने वाली है। सीबीआई की तरफ से दर्ज मामले में उनकी गिरफ्तारी कायम है। केजरीवाल की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में 17 जुलाई को सुनवाई होनी है। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी केजरीवाल मुख्यमंत्री के बतौर काम नहीं कर पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की शर्त ही यही रखी है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ छह महीने का वक्त बचा है। लिहाजा, यह आम आदमी पार्टी के लिए संकट का समय है। सुप्रीम कोर्ट की शर्तों के मुताबिक मुख्यमंत्री का पद औचित्यहीन होने के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री का पद दांत से पकड़े हुए हैं। जबकि राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर अपनी कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए थी। ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सीएम सिद्धरामैया ने केपीसीसी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट प्राप्त की

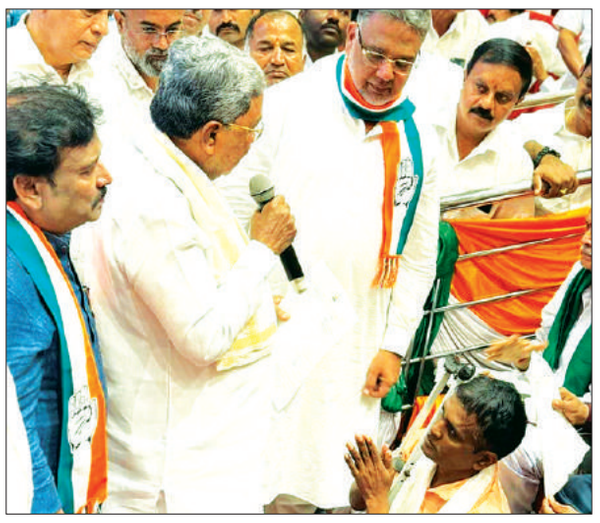

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद सिद्धरामैया का केपीसीसी कार्यालय में पहला कार्यकर्ता रिपोर्ट स्वीकृति अभियान जोश-उम्मीदों के साथ आयोजित हुआ। प्रारंभ में मुख्यमंत्री स्वयं दिव्यांगों के बीच गये और शिकायतें प्राप्त कीं। दिव्यांग कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष तिपहिया वाहन, सरकारी रोजगार, निगम-मंडल में अवसर, संविदा नौकरी, स्वरोजगार के लिए अनुदान, ऋण सुविधा सहित विभिन्न मांगें रखीं। प्रत्येक कार्यकर्ता की रिपोर्ट और पार्टी संगठन में उनकी भागीदारी का विवरण सुनने के बाद, मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों को रिपोर्टों को सूचीबद्ध करने और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उन्हें पूरा करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने उन मांगों पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जिनका तुरंत समाधान किया जा सकता था। प्रदेश के कई हिस्सों से कार्यकर्ता पहुंचे थे।

करीब 712 लोगों द्वारा गूगल फॉर्म में रजिस्ट्रेशन के साथ कुल चार हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। केपीसीसी कार्यालय के कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से मिलने आए एक हजार से अधिक लोगों के नाम, पते, पार्टी सदस्यता संख्या की जांच की और उन्हें आवेदन संख्या दी। बिना टोकन नंबर वालों के आवेदन सीधे ले लिए गए, क्योंकि उन्हें दोपहर दो बजे के बाद कार्यक्रम के लिए निकलना था। केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी.चंद्रशेखर ने कार्यकर्ताओं से हर महीने कम से कम दो बार फीडबैक कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। श्रमिक प्रतिक्रिया कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने समयाभाव के कारण कतार में लगे श्रमिकों से स्वयं प्रार्थना पत्र प्राप्त कर उन्हें भेजा। उन्होंने जीवन को आसान बनाने की मांग की। कुछ ने तिपहिया वाहन देने का अनुरोध किया।

दूसरे से चार पहिया वाहन की मांग सुनने को मिली। बसवनगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र के एक कार्यकर्ता को अपने बच्चों की स्कूल फीस का भुगतान करने में समस्या हो रही है, तो उन्होंने मदद का अनुरोध किया। एक महिला ने आर्थिक मदद की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने निगम की ओर से मदद का वादा किया। पथ विक्रेता इकाई के अध्यक्ष ने स्थल की मांग प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने आवेदन की समीक्षा करने का वादा किया। एक अन्य ने साइबर सेंटर की स्थापना के लिए याचिका दायर की। एक महिला ने कहा कि उसने एमए की डिग्री पूरी कर ली है और नौकरी दिये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या तुम्हें पढ़ाना संभव है।

मुख्यमंत्री ने जब भी संभव होगा महिलाओं को मौका देने का वादा किया। एक कार्यकर्ता ने मांग की कि मैं 50 साल से काम कर रहा हूं, मुझे निगम बोर्ड में मौका दीजिए। एक अन्य कार्यकर्ता ने तारीफ करते हुए कहा कि आपको देखना भगवान को देखने जैसा है। हासन चन्नपटना तालुक के बागुर होबली मदीहल्ली के एक कार्यकर्ता ने भूमि रिकॉर्ड बनाने में देरी के बारे में शिकायत की। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने हासन के जिला अधिकारी से फोन पर बात की और कहा, क्या आप इतनी देरी कर रहे हैं? इस सब में देरी मत करो। सीएम ने तुरंत काम करने का आदेश दिया। कांग्रेस कार्यालय के पास नौकरशाहों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला, घर देने की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक को बुलाया और कहा कि पांच लोग हैं, उन्हें घर दे दो।

दूध उत्पादकों के लिए सुविधाजनक नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई महिला घर की मांग करेगी तो वह जवाब देंगे, गृहलक्ष्मी, अन्नभाग्य का पैसा आ रहा है। उनके लिए यह सुविधाजनक है कि बस निःशुल्क है। मैसूरु दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति कर्मचारी महामंडल के एस. शिवनगप्पा ने उपयुक्त कन्नड़ सॉफ्टवेयर स्थापित करने का अनुरोध प्रस्तुत किया क्योंकि केएमएफ में मौजूदा सॉफ्टवेयर दूध उत्पादकों के लिए सुविधाजनक नहीं है। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही एमडी से फोन पर संपर्क किया और उन्हें दुग्ध उत्पादक अनुकूल सॉफ्टवेयर स्थापित करने का निर्देश दिया। केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर, तनवीर सैत, वसंत कुमार, अभियान समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सोराके, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद ने भी याचिका प्राप्त की।

आदिवासी बोर्ड मामला

पूर्व मंत्री नागेंद्र को 18 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रुपये के घोटाले के सिलसिले में शनिवार को एक विशेष अदालत ने पूर्व राज्य मंत्री बी. नागेंद्र को 18 जुलाई तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। जब उन्हें विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट के समक्ष पेश किया गया, तो नागेंद्र ने कहा कि उन्हें कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, जिसके बाद न्यायाधीश ने ईडी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूछताछ के दौरान उन्हें 30 मिनट का आराम दें और हर दिन उनकी मेडिकल जांच करें। ईडी के अधिकारियों ने 40 घंटे की छापेमारी के बाद शुक्रवार को नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मामला केवल नागेंद्र की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहेगा क्योंकि इसमें बड़े लोग शामिल हैं और उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। शुक्रवार को ईडी द्वारा पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बी. नागेंद्र को हिरासत में लेना अनावश्यक था क्योंकि एसआईटी पहले से ही मामले की जांच कर रही है। सीबीआई भी मामले की जांच कर रही है। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने घोटाले के सिलसिले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, बोर्ड के अधिकारी, बिचौलिए और नागेंद्र तथा केएमवीएसटीडीसी के चेयरमैन और कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दल के सहयोगी शामिल हैं। बोर्ड के एक वरिष्ठ कर्मचारी चंद्रशेखरन द्वारा यह कदम उठाए जाने के बाद कथित अनियमितताएं सामने आईं। मौत के नोट में चंद्रशेखरन ने एक मंत्री की भूमिका और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए बड़ी धनराशि के अवैध हस्तांतरण का उल्लेख किया है।

स्वामी तेजानन्द का किया भव्य स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तमिलनाडु पॉन ब्रोकर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज का बेगुर स्थित परिहार भवन में सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में दुर्गाराम परिहार परिवार की ओर से स्वामी तेजानन्द को आईमाता मंदिर आश्रम सचालन के लिए सहायता राशि दी गई। इस अवसर पर हितेश परिहार, कैलाश परिहार, पुजादेवी पी., सत्यनारायण परिहार, किशनलाल परिहार, हनुमान परिहार, भंवरलाल मुलेवा, जयराम मुलेवा, जोगाराम सीरवी, कन्नाराम सीरवी, भोमाराम सीरवी और भानाराम गेहलोत आदि मौजूद थे।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। योगऋषि बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के हुब्बल्ली आगमन पर एमडब्ल्यूबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रमेश बाफना के साथ जैन युवा संगठन हुब्बल्ली के अध्यक्ष इन्दर जैन, विश्व हिन्दू परिषद् हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व कोषाध्यक्ष अंकुश संकलेचा, अक्षत जैन ने आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बाबा रामदेव ने योग करो निरोग रहो के बारे में समझाया व प्रतिदिन योग करने के लिए कहा। इस दौरान भारतीय जैन संघठना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, पतंजलि योगपीठ कर्नाटक प्रभारी योगगुरु भंवरलाल आर्य, पतंजलि वेलनेस हुब्बल्ली के निदेशक मुकेश बाफना सहित अन्य उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री जलगेरे देवी डोड्डम्मा चिक्कम्मा समिति द्वारा कुरुबरहल्ली में आयोजित जलगेरे देवी जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

ग्रामीणों के विरोध के बाद

विधायक ने थेनकनिडियूर पंचायत में डंप किए गए कचरे को कराया साफ

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीणों के लगातार विरोध के बाद, उडुपी विधायक यशपाल सुवर्णा ने थेनकनिडियूर पंचायत में कचरा प्रबंधन की समस्या को सफलतापूर्वक हल किया है। डंप किए गए कचरे को शनिवार को हटा दिया गया और दूसरी जगह रख दिया गया। विधायक यशपाल सुवर्णा की पहल पर, ग्रामीणों के दूसरे उग्र विरोध के तुरंत बाद भूमिगत डंप किए गए कचरे को निकाला गया और करवल कचरा डंपिंग साइट पर ले जाया गया। हालांकि विधायक निधि का उपयोग करके जलभराव वाले क्षेत्रों को साफ करने सहित एक अस्थायी समाधान प्रदान किया गया है, लेकिन ग्रामीण एसएलआरएम इकाई को बंद करके एक स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

कमला एस. अमीन नामक एक निवासी ने विधायक सुवर्णा की सराहना करते हुए कहा हमारे कुएं के पानी में भूमिगत अपशिष्ट संदूषण के कारण हमें विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। पंचायत की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने के बावजूद, विधायक सुवर्णा ने हमारी समस्या का तुरंत समाधान किया। हमने अपने कुएं से स्वच्छ पेयजल की मांग की और विधायक सुवर्णा ने इसे संभव बनाया। हम पंचायत अध्यक्ष से असंतुष्ट हैं, जो जब हम अपनी चिंताएं व्यक्त करते हैं तो ग्रामीणों से बात करने के लिए प्रतिनिधियों को भेजते हैं। एक अन्य निवासी राजा नाइक ने कहा विधायक यशपाल सुवर्णा ने हमारे विरोध के लिए न्याय की रक्षा की। शुक्रवार को विरोध के बीच आम बैठक के दौरान, भाजपा सदस्यों को कांग्रेस सदस्यों के व्यवधान का सामना करना पड़ा, जिन्होंने भाजपा सदस्यों को बैठक हॉल से जबरन घसीटा। हम कांग्रेस के ग्राम पंचायत सदस्यों को नहीं चाहते जो हमारे मुद्दों की उपेक्षा करते हैं। बिल पास करने के उद्देश्य से अपने फंड का निवेश किए बिना भूमिगत कचरा डंप करने का उनका निर्णय था। जबकि विधायक सुवर्णा ने एक अस्थायी समाधान प्रदान किया, स्थायी समाधान पंचायत अध्यक्ष के पास है। यदि वे हमें स्थायी समाधान प्रदान नहीं करते हैं, तो हम निश्चित रूप से उन्हें सबक सिखाएंगे। एक अन्य स्थानीय निवासी ने कचरे के मुद्दे को अस्थायी रूप से हल करने में विधायक सुवर्णा की पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा हमें खुशी है कि विधायक यशपाल सुवर्णा ने कचरे को हटाने के लिए कार्रवाई की और जलभराव को साफ करने का वादा किया। हम स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए एसएलआरएम इकाई को बंद करने की मांग करते हैं। हम भविष्य में यहां कचरा डंपिंग को रोकने के लिए अड़े हुए हैं, और पंचायत अधिकारियों ने हमें आश्वासन दिया है कि वे ऐसा नहीं करेंगे।

डेंगू जागरूकता कार्यक्रम के तहत

ऊंची जाति के दंपत्ति के घर में घुसने पर दलित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से पूछताछ

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में सकलेशपुर तालुक के मथासागरा गांव में डेंगू के मामलों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम के तहत उनके घर में घुसने पर ऊंची जाति के दंपति ने कथित तौर पर दलित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से पूछताछ की। बी.एन. तेजा (24) जो पिछले दो वर्षों से मथासागरा में आंगनवाड़ी केंद्र में सहायक के रूप में काम कर रही हैं, ने गुरुवार को सकलेशपुर टाउन पुलिस में गांव के निवासी कुमारस्वामी और उनकी पत्नी श्रुति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आदि कर्नाटक समुदाय से ताल्लुक रखने वाली तेजा ने अपनी शिकायत में कहा कि वह 4 जुलाई को डेंगू के प्रसार से बचने के तरीके के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गौरम्मा के साथ गांव के घरों में गई थीं। कुमारस्वामी ने उन्हें अपने घर के अंदर बुलाया और कॉफी पिलाई। हालांकि, 9 जुलाई को जब गौरम्मा आशा कार्यकर्ताओं के साथ उसी उद्देश्य से उनके घर फिर से आईं, तो कुमारस्वामी ने सवाल किया कि वह निचली जाति से ताल्लुक रखने वाली तेजा को अपने साथ उनके घर क्यों लेकर आईं। साथ ही, उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्या उन्होंने (गौरम्मा) आंगनवाड़ी केंद्र में तेजा द्वारा पकाया गया खाना खाया है। तेजा को इस बातचीत के बारे में एक दिन बाद पता चला। उसने जो सुना उससे परेशान होकर वह 10 जुलाई को कुमारस्वामी के घर गई और पूछा कि क्या उसने ऐसा कहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, कुमारस्वामी और उनकी पत्नी श्रुति ने दोहराया कि उसे (तेजा) उनके घर में नहीं घुसना चाहिए था और बाहर ही रहना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि उसके घुसने से उनके घर को नुकसान पहुंचा है। एक समय पर, बहस के दौरान, दंपति ने उस पर शारीरिक हमला करने की कोशिश की। उसकी शिकायत के आधार पर, सकलेशपुर टाउन पुलिस ने एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) संशोधन विधेयक, 2015 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 के तहत मामला दर्ज किया।

आदिवासी बोर्ड के प्रमुख लापता

ईडी ने दद्दल को हिरासत में लेने की तैयारी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल कथित तौर पर लापता हैं, जबकि ईडी उन्हें बोर्ड में अनियमितताओं के संबंध में हिरासत में लेने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कर्नाटक कांग्रेस के विधायक दद्दल बेंगलूरु या अपने पैतृक स्थान रायचूर में अपने आवास पर नहीं मिल रहे हैं। दद्दल शुक्रवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुए थे और उसके बाद वे लापता हो गए। सूत्रों ने आरोप लगाया कि दद्दल ईडी की गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वेच्छा से एसआईटी के समक्ष पेश हुए थे। हालांकि, एसआईटी अधिकारियों ने कथित तौर पर उन्हें समझाया कि ईडी उन्हें कभी भी हिरासत में ले सकता है और उन्हें वापस भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने दद्दल द्वारा आदिवासी बोर्ड से कथित तौर पर गबन किए गए धन को रियल एस्टेट में निवेश करने के संबंध में पर्याप्त सबूत जुटाए हैं। ईडी ने एनईएफटी, आरटीजीएस और यूपीआई लेनदेन के माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों के

खातों में स्थानांतरित की गई बड़ी मात्रा में धनराशि का भी पता लगाया है। दद्दल ने कथित तौर पर रायचूर के बाहरी इलाके में भारत माला राष्ट्रीय राजमार्ग के पास जमीन के बड़े भूखंड खरीदे हैं। इस साल 22 मई को उन्होंने अपने बेटे के नाम पर 4.31 एकड़ जमीन भी खरीदी। बोर्ड अधीक्षक चंद्रशेखरन ने 26 मई को अपनी जान दे दी। सूत्रों ने बताया कि ईडी दद्दल को गिरफ्तार कर सकती है और संपत्ति के संबंध में उनके बेटे को भी नोटिस जारी करेगी।

केंद्रीय जांच एजेंसियां राजनीतिक हथियार न बनें : गृह मंत्री परमेश्वर

हमें जांच से कोई आपत्ति नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय वाल्मीकि विकास निगम के धन के अवैध हस्तांतरण के मामले में कानूनी कार्रवाई करेगा। लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसियों को राजनीतिक हथियार नहीं बनना चाहिए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री नागेंद्र को ईडी के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है। ईडी एजेंसी को मिली जानकारी के आधार पर जांच और गिरफ्तारी की गई। यह एक कानूनी प्रक्रिया है। लेकिन इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। हम शुरू से कहते रहे हैं कि ईडी और सीबीआई समेत केंद्रीय जांच एजेंसियों को राजनीतिक संस्था नहीं बनना चाहिए। हमें जांच से कोई आपत्ति नहीं है। हमारी सरकार ने एसआईटी का गठन किया है। पूर्व मंत्री नागेंद्र और विधायक बसनगौड़ा दद्दल, जो वाल्मीकि विकास निगम के अध्यक्ष भी हैं, को तलब किया गया था। बैंक मामले की जांच भी सीबीआई कर रही है। अब अचानक ईडी घुस गई, उनके पास जानकारी हो सकती है, हम इससे इनकार नहीं करेंगे। प्रवर्तन निद-ेशालय की जांच जारी है तो एसआईटी ने भी दोनों को बुलाकर पूछताछ की और

जरूरी जानकारी हासिल की। अगर जरूरत पड़ी तो दोबारा जांच बुलाई जाएगी, निगम के अध्यक्ष बसवनगौड़ा दद्दल ने अपना सिर छुपाया नहीं है। वह कहीं छिपे नहीं हैं। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि निगम के पैसे का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में होने के कारण ईडी जांच कर रही है। ईडी ने हमारी पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी है, हमारे लिए अटकलें लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन के पूर्व अध्यक्ष वीरैया को इसलिए हटाया गया क्योंकि देवराज अरासु ट्रक टर्मिनल में 40-50 करोड़ की हेराफेरी हुई थी। कावेरी नदी का पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन समिति के आदेश के मद्देनजर रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि तकनीकी समिति बैठक में क्या जानकारी देगी। कब और कितना पानी छोड़ा जाना चाहिए, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दिशानिर्देश दिए हैं। पिछले आदेश हैं, लेकिन उतना पानी छोड़ने के लिए हमारे पास पानी होना जरूरी है। अभी बारिश शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि बांध में कितना पानी है और कितनी आवक है इसकी जानकारी टेक्नीशियन देंगे। विरोध करना हर किसी का अधिकार है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए विरोध करना चाहिए, ताकि जनता को परेशानी न हो। सुप्रीम कोर्ट से बड़ा कोई नहीं हो सकता। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा था कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा राज्य को इस महीने के अंत तक प्रतिदिन 1 टीएमसीएफटी कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को छोड़ने के निर्देश के खिलाफ अपील दायर की जाएगी। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, कावेरी बेसिन क्षेत्र के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद, सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य की अगली कार्रवाई पर निर्णय लेने के लिए 14 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस बार सामान्य बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद, अभी तक प्रवाह में 28 प्रतिशत की कमी है। सीडब्ल्यूआरसी के समक्ष हमारे रुख में हमने यह स्पष्ट रूप से कहा था। साथ ही, हमने जुलाई के अंत तक कोई निर्णय न लेने का अनुरोध किया, फिर भी सीडब्ल्यूआरसी ने 12 जुलाई से प्रतिदिन 1 टीएमसीएफटी पानी छोड़ने को कहा है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में यह राय बनी कि सरकार को इस आदेश के खिलाफ कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष अपील दायर करनी चाहिए।

कर्नाटक के जल मुद्दे पर सभी दल एक साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कर्नाटक के जल मुद्दे पर सभी दल एक साथ हैं। इसलिए, एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में केंद्रीय मंत्रियों, राज्य से लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों और कावेरी नदी बेसिन क्षेत्र के विधायकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार सभी को विश्वास में लेकर अपना अगला कदम तय करेगी। सिद्धरामैया ने कहा कि बिलिगुंडलु में तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है जो काबिनी बांध के प्रवाह के बराबर है। उन्होंने बताया कि राज्य में कावेरी बेसिन के सभी चार जलाशयों में कुल मिलाकर केवल 60 टीएमसीएफटी पानी उपलब्ध है। हमें कृषि गतिविधियों के लिए भी पानी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसलिए, कम बारिश को ध्यान में रखते हुए, हमने जुलाई के अंत तक इंतजार करने का अनुरोध किया है।

कल से विधानमंडल सत्र होगा शुरू, भाषण के लिए मंच तैयार

कई ज्वलंत मुद्दे दोनों सदनों में गूंजेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र 15 से 26 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। कावेरी नदी जल बंटवारा संकट, गारंटी योजना के कार्यान्वयन में देरी, वाल्मीकि विकास निगम का अवैध धन हस्तांतरण, मुडा घोटाला और कई अन्य ज्वलंत मुद्दे दोनों सदनों में गूंजेंगे। यह सत्र सत्तारूढ़ कांग्रेस और प्रतिद्वंद्वी दलों भाजपा और जेडीएस के बीच वाकयुद्ध का मंच होगा।

भाजपा पहले से ही अवैध धन हस्तांतरण और वाल्मीकि विकास निगम और मुडा घोटाले का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि विकास को प्राथमिकता नहीं दी गई है। संभावना है कि विधानसभा और विधान परिषद के सत्र में मुख्य रूप से बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा जारी करने में देरी, पिछले साल के सूखे का मुआवजा देने में देरी, डेंगू की बीमारी का बढ़ना, दूध में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे उठाये जायेंगे। विपक्ष के हथियारों का मुकाबला करने के लिए सत्ता पक्ष भी जवाबी कदम उठाने को तैयार है। भाजपा का लक्ष्य सत्तारूढ़ काल की खामियों और त्रुटियों को सामने लाकर विपक्ष को शर्मिंदा करना है।

सत्र के पहले दिन उन गणमान्य व्यक्तियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की जाएगी जिनका हाल ही में निधन हो गया। इसके बाद आधिकारिक गतिविधियां शुरू होंगी। संभावना है कि मंगलवार से सत्र में विस्तृत चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव में गठबंधन करने वाली भाजपा और जेडीएस ने सत्र में भी साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। मुडा घोटाला, वाल्मीकि कॉरपोरेशन घोटाला, ट्रांसफर रैकेट, अनुसूचित जाति-जनजाति फंड की हेराफेरी, किसान आत्महत्या मामले आदि कई मुद्दों को सदन में प्राथमिकता से उठाने की तैयारी है। विपक्ष सूखे की समस्या, अनियमित बारिश, डेंगू से मौत, कानून व्यवस्था, दूध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि देने में देरी समेत दर्जनों मुद्दे उठाकर सरकार को चुनौती देने की तैयारी में है। ऐसे में इस मानसून सत्र में कई अहम मुद्दों पर रोशनी पड़ने की उम्मीद है। 9 दिवसीय विधायी सत्र प्रशासन और प्रत्येक पक्ष के बीच बातचीत का एक मंच होगा।

एसआईटी जांच के बीच प्रवर्तन निदेशालय का हस्तक्षेप आवश्यक नहीं : सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राय दी है कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में धन हस्तांतरण मामले में एसआईटी जांच चल रही है और प्रवर्तन निदेशालय का हस्तक्षेप आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा हमारी सरकार किसी की सुरक्षा नहीं करती। जिन लोगों ने नमक खाया है उन्हें पानी पीना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। निगम में मनी ट्रांसफर मामले के लिए वित्त विभाग जिम्मेदार नहीं है। क्या यह कहा जा सकता है कि बैंकों में अनियमितताओं के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार हैं? निगम में प्रबंध निदेशक, वित्तीय अधिकारी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न खातों में पैसा ट्रांसफर करने का निर्णय प्रबंध निदेशक ने अकेले ही लिया था। एसआईटी की जांच बहुत एडवांस है। संबंधित लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही अब तक हुई जांच और कार्रवाई में 30 करोड़ रुपये जब्त किये गये हैं। इस स्तर पर निदेशालय का हस्तक्षेप आवश्यक नहीं था।

उन्होंने कहा कि ईडी बैंक में हुए लेनदेन की जांच कर सकती है। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के तहत भूमि आवंटन में कोई अंतर नहीं है, भाजपा राजनीतिक कारणों से मैसूरु में विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस राजनीतिक तौर पर जवाबी कार्रवाई करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। देश के सबसे बड़े राज्यों में सिर्फ कर्नाटक ही सत्ता में है। इसके लिए वे हमें यहां सिकोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इसकी इजाजत नहीं देंगे। डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस आरोप से सहमति जताई कि भाजपा साजिश कर रही है क्योंकि वे पिछड़े वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि समय आने पर हम उचित जवाब देंगे। वाल्मीकि अनुसूचित जाति विकास निगम घोटाले में ईडी जांच की जरूरत नहीं थी। राज्य सरकार पहले से ही जांच कर रही थी। उन्होंने कहा इसके बावजूद प्रवर्तन निदेशालय क्या कर रहा है, यह जानने के बाद हम जवाब देंगे।

राज्य के मुख्यमंत्री को घोटालों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए : ए नारायणस्वामी

राज्य सरकार है दलित विरोधी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ए नारायणस्वामी ने मांग की है कि राज्य के मुख्यमंत्री को घोटालों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार उजागर हो गया है। हम मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की दलित विरोधी नीति की निंदा करते हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने समाजवादी विचार खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 17 अनुसूचित जनजाति के विधायक हैं। इनमें से 16 लोग कांग्रेस से हैं और 3 लोकसभा सदस्य जीते हैं। राज्य सरकार ने 21 मार्च को वाल्मीकि निगम को 187 करोड़ रुपये ट्रांसफर किये थे। इस मामले में वन क्षेत्र में रहने वाली जनजातियों को भी राज्य के मुख्यमंत्री पर संदेह है। जब घोटाले की चर्चा हुई तो मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री का इस घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि एसआईटी के गठन के बाद भी मंत्री ने कहा था कि वह निर्दोष हैं। सिद्धरामैया, जिन्हें बार-बार

पिछड़े वर्गों का नेता कहा जाता है, ने दलितों और पीड़ितों के लिए निर्धारित धन को गारंटी में स्थानांतरित कर दिया है। ऐसी स्थिति में वह किस तरह से सीएम बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यासिरी रुक गई है। बच्चों को किताबें नहीं दी जातीं। छात्रावासों में भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता है।

उन्होंने आलोचना की कि कई बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है। उन्होंने गारंटी के माध्यम से निगमों का गला घोंट दिया है। जन साक्षात्कार के दौरान युवाओं द्वारा दिये गये आवेदन को फेंक दिया गया। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यह सामाजिक चिंता को समझने जैसा है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर आप खजाना खाली करके सरकार चलाने के लायक नहीं हैं, अगर आप दलितों के पैसे से सरकार चलाना चाहते हैं, तो कृपया कुर्सी छोड़ दें और घर चले जाएं। दलित विरोधी प्रशासन के बावजूद राज्य के दलित नेताओं ने कुछ नहीं बोला है। सभी ईमानदार दलित नेताओं को दलित फंड के दुरुपयोग के बारे में मुखर होना चाहिए। उन्होंने न्याय की गुहार लगाई। विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा हमने एसईपी टीएसपी दलित धन के दुरुपयोग के बारे में कई बार ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में दलित समुदाय के उत्थान के लिए निर्धारित 11,114 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया है। दलितों के लिए निर्धारित 14,282 करोड़ रुपये कहीं और भेज दिए गए हैं। यह सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली लुटेरी सरकार है।

आपने जनता के विकास के लिए नहीं बल्कि वोट बैंक की सुरक्षा के लिए गारंटी दी है। हम नहीं चाहते थे कि यह उन्हें अस्थायी तौर पर खुश करने वाला शो बने। उन्होंने कहा कि आपसे किसी ने आवेदन करने को नहीं कहा था।

दलित बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। छात्रवृत्ति मिलने पर वह उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा सकते हैं। इस साल से इसे भी रद्द कर दिया गया है। आपकी चिंता क्या है? प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक एन.महेश ने कहा कि दलित लाभुकों को जमीन देने के लिए विभिन्न निगमों को 1169 करोड़ रुपये की जरूरत है। सिद्धरामैया सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया है। गंगा कल्याण योजना की भी अनदेखी की गयी है।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए

उन्होंने कहा कि इसके लिए 650 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। हालांकि, बजट में सिर्फ 510 करोड़ ही रखे गए हैं। हम इस मामले पर सदन में और सदन के बाहर सवाल उठाने जा रहे हैं। क्या सिद्धरामैया और महादेवप्पा को 25 हजार करोड़ के दुरुपयोग पर शर्म नहीं आनी चाहिए। वह संविधान की किताब लेकर घूमते हैं। उन्होंने कहा क्या एससीएसटी के पैसे का इस तरह दुरुपयोग नहीं किया जा रहा है? उन्होंने कांग्रेस सरकार पर दलित विरोधी और संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने दलितों की चावल की थाली पर हाथ रखने के लिए सिद्धरामैया की आलोचना की। उन्होंने अनुरोध किया कि सभी दलित संगठनों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए। पूर्व सांसद एस मुनीस्वामी ने कहा कि दलित विधायकों को अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

रामनगर जिले का नाम नहीं बदला जाना चाहिए: सांसद मंजूनाथ

सीएम को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ ने सीएम सिद्धरामैया को पत्र लिखकर उनसे रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने के प्रस्ताव पर विचार न करने का आग्रह किया है। अपने पत्र में डॉ. मंजूनाथ ने कहा कि इस तरह से नाम बदलना सही नहीं है। नाम के साथ भावनात्मक, धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक जुड़ाव होता है। पूर्व सीएम केंगल हनुमंतैया ने जिले का नाम क्लोसेपेट से बदलकर रामनगर कर दिया था। सिद्धगंगा मठ के शिवकुमार महास्वामीजी और आदिचुंचुंगिरी मठ के बालगंगाधरनाथ स्वामीजी का जन्म इसी जिले में हुआ था और नादप्रभु केम्पेगौड़ा भी इसी क्षेत्र से हैं। उन्होंने लिखा कि रामनगर ने पांच सीएम दिए हैं और जेडीएस नेता एचडी देवेगौड़ा इसी क्षेत्र से सांसद बनकर पीएम बने हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि यह महर्षि का स्थान है और भगवान राम रामगिरी पहाड़ी पर रुके थे। मंजूनाथ ने कहा कि बेंगलूरु शहरी जिले में बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र है और इसी नाम का जिला भ्रम पैदा करेगा। जिले का नाम बदलकर विकसित करने

के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि अगर बेंगलूरु नाम से यह क्षेत्र विकसित होता तो 1947 से 1986 के बीच इसका विकास होता, जब यह बेंगलूरु शहरी का हिस्सा था और 1986 से 2007 के बीच जब यह बेंगलूरु ग्रामीण जिला था। इस क्षेत्र का विकास तब शुरू हुआ जब 2007 में इसका नाम बदलकर रामनगर जिला कर दिया गया। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपा गया है। शिवकुमार, जो जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, के नेतृत्व में रामनगर जिले के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिद्धरामैया को एक प्रस्ताव सौंपा। शिवकुमार ने राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री को प्रस्ताव सौंपने के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह पहल रामनगर, चन्नपटना, मगदी, कनकपुरा और हरोहल्ली तालुकों के विकास और भविष्य को ध्यान में रखते हुए की गई है। इससे पहले अक्टूबर 2023 में, शिवकुमार ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव रखा था। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने नाम बदलने के प्रस्ताव को रियल एस्टेट कारणों से जोड़ा। शिवकुमार ने कहा डोड्डबल्लापुर, देवनहल्ली, होसकोटे, कनकपुरा, रामनगर, चन्नपटना, मगदी के लोग मूल रूप से बेंगलूरु के ही हैं। प्रशासनिक सुविधा के लिए रामनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों को बेंगलूरु शहरी जिले से अलग किया गया था। हमने रामनगर जिले का नाम बदलने का प्रस्ताव पेश किया है। रामनगर शहर जिले का मुख्यालय बना रहेगा। नाम बदलने से जिले में उद्योग लगाने में मदद मिलेगी और जमीन का मूल्यांकन भी बढ़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बेंगलूरु के पास केवल रामनगर और तुमकुरु की ओर बढ़ने की गुंजाइश है क्योंकि शहर के दूसरी तरफ कर्नाटक की सीमा तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से लगती है। यह पूछे जाने पर कि बेंगलूरु दक्षिण जिले में कौन से ताल-ुके आएंगे, उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने की कवायद है। जिले की भौगोलिक सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा।

सिद्धरामैया की पत्नी को दान की गई जमीन मुडा की : कुमारस्वामी

यह मुख्यमंत्री की नाक के नीचे हुआ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी को दान की गई जमीन मुडा की है। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2010 में ऐसी जानकारी है कि मुख्यमंत्री की पत्नी को कृषि भूमि दान में मिली थी। लेकिन जमीन का अधिग्रहण 1997 में ही कर लिया गया और मुडा ने अदालत को 3.16 लाख रुपये का भुगतान किया। पैसे के भुगतान पर मुडा द्वारा अर्जित भूमि मुडा की संपत्ति बन जाती है। ऐसी जानकारी है कि मल्लिकार्जुन स्वामी ने इसे 2004 में देवराजू से खरीदा था। फिर 2005 में उन्होंने उस जमीन के भू-रूपांतरण के लिए आवेदन किया। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया तब उप मुख्यमंत्री थे। 1992-93 में निंगा उर्फ जावरा नामक व्यक्ति के नाम पर 3 एकड़ 16 गुंटा जमीन थी। 1998 में मृतक के नाम पर डिनोटिफिकेशन किया गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हैं। कहा जाता है कि सिद्धरामैया ने यह जमीन अपनी पत्नी को दान में दी थी। लेकिन देवराजू को मुडा की जमीन कैसे मिली? मुख्यमंत्री को इस बात का खुलासा करना चाहिए कि मृतक का डिनोटिफिकेशन कैसे किया गया। उन्होंने अपने आरोप से संबंधित प्रोजेक्ट मानचित्र समेत कई दस्तावेज प्रदर्शित किये। उन्होंने सीएम की आलोचना की कि 2013 के विधानसभा चुनाव लड़ते समय उनकी पत्नी के नाम पर दान की गई जमीन की जानकारी प्रमाण पत्र में नहीं दी गई थी। मुडा कांड अलग है, मुख्यमंत्री के परिवार का मामला अलग है। यह मुख्यमंत्री की नाक के नीचे हुआ। यह सत्ता का दुरुपयोग है और मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए यह कदाचार है। उन्होंने कहा कि उन्हें 62 करोड़ के बहुमूल्य संपत्ति के बदले दूसरा प्लॉट मिल गया है। जहां जमीन अधिग्रहीत की जाती है, वहां नियम है कि दो भूखंड अधिग्रहीत किए जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कहीं और प्लॉट मिल गया है। उन्होंने बताया कि यह उनकी विरासत में मिली संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि यह झूठा कांड है और जिस पर भी आरोप लगा है उसके खिलाफ कार्रवाई करना सरकार का कर्तव्य है। मैंने मुख्यमंत्री पर लगे आरोपों के संबंध में जानकारी उपलब्ध करा दी है।

उन्होंने कहा कि कोई भी वकील राज्यपाल से अभियोजन की अनुमति लेकर कोर्ट जा सकता है।

कुमारस्वामी ने सिद्धरामैया के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी दलों को यह बात बर्दाश्त नहीं हो रही है कि एक पिछड़ा नेता मुख्यमंत्री है। उन्होंने कहा जब लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू है, तो क्या वाल्मीकि निगम का पैसा अवैध हस्तांतरण नहीं है? प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री बंदप्पा काशेमपुर, विधान परिषद सदस्य टीए सरवन, एसएल भोजे गौड़ा, जेडीएस नेता आर प्रकाश और अन्य मौजूद थे।

राजनीतिक कारणों से की गई एक राजनीतिक साजिश

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा था कि राज्य में विपक्षी दल पिछड़े वर्ग के व्यक्ति के दो बार मुख्यमंत्री बनने को लेकर ईर्ष्यालु और असहिष्णु हैं। मुडा साइट आवंटन को लेकर विरोध और आरोप महज राजनीतिक कारणों से की गई एक राजनीतिक साजिश है।

सीएम ने कहा क्या मैं इससे डरूंगा? हम यह भी जानते हैं कि इसका राजनीतिक रूप से कैसे मुकाबला किया जाए। हालांकि, एक बार जब एसआईटी मुडा में कथित अनियमितताओं से संबंधित रिपोर्ट दे देगी, तो हम खामियों को दूर करेंगे। हम मुडा को साफ करेंगे।

कैमरे की निगरानी में हुई परीक्षा का उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने किया अवलोकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम.सी. सुधाकर ने शनिवार को वेबकास्टिंग के माध्यम से बीएमटीसी (कल्याण कर्नाटक), कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम और कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के विभिन्न पदों के लिए चल रही परीक्षा प्रक्रिया का अवलोकन किया। मंत्री और अधिकारियों ने केईए में लगे टीवी स्क्रीन पर राज्य में परीक्षा प्रक्रिया का सीधा प्रसारण देखा। शनिवार और रविवार को कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण उपरोक्त पदों के लिए कैमरे की निगरानी में लिखित परीक्षा आयोजित कर रहा है। परीक्षा बेंगलूरु, कलबुर्गी, धारवाड़ और बेल्लारी शहरों के कुल 22 केंद्रों के 377 कमरों में आयोजित की जा रही है। केईए के कार्यकारी निदेशक एच. प्रसन्ना ने कहा कि प्रत्येक परीक्षा कक्ष में एक कैमरा लगाया गया है और यह पहली बार है कि वहां के सभी घटनाक्रम को वेबकास्टिंग के माध्यम से देखा गया है। परीक्षा में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है, बेंगलूरु में केईए कार्यालय में एक राज्य स्तरीय कमांड सेंटर स्थापित किया गया है और घटनाक्रम पर नजर रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में टीवी लगाए गए हैं। बताया जाता है कि निगरानी के लिए कर्मचारियों को भी लगाया गया है। प्रश्नपत्र प्राप्त करने एवं उसके बंडल खोलने की समस्त प्रक्रिया वेबकास्ट की जायेगी। साथ ही, परीक्षा केंद्र में प्रवेश करते समय अभ्यर्थियों के फिंगरप्रिंट और फोटोग्राफ लेने और आवेदन के समय संलग्न फोटो से उसका ऑनलाइन मिलान करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर दूसरे को परीक्षा देने से रोक सकता है। हाल ही में आयोजित डीसीईटी के दौरान प्रिंसिपल कार्यालय में विकास की वेबकास्टिंग के सफल कार्यान्वयन के बाद, परीक्षा कक्ष से भी वेबकास्टिंग आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। कलबुर्गी, धारवाड़ और बेल्लारी कलेक्टर कार्यालयों में भी एक-एक डिप्टी कमांडिंग सेंटर है, जहां निगरानी भी होती है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है कि अन्य जिलों से भी विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं और वे परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखेंगे।

पिता ने वायरल किए बेटी के निजी वीडियो, मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि एक महिला ने अपने पति के खिलाफ अपनी 18 वर्षीय बेटी के निजी वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पिता की हरकत के बाद बेटी ने कथित तौर पर जहरीला फिनाइल पीकर अपनी जान देने की कोशिश की। उसे उडुपी शहर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शिकायत के अनुसार, लड़की का पिता अपनी बेटी से खुश नहीं था, क्योंकि कथित तौर पर वह तीर्थहल्ली के एक रिश्तेदार से प्यार करती थी। उसने उसके प्रेमी को घर बुलाया, उसकी पिटाई की और जबरन उसके फोन से सभी निजी वीडियो और तस्वीरें डाउनलोड कीं और कथित तौर पर उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इसके बाद उसने कथित तौर पर अपनी बेटी और पत्नी दोनों की पिटाई की, जिसके बाद दोनों घायल हो गईं। वायरल वीडियो से हुई शर्मिंदगी को बर्दाश्त न कर पाने के कारण लड़की ने शुक्रवार को कथित तौर पर अपनी जान देने की कोशिश की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की की मां ने उडुपी के सीईएन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच जारी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक ढीली बंदूक की तरह : शिवलिंगैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व भाजपा सैनिकों की एक प्रमुख राज्य समिति के सदस्य शिवलिंगैया ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक ढीली बंदूक की तरह हैं। वे हर जगह शूटिंग करते हैं। उन्होंने उनके बयानों को बेतुका बताया। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा राहुल गांधी ने कहा है कि अग्निशामकों को टिशू पेपर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। हालाँकि, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब नेहरू प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने हमारी सेना को 20 लाख से घटाकर 4 लाख कर दिया। इसका असर 62 के युद्ध में हुआ। उन्होंने कहा कि चीनियों ने हमारी जगह पर कब्जा कर लिया। राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना को बेतुका बताया। उन्होंने ऐसी बात की है मानो फायर फाइटर्स को कूड़े और मजदूरों की तरह इस्तेमाल करके फेंक दिया जाता है। उन्होंने बताया कि अगर वह सेवा के दौरान शहीद होते हैं तो उनके परिवार को एक करोड़ रुपये मिलेंगे। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश राज्य मुआवजे के रूप में अधिक राशि का भुगतान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक ऐसा मुआवजा नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि अग्निवीर भर्ती योजना के तहत अग्निशमन कर्मियों की भर्ती की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य सेना की छवि को बदलना है। हमारे देश में सैनिकों की औसत उम्र 32 साल है। पाकिस्तानी सैनिकों की औसत उम्र करीब 28 साल है। उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध के बाद औसत आयु कम करने का निर्णय लिया गया था। सेना में बड़ी संख्या में युवा और कम संख्या में सलाहकार होने चाहिए। उन्होंने विश्लेषण किया कि नरेंद्र मोदी युवाओं को देश निर्माण का मौका देने के लिए अग्निवीर के माध्यम से सेना में शामिल होने का अवसर दे रहे हैं।

शिवमोग्गा हवाई अड्डे पर विमान नहीं उतर पाने के कारण गृह मंत्री बेंगलूरु लौटे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर का शिवमोग्गा जिले का दौरा शनिवार को रद्द हो गया, क्योंकि जिस विमान से वे यात्रा कर रहे थे, वह खराब दृश्यता के कारण शिवमोग्गा हवाई अड्डे पर उतर नहीं सका। डॉ. परमेश्वर को शनिवार को सोराब और तीर्थहल्ली में कार्यक्रमों में भाग लेने जाना था। उन्होंने बेंगलूरु से शिवमोग्गा के लिए इंडिगो की उड़ान ली। हालांकि, विमान हवाई अड्डे पर नहीं उतर सका। विमान बेंगलूरु वापस लौट आया। स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने सोराब में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गृह मंत्री को सोराब और तीर्थहल्ली में कार्यक्रमों में भाग लेना था। विमान के नहीं उतरने के कारण वे कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा भाजपा के लोगों ने हवाई अड्डे की संरचना को अपनी पार्टी के प्रतीक कमल के समान बनाया। हालांकि, वे उचित लैंडिंग सुविधा सुनिश्चित नहीं कर सके। राज्य में भाजपा शासन के दौरान निर्मित हवाई अड्डे का उद्घाटन फरवरी 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था।

सिद्धरामैया मुडा घोटाले में सीधे तौर पर शामिल हैं: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा सीएम सिद्धरामैया अहिंदा (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों को संदर्भित करने वाला एक संक्षिप्त नाम) के बहाने गारंटी योजनाओं के लिए एससी/एसटी फंड का इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा डेढ़ साल में सिद्धरामैया सरकार ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने इस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शुरुआत की है। मैंने पहले कहा था कि कांग्रेस ने करोड़ों रुपये एकत्र किए हैं। वाल्मीकि विकास निगम से मिले फंड सैकड़ों लोगों को हस्तांतरित किए गए हैं। शुक्रवार को मैंने बेंगलूरु में कुछ अधिकारियों से मुलाकात की। सारा पैसा हैदराबाद की कंपनियों में चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया सब कुछ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की सहमति से हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा बिना किसी सबूत के उन्होंने (कांग्रेस ने) भाजपा पर 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाया। सिद्धरामैया सरकार 100 प्रतिशत भ्रष्ट है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज तक इन घोटालों के बारे में कुछ नहीं कहा। इसके लिए राहुल गांधी और सीएम सिद्धरामैया दोनों ही जिम्मेदार हैं।

स्टालिन के तमिलनाडु की उपेक्षा करने के आरोप को केंद्र ने किया खारिज

चेन्नई /शुभ लाभ ब्यूरो।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आरोप लगाया था कि दक्षिणी राज्य में विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र धनराशि रोक रहा है। केंद्र सरकार ने उनके इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही उन्होंने तमिलनाडु में पिछले दिनों योजनाओं के लिए दी गई धनराशि में वृद्धि के बारे में बताया।

केंद्र ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के उन आरोपों को खारिज कर दिया है। जिसमें उन्होंने वह दक्षिणी राज्य में विकास परियोजनाओं के लिए धनराशि रोक रहा है। केंद्र सरकार ने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु में रेलवे, राजमार्ग, हवाई अड्डों और सामाजिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाओं के लिए धनराशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि 2009 से 2014 के बीच रेलवे के

विकास के लिए तमिलनाडु को आवंटित बजट औसतन 879 करोड़ रुपये प्रति वर्ष था। जबकि केंद्र सरकार ने 2024-25 के बजट में राज्य के लिए 6,331 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं।

उन्होंने बताया कि इस रिकॉर्ड बजट के परिणामस्वरूप तमिलनाडु में नई रेलवे लाइनों का निर्माण, विद्युतीकरण, नई ट्रेनों का संचालन, स्टेशनों का विकास और यात्री सुविधाओं में वृद्धि का काम रिकॉर्ड गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में राजमार्गों की कुल लंबाई 2014 में 4,985 किलोमीटर से बढ़कर 6,806 किलोमीटर हो गई है। वहीं तमिलनाडु में 2014 से अब तक 64,704 करोड़ रुपये की लागत से 2,094 किलोमीटर लंबाई वाली परियोजनाएं दी गई हैं।'' उन्होंने बताया कि 48,425 करोड़ रुपये की लागत से 1,329 किलोमीटर लंबाई वाली परियोजनाएं क्रियान्वयन के अधीन हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में कुल 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। तमिलनाडु में केंद्र द्वारा 4,000 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से दो पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तमिलनाडु में प्रमुख बंदरगाहों में कुल निवेश 10,168 करोड़ रुपये है।

यही नहीं मत्स्य एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ) के तहत केंद्र द्वारा तमिलनाडु के लिए 1,574 करोड़ रुपये की 64 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 34 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। रिकॉर्ड के अनुसार पीएम आवास योजना के तहत केंद्र ने पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु में 15 लाख से अधिक घरों के निर्माण के लिए 20,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत तमिलनाडु में रेहड़ी-पटरी वालों को 670 करोड़ रुपये के पांच लाख से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं।

तमिलनाडु के 46 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 11,000 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि जल जीवन मिशन के तहत एक करोड़ से अधिक घरों को नल के पानी के कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिणी राज्य को केंद्र की पीएम उज्ज्वला और पीएम मातृ वंदना योजना के तहत क्रमशः 700 करोड़ रुपये मिले हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली में नेकर नगर के पास हुब्बल्ली-धारवाड़ बाईपास रोड पर शुक्रवार देर रात एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार और पीछे बैठे व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान धारवाड़ जिले के कालाघाटगी तालुक के अस्तकट्टी गांव निवासी 34 वर्षीय आनंद नायकर और 36 वर्षीय इरन्ना बदीगर के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे गब्बूर की ओर जा रहे थे, तभी एक अन्य वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हुब्बल्ली दक्षिण यातायात पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बेंगलूरु-मैसूरु बेल्ट के लिए सेमीकंडक्टर हब योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के आईटी, बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि कर्नाटक के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का विस्तार करने के लिए सिद्धरामैया प्रशासन सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक केंद्र के रूप में बेंगलूरु-मैसूरु बेल्ट के विकास पर विचार कर रहा है। यह ऐसे समय में हुआ है जब राज्य इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्यों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। ये राज्य अधिक निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजित करने के लिए उच्च सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दे रहे हैं। बेंगलूरु टेक समिट 2024 के लिए एक प्रेस ब्रीफिंग में, खड़गे ने यह भी कहा कि राज्य अगले 15 दिनों में एआई और एआई नीति के लिए रणनीति पर काम करने के लिए एक कार्य समिति का गठन करेगा।

इस बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी (आईटी/बीटी) क्षेत्र के प्रमुखों के साथ बैठक की, जहां उन्होंने कहा कि सरकार कंपनियों को राजधानी शहर से परे वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। बैठक में सीएम ने कहा कर्नाटक सरकार की आगामी जीसीसी नीति विनियमों को आसान बनाने और बड़ी कंपनियों को राज्य में, खासकर बेंगलूरु से परे के क्षेत्रों में परिचालन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हमारा ध्यान तकनीकी प्रगति की अगली लहर को अपनाने पर है। एआई, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और क्वांटम कंप्यूटिंग हमारे डिजिटल विकास के अगले चरण के निर्माण खंड हैं। हम इन तकनीकों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बेंगलूरु और कर्नाटक अत्याधुनिक बने रहें।

राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्ष ने दी हिदायत

मदरसों में गैर मुस्लिम बच्चों को रखना असंवैधानिक

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

मदरसों में धार्मिक शिक्षा के साथ ही आधुनिक शिक्षा भी जरूरी है। मदरसों में सिर्फ मुस्लिम बच्चों को ही नहीं, बल्कि हिंदू व अन्य गैर मुस्लिम बच्चों को भी शिक्षा मिलनी चाहिए, इसके लिए जरूरी है कि मदरसों को शिक्षा के अधिकार कानून के दायरे में लाया जाए। ऐसा कहना है राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग का, जिसने यूपी सरकार के उस आदेश का समर्थन किया है, जिसमें राज्य के सभी मदरसों को शिक्षा के अधिकार कानून के दायरे में लाए जाने की बात कही है। यूपी सरकार के आदेश का जमीयत उलमा-ए-हिंद विरोध कर रहा है, जिस पर अब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पलटवार किया है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि उन्होंने मदरसों को अपग्रेड करने की बात कही है, जहां मजहबी शिक्षा के साथ आधुनिक पढ़ाई भी होनी चाहिए, साथ ही अन्य धर्मों के बच्चों को भी शिक्षा मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम बच्चों को भी स्कूलों में दाखिल कराया जाना चाहिए। आयोग ने दारुल उलूम देवबंद के साथ ही जमीयत उलमा-ए-हिंद को भी निशाने पर लिया है, जिसने सरकारी स्कूलों में बच्चों को गैर-मजहबी प्रार्थनाओं में शामिल होने के खिलाफ उन्हें भड़काने की कोशिश की है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा, मदरसा, इस्लामिक मजहबी शिक्षा सिखाने का केंद्र होता है और शिक्षा अधिकार कानून के दायरे के बाहर होता है। ऐसे में मदरसों में हिंदू व अन्य ग़ैर मुस्लिम बच्चों को रखना न केवल उनके संवैधानिक मूल अधिकार का हनन है बल्कि समाज में धार्मिक वैमनस्य फैलने का कारण भी बन सकता है। इसलिए आयोग ने देश की सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया था कि संविधान के अनुरूप मदरसों के हिंदू बच्चों को बुनियादी शिक्षा का अधिकार मिले इसलिए उन्हें स्कूल में भर्ती करें और मुस्लिम बच्चों को भी धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का अधिकार देने के लिए प्रबंध करें। तत्संबंध में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के मुख्य सचिव ने आयोग की अनुशंसा के अनुरूप आदेश जारी किया था।

प्रियंक कानूनगो ने कहा, समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला है कि जमीयत ए उलेमा ए हिन्द नामक इस्लामिक संगठन इस आदेश बारे में झूठी अफ़वाह फैला कर लोगों को गुमराह कर सरकार की मुखालफत में जन सामान्य की भावनाएं भड़काने का काम कर रहा है, ये मौलवियों का एक संगठन है जो कि मदरसा दारुल उलूम देवबंद की एक शाखा ही है जो कि जिसके द्वारा गजवा ए हिन्द का समर्थन करने पर आयोग ने कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष उत्तर प्रदेश के देवबंद से सटे हुए एक गांव में चल रहे एक मदरसे में एक गुमशुदा हिंदू बच्चे की पहचान बदलने और खतना कर धर्मांतरण करने की घटना से सांप्रदायिक सामंजस्य बिगड़ा था। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भी ये कार्रवाई जरूरी है। आयोग अध्यक्ष ने कहा, उत्तर प्रदेश में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम भी लागू है, किसी को भी बच्चों की धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघन नहीं करना चाहिए। मेरी जनसामान्य से यह हाथ जोड़कर विनती है कि ये मामला बच्चों के अधिकार का है किसी भी कट्टरपंथी कठमुल्ले के बहकावे में न आएं और बच्चों के एक बेहतर भविष्य का निर्माण करने में सहभागी बनें। अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई हेतु सरकार से पृथक निवेदन किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मदरसों से जुड़े अवैध धर्म परिवर्तन के भी मामले सामने आते रहे हैं। वहीं, मदरसों के माध्यम से मुस्लिम बच्चों को सिर्फ धार्मिक शिक्षा दी जाती है। ऐसे में सरकार की कोशिश है कि मुस्लिम बच्चों को धार्मिक शिक्षा के साथ ही आधुनिक शिक्षा भी दी जाए, ताकि उनका समग्र विकास हो सके। लेकिन जमीयत जैसे संगठन मुस्लिम बच्चों की अलग पहचान और उनमें मजहबी कट्टरता भरने की कोशिश में लगे रहते हैं। हालांकि, यूपी सरकार ने साफ कर दिया है कि राज्य के 4 हजार से ज्यादा मदरसों को शिक्षा के अधिकार के तहत एक-समान शिक्षण नीति लागू करनी पड़ेगी।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने मदरसों में गैर मुस्लिम बच्चों को रखने की घटना को उनके मूल संवैधानिक अधिकारों का हनन करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक मदरसों में इस तरह की घटनाएं समाज में धार्मिक वैमनस्य या दुश्मनी को बढ़ावा देने का कारण बन सकती हैं। एनसीपी-सीआर अध्यक्ष 2008 में चंडीगढ़ से लापता बच्चे के सहारनपुर स्थित मदरसे में मिलने की खबर को लेकर बात कर रहे थे। कानूनगो ने कहा कि मदरसों के हिंदू बच्चों को वे संविधान के अनुरूप बुनियादी शिक्षा का अधिकार मिले इसलिए उन्हें स्कूल में भर्ती करें और मुस्लिम बच्चों को भी धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का अधिकार देने के लिए प्रबंध करें। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव महोदय ने आयोग की अनुशंसा के अनुरूप आदेश जारी किया था। आयोग के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि मदरसा इस्लामिक मजहबी शिक्षा सिखाने का केंद्र होता है और शिक्षा अधिकार कानून के दायरे के बाहर होता है।

प्रियांक कानूनगो ने लोगों से निवेदन किया है कि ये मामला बच्चों के अधिकार का है किसी भी कट्टरपंथी कठमुल्ले के बहकावे में न आयें और बच्चों के एक बेहतर भविष्य का निर्माण करने में सहभागी बनें। इसके साथ ही इस मामले में अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए सरकार से आग्रह किया गया है।

कट्टरपंथियों का दुस्साहस!

मुहर्रम के जुलूस में लहराया फिलिस्तीनी झंडा

दरभंगा (बिहार), 13 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार के दरभंगा जिले में मुहर्रम के जुलूस के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने फिलिस्तीन का झंडा लहराया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मुस्लिम युवकों को फिलिस्तीन का झंडा लहराते हुए आजादी के नारे लगाते हुए देखा गया। घटना का वीडियो वायरल होते ही बवाल मच गया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित एक्शन लिया।

घटना दरभंगा के लहेरियासराय थाना क्षेत्र में हुई। मुहर्रम के मौके पर लहेरियासराय के उर्दू मोहल्ले में मुस्लिमों की तरफ से अखाड़ा जुलूस निकाला गया।

वायरल वीडियो में देखा गया कि कुछ युवक लाठी भांजते दिख रहे हैं, जबकि वहीं कुछ युवक फिलिस्तीन का झंडा लहराते देखे गए। यह सामने आते ही माहौल बिगड़ने से बचाने के लिए पुलिस ने तुरंत केस दर्ज इसकी जांच शुरू कर दी।

इस घटना को लेकर दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ जलारेड्डी कहते हैं कि शुक्रवार के दिन ये घटना हुई है।

इसकी जांच के लिए सदर के एसडीओ को जिम्मा दिया गया है। जांच की जा रही है।

इस घटना को लेकर दरभंगा जिले भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बालेंदु झा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दरभंगा में इस तरह करने की हिम्मत मुस्लिमों को संसद में असदुद्दीन ओवैसी द्वारा फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाने से मिली है। भाजपा नेता ने फिलिस्तीनी झंडा लहराने वाले आरोपियों के साथ ही असदुद्दीन ओवैसी को भी गिरफ्तार करने की मांग की है, ताकि दोबारा किसी की ऐसा करने की हिम्मत न हो।

अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन तीर्थ यात्रियों की मौत, चार घायल

चित्रकूट, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

चित्रकूट मप्र के मझगवां थाना अंतर्गत सतना मार्ग के भरगवां मोड़ के पास तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक ने सामने से कार पर टक्कर मार दी।

इससे कार सवार तीन की मौत हो गई। चार अन्य घायल हो गए। सभी दमोह व सागर जिले से चित्रकूट तीर्थ स्थान दर्शन करने के लिए आ रहे थे। दमोह व सागर जिले के दो परिवार के सदस्य शनिवार की सुबह कार से चित्रकूट तीर्थ स्थान में दर्शन करने के लिए आ रहे थे।

जैसे ही चित्रकूट -सतना मार्ग के भरगवां मोड़ के पास पहुंचे सामने से तेज रफ्तार से आए ट्रक ने कार पर टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा ट्रक के अगले हिस्से में आधा घुस गया। यह देखते ही मौके पर स्थानीय लोग

व पुलिस पहुंची। क्रेन से कार को ट्रक से बाहर निकाल उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें सागर जिला के नेहा नगर मारकोनिया निवासी चंद्रभान तिवारी (45) व सुदामा दुबे (75) की मौत मौके पर हो गई।

दमोह निवासी प्राची तिवारी (22) की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हो गई। घायलों में दमोह नाका जबलपुर निवासी अलका तिवारी, अकांक्षा दुबे व दो बच्चे दुर्गेश दुबे, अक्षांत दुबे घायल हो गए। जिसमें अक्षांत की हालत गंभीर हैं। घायलों को सतना शहर के बिरला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक व कार को सडक़ से हटवाकर किनारे खड़ी कराया है।

इस्लाम नहीं अपनाने पर हिंदू पत्नी का काट दिया गला

प्रयागराज, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 9 जुलाई को एक हिंदू लड़की की हत्या के आरोपित शोएब अख्तर को जमानत देने से इनकार कर दिया। दरअसल, लड़की ने साल 2020 में इस अपराध के सह-आरोपित एजाज अहमद से शादी की थी, लेकिन शादी के बाद उस पर इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। लड़की ने जब धर्मांतरण से इनकार कर दिया तो उसकी हत्या कर दी गई।

न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने अपराध की प्रकृति, आवेदक शोएब अख्तर को सौंपी गई भूमिका और मुकदमे के चरण को ध्यान में रखते हुए आरोपित को जमानत पर रिहा करने का कोई ठोस कारण नहीं पाया। शोएब अख्तर पर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में चोपन पुलिस ने आईपीसी

की धारा 302 और 201 (सबूतों को छिपाना) के तहत मामला दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट में अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि आरोपित शोएब अख्तर ने प्रिया की इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि उसने सह-आरोपित उसके दोस्त एजाज अहमद से शादी करने के बाद इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार कर दिया था। जैसा कि ने 2020 में बताया था कि आरोपित एजाज प्रिया सोनी को तब तक अपने घर नहीं लाना चाहता था जब तक कि वह इस्लाम धर्म नहीं अपना ले।

चूंकि पीड़िता अपनी हिंदू पहचान छोड़ने के लिए राजी नहीं थी, इसलिए एजाज ने उसे ओबला इलाके में एक किराए के कमरे में रखा। यहां वह पीड़िता पर इस्लाम अपनाने का लगातार दबाव बना रहा था। जब मृतका ने धर्म परिवर्तन करने से इनकार कर दिया तो गुस्साए एजाज ने अपने एक अन्य दोस्त शोएब अख्तर को बुलाया। दोनों मुस्लिम युवक प्रिया को पास के जंगल में ले गए और वहाँ उसकी हत्या कर दी। सिंदुरिया गांव के एक चौकीदार को 21 सितंबर 2020 को सूचना मिली कि नाले में एक सिर कटी एक लाश पड़ी है। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर उसकी पहचान शुरू कर दी। बाद में पता चला कि यह लाश प्रिया नाम की एक हिंदू महिला की थी। प्रिया ने कुछ दिनों पहले ही एजाज अहमद उर्फ आसिफ के साथ शादी की थी। हालांकि, वह धर्मांतरण नहीं करना चाहती थी।

मृतका की बहन शर्मिला ने कहा कि प्रिया उसे बताती थी कि एजाज अहमद और उसका दोस्त शोएब अख्तर उस पर इस्लाम अपनाने का लगातार दबाव बना रहे थे, जबकि वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं थी। अदालत के आदेश में कहा गया है, दोनों आरोपियों को एक साथ पकड़ा गया और उनके खुलासे पर आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। यह दूसरी बार है जब शोएब अख्तर ने जमानत की अर्जी दाखिल की है। इसी साल जनवरी महीने में हाईकोर्ट ने यह अर्जी खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। यह उसकी दूसरी जमानत अर्जी है। इसे भी इसी आधार पर कोर्ट ने खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को इस मामले का निपटारा जल्द करने का आदेश दिया है।

300 हेरिटेज मास्ट और 1500 स्मार्ट सोलर लाइटिंग से दमकेगा प्रदेश

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और विशेष रूप से सौर ऊर्जा के जरिए प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक तरफ, प्रदेश के विभिन्न शहरों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में सौर ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं के प्रति आम लोगों में रुचि विकसित करने के लिए भी विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में, सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश के विभिन्न शहरों के चिह्नित स्थानों को 300 हेरिटेज मास्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम तथा 1500 स्मार्ट सोलर लाइटिंग से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसी के साथ ही, प्रदेश के विभिन्न सरकारी कार्यालयों को 2 मेगावाट व 4 मेगावाट के ऑन ग्रिड हाइब्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय अभिकरण (यूपीनेडा) ने कॉन्ट्रैक्टर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करते हुए पात्र

आवेदकों से आवेदन मांगे हैं।

यूपीनेडा द्वारा प्रदेश में हेरिटेज मास्ट व स्मार्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम तथा 2 व 4 मेगावाट के ऑन ग्रिड हाइब्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट की सप्लाई, स्थापना, संचालन और मेंटेनेंस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन सभी उपकरणों को प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कार्यावंटन के बाद 4 महीने की समयसीमा निर्धारित की गई है। इन सभी उपकरणों को कॉम्प्रिहेंसिव वॉरंटी युक्त किया जाएगा। इन उपकरणों की स्थापना व संचालन के बाद चयनित कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को ही 5 वर्षों तक इनके संचालन व मेंटिनेंस संबंधी कार्यों को सुनिश्चित करना होगा। उल्लेखनीय है कि हेरिटेज मास्ट लाइटिंग को 7.92 करोड़ जबकि स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम को 39.45 करोड़ रुपए व्यय से स्थापित किया जाएगा। वहीं, प्रदेश के विभिन्न सरकारी दफ्तरों की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिए 2 व 4 मेगावाट के ऑन ग्रिड हाइब्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट को 35.57 करोड़ व 68.74 करोड़ के व्यय से पूरा किया जाएगा।

यूपीनेडा की कार्ययोजना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के विभिन्न सोलर सिटीज समेत प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों को हेरिटेज मास्ट व स्मार्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम से लैस करने की तैयारी की जा रही है उसमें इन शहरों के ज्यादा फुटफॉल रीजन पर मुख्यतः फोकस किया जा रहा है। इस क्रम में, विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्य सड़कों/चौराहों, पशु बाजारों, छोटे बाजारों (हाट) के साथ ही पंचायत घरों, सार्वजनिक पेयजल स्रोतों, क्रॉस रोड/रोड जंक्शनों, मेला मैदानों आदि पर इनकी स्थापना, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव किया जाएगा। प्रत्येक सोलर एलईडी हेरिटेज मास्ट लाइटिंग सिस्टम में 200 वाट पावर के 4 यूनिट के रूप में 800 वाट पावर की कैपेसिटी होगी। इनकी बैटरी लीथियम फेरो फॉस्फेट बेस्ड होगी जो कि 12.8 वोल्ट आउटपुट पर कार्य करेगी। इस दौरान प्रत्येक हेरिटेज लाइट सिस्टम की ल्यूमेन एफीकेसी 135 ल्यूमेन प्रति वाट रहेगी। वहीं, स्मार्ट स्ट्रीट सोलर लाइटिंग सिस्टम 6 मीटर के पोल पर इम्पैनल्ड होगा जो कि 140 ल्यूमेन प्रति वॉट होगी तथा सिस्टम वॉटेज 45 वॉट होगी। ये लाइटें 50 हजार घंटे की लाइफ एक्सपेक्टेंसी युक्त होंगी।

प्रदेश के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में स्थापित किए जाने वाले 2 व 4 मेगावॉट ऑन ग्रिड हाइब्रिड रूफटॉप सिस्टम सोलर फोटो वोल्टिक प्रक्रिया (एसपीवी) से युक्त होकर कार्य करेगा। यह कई खूबियों से लैस होगा। यह पावर प्लांट को कई कंपोनेंट्स के माध्यम से पूरा किया जाएगा। इनमें सोलर पीवी मॉड्यूल, हाइब्रिड इन्वर्टर, माउंटिंग स्ट्रक्चर, जंक्शन बॉक्स, अर्थिंग व लाइटिंग प्रोटेक्शन, बैटरी, इंफ्रा व अल्ट्रावॉयलेट रेज प्रोटेक्टेड पीवीसी केबल्स, पाइप व अन्य एक्सेसरीज तथा रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम मुख्य होंगे। उल्लेखनीय है कि ग्रिड से जुड़ी एसपीवी प्रणाली बैटरी बाय डायरेक्शनल होने के साथ ही आवश्यक विशेषताओं के साथ डिजाइन व इंपैनल की जाएगी

ओम बिरला की बेटी पर दिए बयान के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ध्रुव राठी पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की बेटी अंजलि को लेकर भ्रामक पोस्ट करने का आरोप लगा है। ध्रुव पर आरोप है कि उन्होंने लोक सभा स्पीकर ओम बिरला की बेटी अंजलि के यूपीएससी क्लियर करने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसी पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में ध्रुव राठी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मानहानि, देश की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छवि खराब करना, शांति भंग और आईटी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ध्रुव राठी के खिलाफ अंजलि के भाई नमन माहेश्वरी ने मामला दर्ज कराया है।

राष्ट्रीय विधि विवि के दीक्षांत समारोह में पहुंचे चंद्रचूड़

विधि का शासन ही सुशासन की पहली शर्त : योगी

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य अतिथि और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ छात्रों को उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि सुशासन की पहली शर्त है विधि का शासन। न्याय संगत व्यवस्था हर व्यक्ति को प्रिय है और न्याय समय पर हो, समयबद्ध तरीके से हो, इसके लिए उस फील्ड के विशेषज्ञ उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। विधि के इस शासन के लिए ही आज भारत जाना जा रहा है। परसेप्शन बदलने में, आमजन की धारणा बदलने के लिए, देश और दुनिया की धारणा बदलने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय एक सही राह पर आगे बढ़ चुका है। यहां के उपाधि प्राप्त करने वाले जितने भी स्नातक, परास्नातक और शोध करने वाले छात्र हैं, वे अपने कार्यों के माध्यम से न सिर्फ विश्वविद्यालय को बल्कि समाज और राष्ट्र को लाभान्वित करके अपने अभिभावकों और अपने गुरुजनों को गौरवान्वित करने का कार्य करेंगे।

सीएम योगी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ का स्वागत करते हुए कहा कि भारत के अंदर विधि का शासन हो, अच्छे विधि विशेषज्ञ स्नातक, परास्नातक और शोध की डिग्री लेने के उपरांत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण के अभियान का हिस्सा बन सकें, इसके प्रति यहां के छात्रों के अंतःकरण की जिजीविषा के कारण ही आज यह संयोग देखने को मिल रहा है कि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में भी मुख्य अतिथि के रूप में भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ का आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। इससे पहले भी दो दीक्षांत समारोह में उनका आशीर्वाद यहां के विद्यार्थियों को प्राप्त होता रहा है। इस अवसर पर उनकी उपस्थित हम सबको आह्लादित करती है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय में जाने से पूर्व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल उत्तर प्रदेश वासियों के लिए और न्याय जगत के लिए अविस्मरणीय पल रहा है। आज भी उत्तर प्रदेश का वासी, न्याय जगत में विश्वास करने वाला हर व्यक्ति बड़े ही सकारात्मक भाव से उनकी बातों की सराहना करता है।

सीएम योगी ने कहा कि जब मुख्य न्यायाधीश उपाधि प्राप्त करने वाले उपाधि धारकों से परिचय पूछने के साथ-साथ वर्तमान में उनके कार्यों के बारे में पूछ रहे थे तो ये देखकर प्रसन्नता हो रही थी कि बहुत सारे उपाधि धारक न्यायिक क्षेत्र की अलग-अलग जगहों पर जाकर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। यानी विश्वविद्यालय की राह सही है, सकारात्मक है। उस पहल के साथ हम सबको भी जुड़ना होगा। बार और बेंच का बेहतर समन्वय बहुत महत्व-पूर्ण है। एक आम जनमानस आपके पास एक उम्मीद लेकर आता है। हम देखते हैं कि परिवारिक विवादों को लेकर जब लोग आते हैं तो वह किसी की नहीं सुनते, लेकिन अधिवक्ता जहां कहता है वो वहां आंख बंद करके साइन कर देते हैं, क्योंकि अधिवक्ता पर उनका विश्वास है। यह विश्वास आपकी सबसे बड़ी पूंजी है और यह विश्वास सामान्य नागरिक का बार और बेंच दोनों पर बना रहना चाहिए। इस विश्वास पर खरा उतरना हम सबके लिए सदैव सबसे बड़ी चुनौती रही है, क्योंकि बदलते हुए परिवेश में लोगों की आवश्यकताएं, तौर तरीके, टेक्नोलॉजी व्यक्ति को भी और व्यवस्था को भी बदलती है।

सीएम योगी ने कहा कि बदलाव की राह क्या होनी चाहिए, वो सकारात्मक है या नकारात्मक ये हमको तय करना है। यदि हमारी राह सकारात्मक होगी तो आपकी राह न्यायिक जगत ही नहीं, जीवन के हर एक क्षेत्र में बहुत उज्ज्वल होगी। अगर राह नकारात्मक होगी तो यह न आपके व्यक्तिगत हित में होगी, न समाज के और न ही राष्ट्र के हित में होगी। इस अवसर पर एक पुरानी कहावत याद आती है कि परिवार के हित में व्यक्ति को छोड़ना पड़े तो हमें उसमें परहेज नहीं करना चाहिए। वहीं, गांव के हित में परिवार को भी छोड़ना पड़े तो परहेज नहीं करना चाहिए। और अगर समाज के हित में गांव से परहेज करना पड़े तो भी हमें उसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। यदि राष्ट्र के हित में इन सबसे अलग हटना पड़े तो राष्ट्र हमारे जीवन में सर्वोच्च होना चाहिए। जब इस ध्येय के साथ हम कार्य करते हैं तो यह छोटी बातें आपको प्रभावित नहीं कर पाएंगी।

सीएम योगी ने कहा कि कुलपति महोदय जब दीक्षांत उपदेश पढ़ रहे थे तो उसमें तृतीय उपनिषद की बात कर रहे थे। एक स्नातक के जीवन में अच्छा बनने के लिए क्या कुछ होना चाहिए, इसके विषय में उपनिषद विस्तार से बताता है। इसमें कहा गया है कि सत्यं वद, धर्म चरः अर्थात सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना। धर्म सिर्फ उपासना विधि नहीं है। धर्म नैतिक मूल्यों का, सदाचार का और हमारे कर्तव्यों का एक पर्याय है जो देश, काल और परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए हम सबको सम और विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों के प्रति आगाह करता है। अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होकर के काम करना, यही हमारा धर्म है और वो भी यदि राष्ट्र को साक्षी मानकर हम कार्य कर रहे हैं तो सचमुच हम अपनी उस ऋषि परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने आप को उसका उत्तराधिकारी कह सकते हैं, जिसने हजारों वर्ष पहले ये उपदेश उस काल खंड के युवाओं के लिए रचे थे। प्राचीन गुरुकुल की परंपरा में दीक्षांत समारोह एक समावर्तन समारोह के रूप में होता था, उस समय यह मान्यता थी कि जो भी यहां से स्नातक निकलेगा वह इतना परिपक्व होगा कि सारी परी-क्षाओं को पास करके अपने भावी जीवन को आगे बढ़ाएगा। अगर हम भी अपने जीवन में बिना किसी चुनौती की परवाह किए खुद को ढालेंगे, उसका परिणाम हमारे हित में सुखद होगा, हमारे समाज और देश के हित में सुखद होगा। हम भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जाकर बहुत कुछ नया कर पाएंगे।

कानून पढ़ाने की प्रक्रिया में क्षेत्रीय भाषाओं का ध्यान रहेः चंद्रचूड़

भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने इस अवसर पर लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूं कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए और मेरा सोचता हूं कि आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएलबी कोर्स शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े कानूनों को भी पढ़ाना जाना चाहिए। मान लीजिए अगर कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के पड़ोस के गांव में, गांव से विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय की विधिक सहायता केंद्र में आता है और अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति को कैसे मदद कर पाएगा। इसलिए जमीन संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में भी छात्र को अवगत कराना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। उदाहरण के तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत के संविधान में प्रचलित विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में आखिर लिखा क्या गया है। आज 1950 से लेकर 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय के 37000 निर्णय है, जिनका हिंदी में अनुवाद हो गया है और यह सेवा सब नागरिकों के लिए मुफ्त है। कार्यक्रम में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह, विभागाध्यक्ष विधि प्रो. आदित्य प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई न्यायमूर्ति उपस्थित रहे।

डग्गामार और बिना परमिट की बसें चलीं तो नपेंगे अफसर

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। वहीं मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं। ऐसी बसों के खिलाफ पूरी सख्ती के साथ अभियान चलाएं और इनके मालिकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां भी इस प्रकार की बसों का संचालन हो रहा है, वहां के परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में पंजीकृत सभी यात्री बस और स्कूल बसों के फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की जांच की जाए। इसके बाद कहीं भी कोई अप्रिय घटना हुई तो सीधे सीधे परिवहन विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। कहा कि डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहन किसी भी दशा में सड़क पर न उतरने पाए। उन्होंने कहा कि डग्गामार और बिना परमिट वाली बसों को सड़क पर आने से पहले ही रोकना होगा।

बाढ़ से हालात बिगड़े, हजारों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया

लखनऊ-बरेली, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

पहाड़ों से मैदान तक लगातारी जारी भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी ने उत्तर प्रदेश में तबाही के हालात पैदा कर दिए हैं। शाहजहांपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सीतापुर सहित कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। शाहजहांपुर शहर में बाढ़ का पानी घुसने से जनजीवन पर भारी असर पड़ा है। शाहजहांपुर में बाढ़ की वजह से बरेली-लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन पिछड़े 48 घंटे से बंद हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में पानी भरने से मरीजों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ से घिरे हजारों लोगों को दूसरे स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ के हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित इलाकों का हवाई दौर कर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाई जा रही हैं। सरकार ऐसे पीड़ितों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराएगी। एक दर्जन से अधिक जिलों में सैकड़ों गांव जहां बाढ़ की चपेट में नजर आ रहे हैं, वहीं शाहजहांपुर सहित कई शहरों में भी बाढ़ से हालात विकराल दिखाई दे रहे हैं। बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सीतापुर के 250 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में बताए गए हैं। लखीमपुर खीरी के 150, शाहजहांपुर के 30, बदायूं के 70, बरेली के 70 और पीलीभीत के 222 गांव में बाढ़ के हालात बन चुके हैं।

शाहजहांपुर में गर्रा नदी ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। नदी उफनाने से बाढ़ का पानी दूसरे दिन शुक्रवार को भी दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर कम नहीं हुआ। इसकी वजह से कार-बाइक व अन्य छोटे वाहनों का हाइवे पर संचालन ठप है। बाढ़ की वजह से रोडवेज बसों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में बाढ़ का पानी भरने के बाद मरीजों को आसपास के जिन अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था, उनमें भी पानी भरने के बाद समस्या विकराल हो गई। रेलवे ट्रैक पर पानी आने के चलते मुरादाबाद-लखनऊ के बीच तमाम स्थानों पर कॉशन तय करके ट्रेनों को भी धीमी गति से गुजारा जा रहा है। हिमालय की तराई से सटे यूपी के जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर दिखाई दे रही है। उत्तराखंड व नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही वर्षा से शारदा व राप्ती नदियां उफनाई हैं। पीलीभीत शहर व देहात में शारदा और खकरा नदियों का पानी मुहाने तोड़कर हर तरफ बाढ़ के मंजर दिखा रहा है। ऐसे ही हालात लखीमपुर खीरी बहराइच जिले के बने हैं, जहां बाढ़ की वजह से जिंदगी पटरी से उतर गई है।

योगी सरकार बाढ़ प्रभावित जिलों में प्रशासन, पुलिस, पीएसी के साथ एनडीआरएफ के साथ सेना की भी मदद ले रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व दूसरे अफसर बाढ़ प्रभावित इलाकों में ट्रैक्टर, नाव आदि से पहुंचकर राहत-बचाव में तेजी ला रहे हैं। बाढ़ से घिरे लोगों तक खाना, पानी और दवाएं पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। सीएम योगी ने पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में मौके पर पहुंचकर बाढ़ संकट से पैदा हुए हालात का जायजा लिया है और अफसरों को राहत-बचाव कार्य लगात-ारी जारी रखने की हिदायत दी है।

बरेली के नवाबगंज में पीलीभीत से आए पानी से दर्जनों गांव डूब गए हैं। हरदोई में गर्रा नदी में जलस्तर बढ़ने से 57 गांवों पर संकट है। अंबेडकरनगर में सरयू, घाघरा नदियां बारिश व बैराजों से छोड़े गए पानी से उफान पर हैं। उत्तराखंड के बनबसा बैराज से अधिक पानी छोड़े जाने से शारदा नदी खतरे के निशान पर है।

लखीमपुर में आई बाढ़ के कारण किसानों को करोड़ों का नुकसान हुआ है, जहां के पलिया, निघासन, धौरहरा और सदर तहसील का फूलबेहड़ व नकहा इलाके बाढ़ से प्रभावित हैं। खेतों में पानी भर जाने के कारण फसल बर्बाद हो गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में पशुओं को चारा मिलना मुश्किल हो रहा। दुग्ध उत्पादन में गिरावट देखी जा रही हे। नेपाल से पानी छोड़े जाने की वजह से बलिया और मऊ में सरयू नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। गोरखपुर में राप्ती, सरयू और आमी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कुशीनगर में मवन नाले का तटबंध टूटने से कप्तानगंज क्षेत्र के घरों में पानी घुस गया है। महराजगंज में चंदन, प्यास और महाव नाला लाल निशान पार कर गया है। सिद्धार्थनगर के नवापुर विकास खंड के कई गांवों में पानी घुसने लगा है।

मुख्यमंत्री योगी ने पीलीभीत और लखीमपुर खीरी के बाद बलरामपुर व श्रावस्ती का दौरा किया है। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि नेपाल के पानी से पूर्वांचल के जिलों में असमय बाढ़ आने से फसलें बर्बाद हुई हैं और नुकसान हुआ है। सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता कर रही है। राहत-बचाव कार्य दिन-रात जारी हैं। बता दें कि बाढ़ग्रस्त जनपदों के अलावा बाकी स्थानों पर भी शासन के निर्देश पर बाढ़ चौकियां पहले ही बनाई जा चुकी हैं। नदियों के पास बनाई गईं बाढ़ चौकियों पर पुलिस के साथ राजस्व विभाग की टीमें लगातार जलस्तर की निगरानी कर रही हैं और जरूरत होने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटी हैं।

अपना खून देकर दूसरों की जान बचाने में यूपी वाले अव्वल

रक्तदान में यूपी ने बनाया रिकॉर्ड

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

अपना खून देकर औरों की जान बचाने में उत्तर प्रदेश के लोगों का पूरे देश में कोई मुकाबला नहीं है। राज्य की 14.61 फीसदी आबादी ने साल 2023 में रक्तदान किया जो सर्वाधिक है। यूपी के बाद महाराष्ट्र दूसरे और गुजरात तीसरे पायदान पर है।

आरटीआई कार्यकर्ता विपुल शर्मा के आवेदन के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ई रक्तकोष पोर्टल के आंकड़े साझा करते हुए बताया, कोरोना महामारी के बाद देश में हर साल रक्तदान में करीब 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। साल 2021 में 45 लाख यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो 2022 में बढ़कर 80 लाख यूनिट तक पहुंच गया। 2023 में देश के तीन हजार से ज्यादा ब्लड बैंकों में पहली बार 1.29 करोड़ यूनिट रक्त इकट्ठा हुआ। इनमें सबसे ज्यादा 18.11 लाख यूनिट रक्तदान उत्तर प्रदेश के 400 से ज्यादा ब्लड बैंकों में किया गया। इसके बाद महाराष्ट्र में 15.20 लाख और गुजरात में 10.51 लाख यूनिट रक्त जमा हुआ। एक बार में आधा लीटर दे सकते हैं रक्त : अमेरिकन रेड क्रॉस सोसायटी के मुताबिक, एक महिला के शरीर में 4.3 लीटर और पुरुष में औसत 5.7 लीटर रक्त होता है। हर दिन एक स्वस्थ व्यक्ति 400 से 2,000 मिलीलीटर रक्त उत्पादित करता है। एक बार में एक व्यक्ति करीब आधा लीटर तक रक्तदान कर सकता है। सरकार ने जानकारी दी है कि कोविड-19 महामारी से पहले साल 2018 में देश में 124 ब्लड बैंक ई रक्तकोष पोर्टल पर पंजीकृत थे।

इनमें पूरे साल में 35 लाख यूनिट रक्त एकत्र हुआ था। 2019 में रक्तदान बढ़कर 43 लाख यूनिट पहुंच गया। हालांकि, 2020 में कोरोना की पहली लहर के दौरान इसमें गिरावट आई और 40 लाख यूनिट रक्त ही जमा हुआ।

वैश्विक स्तर का स्टेडियम वाला चौथा शहर होगा गोरखपुर

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

नरेंद्र हिरवानी और गोरखपुर का क्रिकेट एक दूसरे के पर्याय हैं। देश के महान लेग स्पिनर्स में शुमार हिरवानी अपने खेल के बूते 1988 में क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी रह चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिरवानी की परंपरा को और समृद्ध करने जा रहे हैं। इसका जरिया बनेगा गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्र में बनने वाला वैश्विक स्तर का क्रिकेट स्टेडियम। इसके निर्माण की घो-षणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत छह जुलाई को गोरखपुर दौरे के दौरान थी।

मिली जानकारी के अनुसार करीब 100 एकड़ में बनने वाले इस स्टेडियम की जमीन के लिए सड़क, हवाई यातायात की कनेक्टिविटी को ध्यान रखा जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो कानपुर, लखनऊ, वाराणसी के बाद उत्तर प्रदेश का यह चौथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम होगा। इसका लाभ न केवल गोरखपुर, बल्कि पूर्वांचल, सटे हुए बिहार और मित्र राष्ट्र नेपाल की खेल प्रतिभाओं को भी मिलेगा। बेहतर प्रशिक्षण के जरिए क्रिकेट खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूर्वांचल का नाम रौशन करेंगे। यही नहीं इससे स्पोर्ट्स के कारोबार में भी बूम आएगा। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच शुरू होने पर स्पोर्ट्स टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी लाभ होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खेलों से खासा लगाव है। समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों से वह न केवल मिलते हैं बल्कि उनको सम्मानित भी करते हैं। इसी क्रम में कुछ रोज पहले टी-20 विश्व विजेता टीम के हिस्सा रहे उत्तर प्रदेश के क्रिकेटर कुलदीप यादव से भी उनकी अपने आवास पर भेंट हुई थी। यही नहीं ऐसे खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ में जाने के पहले वह हौसला अफजाई भी करते हैं। अगस्त 2021 में खिलाड़ियों के सम्मान में ही यहां लखनऊ में उनके मार्गदर्शन में खेल कुंभ का भी आयोजन हुआ था। इसी में मुख्यमंत्री ने लखनऊ में खेल एकेडमी बनाने एवं कुश्ती समेत दो खेलों को एडॉप्ट करने एवं 10 साल तक इनके वित्त पोषण की भी घो-षणा की थी। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं दक्षता बढ़े इसके लिए मेरठ में हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के नाम से खेल विश्वविद्यालय भी बन रहा है। गांव-गांव में खेल मैदान, ओपन जिम, गंगा के तटवर्ती गावों में गंगा मैदान बनाने के पीछे भी जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है। योगी सरकार इसी मकसद से पांच साल के लिए नई खेल नीति लाने की भी तैयारी कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की घोषणा भी इसी की एक खड़ी है। इसका लंबे समय में प्रदेश के खेल जगत पर व्यापक एवं प्रभावी असर पड़ेगा

घर को मिले पंख

कितनी बार आपने कोई फिल्म देखी हो और यह सोचा हो कि 'काश! ऐसा सचमुच हो पाता।' आपको यह जानकर बेहद खुशी होगी कि फिल्मों में होने वाली कई चीजें असल में भी होती हैं...

पिक्सर की बहुचर्चित फिल्म 'अप' को असल जिंदगी में उतारने की सफल कोशिश कुछ ही दिनों पहले की गई। और यह अनोखा काम किया मैक्सिको में रहने वाले जॉनाथन ट्रेप ने। जॉनाथन का यह काम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इन्होंने क्या किया, यह हम आपको जल्द ही बताएंगे। लेकिन पहले इस फिल्म में क्या है, आइए उस पर एक नजर डालते हैं...

यह कहानी है शर्मीले कार्ल और रोमांच पसंद करने वाली ऐली के बारे में। बचपन में, खेल-खेल के बीच दोनों एक सपना बुन लेते हैं। सपना एक झरने पर जाने का।

बड़े होने पर ये दोनों एक-दूसरे से शादी कर लेते हैं और उसी घर में रहते हैं जहां ये खेला करते थे। एक-दूसरे से तो ये बेहद प्यार करते ही हैं, लेकिन इनका यह घर भी इनके बहुत करीब है।

कहानी जिस बात पर केंद्रित है, वह बात तो असल में इन दोनों के बचपन से ही शुरू हो जाती है। बचपन में ये दोनों इसी घर में ढेर सारे एडवेंचर किया करते थे, और एक-दूसरे के साथ एक ऐसी जगह जाना चाहते थे जिसके अस्तित्व का किसी को अंदाजा न था। और वह था 'पेरेडाइज फॉल्स', एक झरना जो इन दोनों ने एक कार्यकम में देखा था। अगर ये पति-पत्नी उस एडवेंचरस जगह का पता लगा भी लेते तो वहां पहुंचना बेहद मुश्किल होने वाला था। क्योंकि, कोई नहीं जानता था कि असल में यह जगह कहां पर है?

जिंदगी आगे बढ़ती जाती है और कैसे साल बीत जाते हैं इन्हें पता ही नहीं चलता। और ऐसे ही एक दिन पत्नी की मौत हो जाती है और कार्ल अकेला रह जाता है। वह अपना जीवन अकेले गुजारने की कोशिश करता है।

इस अकेलेपन से लेकर उसके उड़ान भरनी की कहानी दिलचस्प है। अपनी और अपनी पत्नी की आखिरी इच्छा को पूरा करने की चाह कार्ल में दोबारा पैदा होती है। इस चाह को सच्चाई में बदलने की कोशिश करते हुए कार्ल फ्रैड्रिकसन, ढेर सारे गुब्बारों से अपने घर में उड़ान भरता है। इस फिल्म में यह देखना भी दिलचस्प है कि कैसे एक इतना बड़ा घर, गुब्बारों की मदद से उड़ पाता है।

खैर यह तो एक फिल्म की कहानी थी। और शायद फिल्म देखने के बाद हजारों लोगों ने सोचा होगा कि काश! असल में ऐसा ही कुछ हो पाता। ऐसा ही एक घर गुब्बारों की मदद से उड़ पाता। पर यह सोच सच में बदल पाएगी या नहीं, यह कोई नहीं जानता था।

पर नामुमकिन कुछ भी नहीं। यही बात अपने जेहन में रखी अप फिल्म के बहुत बड़े प्रशंसक ने। मैक्सिको के शहर लिऑन में रहने वाले 38 वर्षीय जॉनाथन ट्रेप ने इस विचार पर काफी अमल किया और आखिरकार ढेर सारे हीलियम से भरे गुब्बारों की मदद से फिल्म में दर्शाए गए इस दिलचस्प विचार को सचकर दिखाया। एक कार्टून की शैली में बने घर को हवा में बीस हजार फीट ऊपर उड़ाया। यह कारनामा उन्होंने मैक्सिको में चल रहे गुब्बारों की प्रतिस्पर्धा में किया।

जॉनाथन का कहना है कि एक तरह से यह उनके लिए तैयारी मात्र थी, क्योंकि वह ऐसा ही कुछ कारनामा अगले साल करने वाले हैं। 365 बड़े गुब्बारों की मदद से वह एक लाइफबोट से तालाब पार करेंगे। जॉनाथन का कहना है कि यह एक तरह से बहुत ही रोमांचक अहसास है। मेरे लिए भी और जो लोग मुझे देख रहे हैं उनके लिए भी। आगे चलकर जब हम सोचेंगे कि क्या हम कुछ अनूठा कर पाएं? तो पीछे पलट कर ये दिन हमें इन सारे अनुभवों की पुष्टि कराएंगे।

कविता

भइया दौलतराम जी!!

एक थे भइया दौलतराम जी,
बेईमानी में बड़ा नाम जी।
गोलम-गोल गोल-मटोल,
काम में करते टालमटोल।
माथे तिलक, मोटी-सी काया,
जिन पर पड़ा उनका साया,
पलट दें वो उनकी काया।
मुंह में रखते हमेशा पान,
साहूकार सी उनकी शान।
लोमड़ी जैसा तेज दिमाग,
बना दे सोना, जला के खाक।
पैसा कमाते दुकान चलाकर,
करें मिलावट आंख चुराकर।
तोलें तराजू सामान घटाकर,
रकम बढ़ाएं वो जीरो बढ़ाकर।
हरकत कोई देख न पाए,
नौकर उनके प्यार से समझाएं।
जो समझे उनकी सरकार,
दे तमाचा करें बाहर।

शाबाश रजनी

डॉक्टर के पास ले जाते समय रजनी के हाथ खून से लथपथ हो गए थे, लेकिन उसने इसकी परवाह न की। पिल्लै का इलाज कराने पर उसे मिला अनोखा पुरस्कार। यह कहानी पढ़ें और जानें सारा किस्सा...

एक दिन रजनी अपने स्कूल जा रही थी। उसे स्कूल की फीस के लिए घर से पांच सौ रूपए मिले थे। रास्ते से गुजरते हुए उसके आगे एक पिल्ला पार्क से निकल कर सड़क पर दौड़ता हुआ आया और तेजी से आ रहे एक स्कूटर से बुरी तरह टकरा गया। वह दर्द से चिल्लाने लगा। रजनी तुरंत पिल्लै के पास गई। उसने देखा, पिल्लै की एक टांग से खून बह रहा था। वह तड़प रहा था और रजनी कुछ देर सोचती रही फिर अचानक तेजी से डाकघर की तरफ जाने लगी। उसे मालूम था कि डाकघर के पीछे ही योगेश डॉक्टर का अस्पताल था। जहां केवल कुत्तों का इलाज होता था। योगेश डॉक्टर के पास ले जाते समय रजनी के हाथ पिल्लै के खून से लथपथ हो गए थे, लेकिन उसने इसकी परवाह न की। योगेश डॉक्टर ने पिल्लै का अच्छी तरह चैक-अप किया और बोले, ''बेटी, इस की एक टांग टूट गई है।''

यह सुनकर रजनी को दुःख हुआ। योगेश डॉक्टर ने जख्मी पिल्लै के मुंह में कोई दवा डालते हुए रजनी से पूछा, ''बेटी, तुम कौन से स्कूल में पढ़ती हो ?''

''भाई गुरदास कॉन्वेंट मॉडल स्कूल में अंकल।'' रजनी ने कहा। कुछ देर बाद पिल्लै ने इलाज के कारण चिल्लाना बंद कर दिया।

''पिल्ला अभी दो दिन तक ठीक तरह से चल नहीं पाएगा। इसलिए इसे यहीं पर छोड़ जाओ।'' डॉक्टर ने सलाह दी।

रजनी बोली, ''ठीक है अंकल जैसा आप चाहें।'' फिर रजनी ने अपनी फीस निकालकर डॉक्टर को देते हुए कहा, ''डॉक्टर अंकल ! आप की फीस।''

डॉक्टर बोले, ''फीस मेरी जेब में आ गई समझो बेटी।''

रजनी को कुछ समझ नहीं आया और उसने हैरानी से पूछा ''क्या अंकल?''

''बेटी, मैंने इस पिल्लै को पहचान लिया है। यह प्रोफैसर कांता का पिल्ला है। अभी पिछले सोमवार ही वो यही पिल्ला मेरे पास लेकर आई थीं। मैं उन से ही फीस वसूल कर लूंगा। तुम चिंता मत करो।''

''धन्यवाद अंकल !'' कहकर रजनी ने देखा कि दस बज चुके थे। स्कूल जाने की जगह वह अपने घर चली गई।

बुधवार को स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम होना था। उस दिन रजनी भी कार्यक्रम में मौजूद थी। विद्यार्थियों को इनाम बांटा गया। मंच संचालन कर रही वीना मैडम ने कहा, ''अब एक विशेष इनाम छठी कक्षा की छात्रा रजनी के लिए। वो मंच पर आ कर..... ।''

''क्या ? मेरे लिए इनाम?'' वीना मैडम से अपना नाम सुनकर रजनी का मुंह खुला रह गया। इतने में वीना मैडम भी बोल पड़ी, ''हां हां बेटी, हैरान की कोई बात नहीं। मैं तुम्हारा ही नाम ले रही हूं।''

रजनी मंच पर जब आई तो एक अधेड़ आयु की पढ़ी लिखी औरत भी मंच की तरफ बढ़ी। उनके हाथ में पैक किया हुआ एक डिब्बा था। प्रोफैसर कांता बोलीं, ''मनुष्य के मन में मानवता के साथ साथ पशु-पक्षियों के प्रति भी स्नेह और हमदर्दी की भावना जरुर होनी चाहिए। मुझे इस बात की खुशी है कि इस स्कूल की छात्रा रजनी ऐसे लोगों में से एक है। हमारा पिल्ला घर से निकल कर पार्क की तरफ चला गया था और किसी स्कूटर से टकरा गया था। रजनी ने उस जख्मी पिल्लै को डॉक्टर के पास ले जा कर उसका इलाज करवाया। मुझे डॉक्टर ने रजनी के बारे में सब कुछ बता दिया था। ऐसी होनहार छात्राएं परोपकारी होती हैं, जिन के मन में जीवों के प्रति दर्द की भावना है।' फिर वह औरत रजनी से बोलीं, ''रजनी बेटी, तुम्हारे परोपकार का कर्ज तो नहीं चुकाया जा सकता। लेकिन एक छोटा सा उपहार तुम्हें जरूर स्वीकार करना पड़ेगा। ये लो।''

जिस समय रजनी उपहार प्राप्त कर रही थी तो तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पंडाल गूंज रहा था।

जवाब दो तो मानें...

इस बार हम लाए हैं कुछ और भी रोचक सवाल, देखते हैं उनके जवाब आपको ज्ञात हैं या नहीं!... नहीं पता तो जान जाएंगे। आखिर नीचे ही तो दिए गए हैं इन प्रश्नों के उत्तर।

1. मुगलों की राजकीय भाषा कौन-सी थी?
2. भारत का पहला डाक टिकट कब प्रारंभ हुआ?
3. चंदेल वंश के संस्थापक कौन थे?
4. गेंहू के उत्पादन में प्रथम स्थान किस देश का है?
5. एशिया क्रिकेट कप 2012 का विजेता कौन है?
6. एक किलोबाइट (kb) में कितनी बाइट होती हैं?
7. यदि किसी वस्तु का वजन धरती पर 6 किलो है तो उसका वजन चांद पर कितना होगा?
8. किस उपकरण से हवा की शक्ति व गति मापी जाती है?

9. राष्ट्रीय खेल दिवस कब मनाया जाता है?
10. देवधर ट्रॉफी किस खेल से सम्बन्धित है?
11. सबसे बड़ी छिपकली का खिताब किसे मिला है?
12. साइक्लामेन क्या होता है?
13. कौन-सा प्राणी खड़े-खड़े नींद ले सकता है?
14. सफेद हाथियों का गढ़ किस जगह को कहा जाता है?

उत्तर- (1.) फारसी (2.) 1852 (3.) नन्नुक (4.) चीन (5.) पाकिस्तान (6.) 1024 (7.) 1 किलो (8.) अनिमोमीटर (9.) 29 अगस्त (10.) क्रिकेट (11.) कोमोडो ड्रैगन (12.) एक पेड़ का नाम है (13.) घोड़ा (14.) थायलैंड

रंग भरो

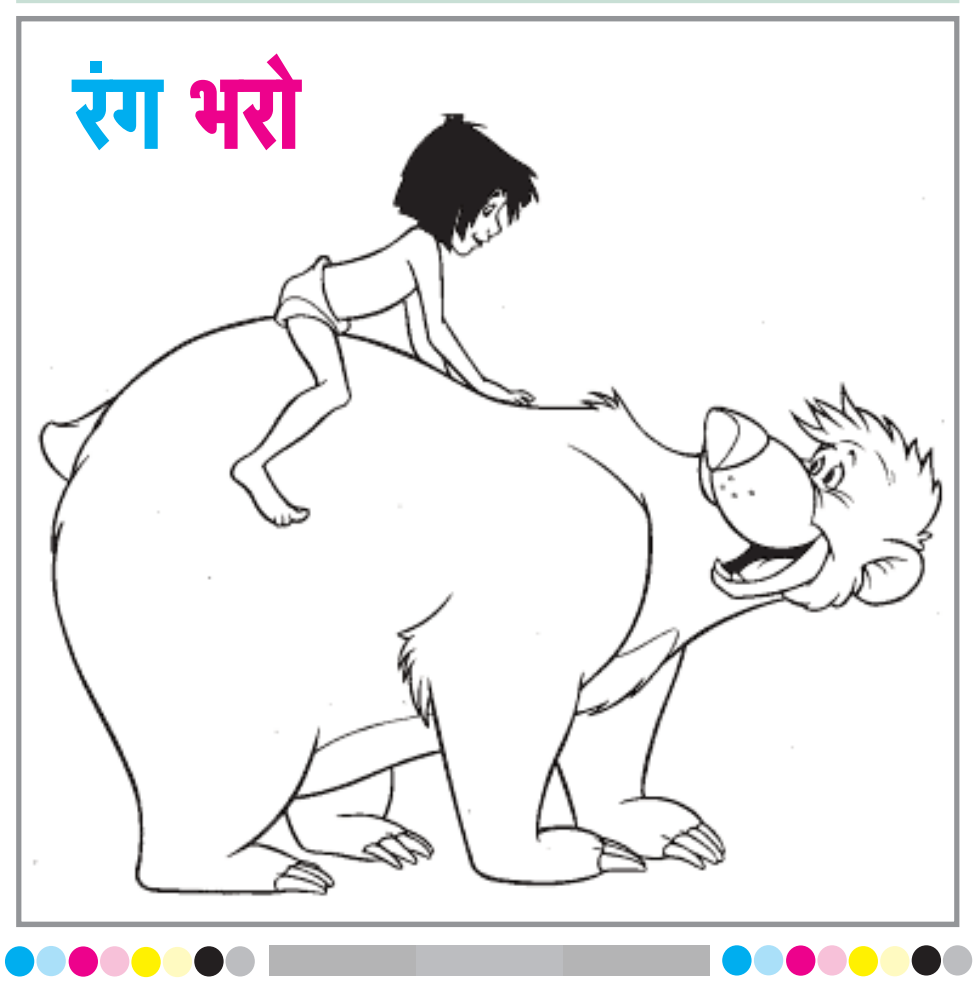

धरती के बेहद करीब से गुजरा हवाई जहाज के बराबर एस्टेरॉयड, 47921 किमी प्रति घंटे रफ्तार, जानें कितना बड़ा खतरा

वाशिंगटन, 13 जुलई (एजेंसियां) ।

शनिवार 13 जुलाई को 100 फीट के जहाज के आकार का विशालकाय क्षुद्रग्रह पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरा। 2024 एनबी2 नाम के इस क्षुद्रग्रह को वैज्ञानिकों ने उतना खतरनाक नहीं माना था, क्योंकि इसका आकार और दूरी तत्काल कोई खतरा नहीं है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस एस्टेरॉयड को धरती से करीब 3846332 किमी की दूरी से गुजरना था। एस्टेरॉयड को इसकी रफ्तार बेहद खास बना दे रही है। यह पृथ्वी के सापेक्ष 47,921 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफर कर रहा है। नासा के वैज्ञानिक इस क्षुद्रग्रह की गतिविधि

पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

कितना है खतरा?

नासा 150 मीटर से बड़े और धरती से 7402982 किमी से कम दूरी के एस्टेरॉयड को संभावित रूप से खतरनाक मानता है। ऐसे में 2024 छइ2 खतरा बनने के लिए बहुत छोटा है। इस आकार के क्षुद्रग्रहों का मिलना आम है। भले ही यह एस्टेरॉयड कोई सीधा खतरा न दर्शाता हो, फिर भी वैज्ञानिक इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह पृथ्वी के निकट वस्तुओं का अध्ययन करने के लिए आवश्यक है। इन अंतरिक्ष चट्टानों पर नज़र रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी कक्षाएं बदल सकती हैं।

नासा क्षुद्रग्रहों की निगरानी के लिए ज़मीनी दूरबीनों और अंतरिक्ष यान का उपयोग करता है। 730,000 से अधिक क्षुद्रग्रह ज्ञात हैं, जिनमें से 16,000 पृथ्वी के निकट हैं और 1784 को संभावित रूप से खतरनाक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उछएजड जैसे विशेष केंद्र इन क्षुद्रग्रहों पर नज़र रखते हैं, उनके प्रक्षेप पथ को परिष्कृत करते हैं और किसी भी प्रभाव जोखिम पर नज़र रखते हैं। हवाई, एरिज़ोना और यहां तक कि नियोवाइज जैसी अंतरिक्ष आधारित दूरबीनें इन वस्तुओं की पहचान करने और उनका अध्ययन करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं एस्टेरॉयड?

आंतरिक सौर मंडल की परिक्रमा करने वाले एक छोटे ग्रह को क्षुद्रग्रह कहा जाता है। ये ठंडे, धातु या पथरीले पिंड हमारे सौर मंडल के निर्माण के शुरुआती चरणों से लगभग 4.6 अरब साल पहले बने हुए हैं, और इनका कोई वायुमंडल नहीं है। वैज्ञानिक गणितीय मॉडल और एडवांस टेक्नोलॉजी जैसे तरीकों के संयोजन के माध्यम से एस्टेरॉयज के मार्ग की भविष्यवाणी करते हैं। कई भटके हुए क्षुद्रग्रह और इनके टुकड़ों ने पृथ्वी पर अपना प्रभाव डाला है और इनकी टक्कर हुई है।

न्यूज ब्रीफ

चीन की चेतावनी के बावजूद बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर किए हस्ताक्षर, विवाद के शांतिपूर्ण हल पर जोर

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत विवाद का शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने के लिए रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। चीन ने इस कानून को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी थी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से इस कानून पर हस्ताक्षर न करने को कहा था। हालांकि बाइडन ने चीन के विरोध को दरकिनार कर रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया। क्या है रिजॉल्व तिब्बत कानून रिजॉल्व तिब्बत कानून में कहा गया है कि अमेरिका की नीति है कि तिब्बत मुद्दे को बिना किसी पूर्व शर्त के, बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। यह कानून तिब्बत के बारे में चीन के झूठ से निपटने की कोशिश की गई है और चीन से तिब्बत के इतिहास के बारे में गलत और भ्रामक प्रचार बंद करने की भी मांग करता है। साथ ही यह कानून चीन के भ्रामक दावों से निपटने के लिए अमेरिका के विदेश विभाग को भी ताकत देता है। कानून में तिब्बती लोगों के अलग धार्मिक, भाषाई और ऐतिहासिक पहचान को परिभाषित किया गया है। इसमें कहा गया है कि चीन की नीतियां तिब्बती लोगों को अपनी जीवन शैली को संरक्षित करने की क्षमता को दबाने की कोशिश कर रही हैं। तिब्बत के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाई लामा ने बार-बार चीन से तिब्बती लोगों को स्वायत्ता देने की अपील की है और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत लोगों को आत्मनिर्णय लेने का अधिकार है। अमेरिका की संसद से जब यह कानून पारित हुआ था तो अमेरिकी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत आकर दलाई लामा से मुलाकात भी की थी। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के प्रमुख माइकल मैक्कॉल ने कहा कि यह कानून तिब्बत के लोगों को अपने भविष्य का प्रभारी बनाने में मदद करेगा। चीन ने दी थी धमकी चीन रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का विरोध कर रहा है। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा था कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर न करें। चीन के विदेश विभाग के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा था कि कोई भी ताकत जो शिजांग को अस्थिर करने या फिर चीन के दबाने की कोशिश करेगी, वह सफल नहीं होगी। अमेरिका को विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और अपने हितों के लिए सख्त कदम उठाएगा। चीन तिब्बत को शिजांग कहकर संबोधित करता है।

प्लाइट में फिर हुआ पेशाब कांड, विमान में नशे की हालत में यात्री ने कपड़े उतार की पेशाब, किया हंगामा

वॉशिंगटन। हवाई जहाज में यात्रियों द्वारा हंगामा करने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। इसमें से सबसे ज्यादा फ्लाइट में पेशाब कांड चर्चा में रहा था। अब एक बार फिर फ्लाइट में एक यात्री के पेशाब करने का मामला सामने आया है। नशे में धुत यात्री ने अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट को आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर कर दिया। हुआ यूं कि एक यात्री ने कपड़े उतारकर विमान के गलियारे में पेशाब कर दी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के 25 वर्षीय नील मैकार्थी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें कहा था कि उसने कई जैक एंड कोक पी लिए थे। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर अभद्र व्यवहार करने का मामला दर्ज किया गया हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना अमेरिकन ईगल फ्लाइट में हुई, जो शिकागो से न्यू हैम्पशायर के लिए उड़ान भर रही थी यात्री के व्यवहार के कारण फ्लाइट को बफ़ेलो, न्यूयॉर्क की ओर डायवर्ट किया गया। फ्लाइट के लैंड करते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

आईएसआईएस के पूर्व चीफ अबु बकर की पत्नी को फांसी की सजा

तेहरान । इराकी अदालत ने आईएसआईएस के पूर्व चीफ अबु बकर अल-बगदादी की पत्नी अस्मा मोहम्मद को फांसी की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक अस्मा मोहम्मद को यजीदी महिलाओं की किडनैपिंग में बगदादी का साथ देने के आरोप में दोषी पाया है। अबू बकर अल-बगदादी 2014 से आईएसआईएस का प्रमुख था। अमेरिका ने 27 अक्टूबर 2019 को स्पेशल ऑपरेशन के द्वारा सीरिया में घुस कर अबू बकर को मार डाला था। इराक की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने बताया कि अस्मा को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत हिरासत में रखा गया है। अस्मा ने यजीदी महिलाओं को अपने घर में छुपाया और बाद में उन्हें आईएसआईएस को दे दिया था। 2014 में आईएसआईएस ने महिलाओं को जबरन वेश्यावृत्ति में धकेल दिया था। अल बगदादी ने 2014 में इस्लामिक स्टेट की बुनियादी रखी थी।

इमरान खान की बड़ी जीत, सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई को आरक्षित सीटों के योग्य माना, कहा- ईसीपी का फैसला अमान्य

इस्लामाबाद, 13 जुलई (एजेंसियां) ।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पीटीआई को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने पार्टी को नेशनल और प्रांतीय असेंबली में आरक्षित सीटों के हि लिए पात्र माना है। सर्वोच्च न्यायालय 13 सदस्यीय पीठ ने अपने 8-5 के बहुमत के फैसले में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को झटका दिया है। यह मामला सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) ने दायर किया था।

आठ फरवरी के आम चुनाव के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसद एसआईसी में शामिल हुए थे। पीटीआई के नेताओं को निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने के लिए मजबूर किया गया था। पीटीआई को शुरू में कथित चुनावी कानून के उल्लंघन के चलते अपने चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट के साथ चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। नतीजतन, पीटीआई के उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। इन निर्दलीय उम्मीदवारों ने 93 सीटों पर जीत हासिल की थी।

दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं पीएमएल-एन और पीपीपी

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इमरान खान ने किसी प्रतिद्वंद्वी दल से हाल मिलाने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद पीएमएल-एन और पीपीपी छोटे दलों के साथ गठबंधन सरकार बनाने पर सहमत हुए।

पीटीआई ने एसआईसी के साथ किया था गठबंधन

पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में जीत हालिस की। बाद में एसआई के साथ गठबंधन किया। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में पेशावर उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया था और चुनाव आयोग के फैसले को अमान्य घोषित कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने पीएचसी के फैसले के फैसले को किया रद्द

खबर के मुताबिक, शीर्ष अदालत ने पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले को रद्द किया। जबकि चुनाव आयोग के फैसले को भी अमान्य घोषित किया और इसे पाकिस्तान के संविधान के खिलाफ बताया।

पीटीआई ने मांगा मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा

पीटीआई के सदस्यों ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। पीटीआई के आधिकारिक एक्स अकाउंट से पाकिस्तान के संविधान का उल्लंघन करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

पीटीआई नेता बोले- लड़ाई जारी रहेगी, ईसीपी की मंशा पर सवाल पीटीआई नेता और खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व वित्त मंत्री तैमूर खान झागरा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर इमरान खान और पीटीआई समर्थकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, लड़ाई जारी रहेगी। ईसीपी की मंशा पर भी सवाल हैं।

पूरा मामला क्या था

आरक्षित सीटों का मुद्दा उस समय सुर्खियों में आया जब पीटीआई समर्थित 80 से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार आठ फरवरी को विजयी हुए। इसके बाद एसआईसी ने 21 फरवरी को ईसीपी का रुख कर आरक्षित सीटों के आवंटन की मांग की थी। हालांकि, पीटीआई को तब झटका लगा था, जब ईसीपी ने अपने उम्मीदवारों की सूची जमा करने में विफल रहने का हवाला देते हुए चार मार्च को 4-1 के बहुमत से एसआईसी को आरक्षित सीटें आवंटित करने से इनकार कर दिया था। ईसीपी ने अन्य सियासी दलों के बीच महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों का वितरण किया था।

पाकिस्तान ने गेहूं आयात और आटा निर्यात पर लगाया प्रतिबंध, बाजार को विनियमित करने के लिए लिया फैसला

इस्लामाबाद, 13 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तानी सरकार ने गेहूं के आयात और आटे के निर्यात पर प्रतिबंध दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि देश के गेहूं बाजार को विनियमित करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है।यह निर्णय तब लिया गया जब यह निर्धारित किया गया कि देश ने आवश्यकता से अधिक गेहूं का आयात किया है, जिससे अधिशेष हो गया है।

आयात-निर्यात नीति आदेश 2022 में किया संशोधन

सरकार ने प्रतिबंध को लागू करने के लिए अपने आयात और निर्यात नीति आदेश 2022 में संशोधन किया है, जिसमें आयातित गेहूं से बने आटे के निर्यात पर प्रतिबंध भी शामिल है।

इससे पहले मार्च में सरकार ने निर्यात सुविधा योजना 2021 के तहत आयातित गेहूं से बने आटे के निर्यात की सशर्त अनुमति दी थी। लेकिन 10 जुलाई को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली को बताया कि सरकार ने गेहूं के निर्यात पर निर्णय नहीं लिया है, भले ही राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम (शासन और संचालन) विधेयक, 2024 को विधायिका के माध्यम से पारित किया गया हो। मुद्रास्फीति में लगातार वृद्धि, बेतहाशा कर्ज होने से जरूरी चीजों के दाम बढ़ें पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था लगातार जर्जर होती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) समेत कई देशों का कर्जदार होने के चलते देश महंगाई के जंजाल में फंसता जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, संवेदनशील मूल्य सूचकांक (एसपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति में लगातार चौथी साप्ताहिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण सब्जियों व खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई बेतहाशा वृद्धि है। पाकिस्तान में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए 50 अरब रुपये का राहत पैकेज पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए 50 अरब रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। दरअसल, पाकिस्तान में बिजली के दाम बढ़ाए गए थे और इस वजह से आर्थिक तंगी से जूझ रही शहबाज शरीफ सरकार को कई तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। इस्लामाबाद में ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के लिए एक समारोह का आयोजन किया गया।

उत्तरी नाइजीरिया में स्कूल भवन ढहा, कई छात्रों के मरने की आशंका; मलबे में दबे 100 से अधिक लोग घायल

अबुजा , 13 जुलई (एजेंसियां) ।

पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया की राजधानी अबुज में एक स्कूल की बिल्डिंग ढह गई। हादसे में कई छात्रों की मौत होने की आशंका है, जबकि जर्मीदोज हुए भवन के मलबे में दबने के कराण 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में दो मंजिला स्कूल की बिल्डिंग ढह गई। हादसे में कई छात्रों की मौत होने की आशंका है, जबकि 120 छात्र और शिक्षक मलबे में फंस गए। हादसे के बाद मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम किया जा रहा है। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि बचाव और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही सुरक्षा बलों को भी घटनास्थल पर तैनात किया गया है। हादसे के बाद जहां एक ओर कर्मचारी खुदाई करके मलबे को हटा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्कूल के पास बड़ी संख्या में ग्रामीण रोते हुए इकट्ठा हो गए और मलबे में अपने परिजनों को पहचानने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि अधिकारियों ने अभी तक पठार राज्य के बुसा बुजी समुदाय में सेंट्स अकादमी

कॉलेज में मारे गए छात्रों और शिक्षकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। लेकिन चैनल्स ने पास के एक अस्पताल में एक प्रत्यक्षदर्शी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि कई लोगों की मौत के साथ ही 26 लोगों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

नाइजीरिया में इमारत गिरना आम बात है अफ्रीका के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश नाइजीरिया में इमारतों का गिरना आम बात हो गई है और पिछले दो वर्षों में ऐसी एक दर्जन से अधिक घटनाएं दर्ज की गई हैं। अधिकारी अक्सर ऐसी आपदाओं के लिए भवन सुरक्षा नियमों को लागू करने में विफलता और खराब रखरखाव को जिम्मेदार ठहराते हैं।

ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी जैसा है एक्स का ब्लू टिक यूरोपीय संघ ने कहा-पैसे देकर कोई भी पा सकता है

यूरोपीय संघ, 13 जुलई (एजेंसियां) ।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने कहा कि एलन मस्क की कंपनी एक्स के ब्लू टिक ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी जैसे हैं, क्योंकि ये पूरी तरह भ्रामक हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ईयू के डिजिटल सेवा कानून (डीएसए) के मुताबिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए जरूरी पारदर्शिता और जवाबदेही संबंधी जरूरतों को भी पूरा नहीं करता है।

यूरोपीय संघ के नए सोशल मीडिया नियमों के प्रभावी होने के बाद से यह किसी टेक कंपनी के खिलाफ पहला आरोप है। डीएसए के नियमों का एक व्यापक सेट है, जिसके तहत ऑनलाइन प्लेटफार्मों को उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और अपनी वेबसाइटों को साफ करने के लिए जिम्मेदारी लेनी होती है। अनुपालन नहीं करने पर भारी जुर्माने का भी प्रावधान है। 27 देशों के समूह ईयू ने डीएसए के तहत एक्स के खिलाफ की गई अपनी जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों में एक्स के ब्लू टिक पर निशाना साधते हुए कहा कि ये एक तरह का डार्क पैटर्न बनाते हैं, जो उद्योग के सर्वोत्तम अभ्यास के अनुरूप

नहीं हैं। इसके अलावा इनका उपयोग दुर्भावना के साथ काम करने वाले आसमाजिक तत्वों द्वारा उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए किया जा सकता है।

एक्स ने नहीं दिया अब तक कोई जवाब

एलन मस्क ने 2022 में एक्स (पहले ट्विटर) को खरीदने के बाद ब्लू टिक सत्यापन के लिए लिए प्रति माह 8 डॉलर भुगतान की मांग की, जिसके बाद हर कोई ब्लू टिक हासिल कर पाता है। पहले ब्लू टिक सत्यापन एक बैज की तरह था जो सिर्फ मशहूर हस्तियों, राजनेताओं और अन्य प्रभावशाली लोगों के ट्विटर खातों के लिए आरक्षित था। हालांकि, इस पूरे मामले में एक्स की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। वहीं, यूरोपीय आयुक्त थिएरी ब्रेटन ने कहा कि एक्स को लेकर हमारा प्रारंभिक दृष्टिकोण यह है कि एक्स उपयोगकर्ताओं को धोखा दिया जा रहा है और डीएसए का उल्लंघन हो रहा है।

विज्ञापन पारदर्शिता से जुड़े नियमों के उल्लंघन का भी आरोप

इतना ही नहीं यूरोपीय आयुक्त ब्रेटन ने एक्स पर विज्ञापन पारदर्शिता से जुड़े नियमों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है। ब्रेटन के मुताबिक डीएसए के तहत किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को चलाए गए सभी डिजिटल विज्ञापनों का एक डाटाबेस प्रकाशित करना होता है, जिसमें यह विवरण शामिल होता है कि उनके लिए किसकी तरफ से कितना भुगतान किया गया और लक्षित दर्शक कौन हैं। लेकिन, एक्स के डाटाबेस में इस तरह की पारदर्शिता नहीं है। इन सबके बावजूद फिलहाल एक्स के खिलाफ कोई जुर्माना या दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

यह सुनियोजित नरसंहार है, गाजा में इजराइली हमले में 70 लोगों की मौत पर हमास ने लगाए आरोप

गाजा, 13 जुलई (एजेंसियां) ।

दुजारिक ने कहा, जब तक यह संघर्ष चल रहा है, लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार चिकित्सा सहायता, भोजन, आश्रय देना असंभव है और युद्ध में मारे जा रहे लोगों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार भी देना असंभव है।

गाजा शहर में हुए हमले में 70 लोगों की मौत के बाद हमास ने इजराइल पर सुनियोजित नरसंहार करने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हमास के मीडिया कार्यालय के महानिदेशक इस्माइल अल-थावाब्ता ने दावा किया कि इजराइली सेना ने पूर्वी गाजा शहर में हजारों फलस्तीनियों को पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में जाने का निर्देश दिया और फिर उनके पहुंचने पर उन पर गोलियां चला दीं।

70 शव बरामद होने का दावा

इस्माइल अल-थावाब्ता ने बताया कि बचाव दल ने ताल अल-हवा क्षेत्र से 70 शव बरामद किए हैं और कम से कम 50 लोग लापता हैं। थावाब्ता ने दावा किया कि कुछ विस्थापित लोग इजराइली सेना की ओर इशारा करते हुए, सफेद झंडे लिए हुए थे और कह रहे थे, हम लड़ाके नहीं हैं, हम

विस्थापित हैं। लेकिन इजराइली सेना ने इन विस्थापित लोगों को भी बेरहमी से मार डाला। हमास के नेता ने आरोप लगाया कि इजराइली सेना ने ताल अल-हवा में नरसंहार को अंजाम देने की योजना पहले से ही बना रही थी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजराइल पर फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव डालने की अपील की।

संयुक्त राष्ट्र ने भी की निंदा

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने भी गाजा शहर में शवों की बरामदगी की निंदा की और इसे इजराइल हमास संघर्ष का नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव का एक और दुखद उदाहरण बताया। संयुक्त राष्ट्र ने तत्काल युद्धविराम करने और सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई करने की अपील को दोहराया। दुजारिक ने कहा, जब तक यह संघर्ष चल रहा है, लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार चिकित्सा सहायता, भोजन, आश्रय देना असंभव है और युद्ध में मारे जा रहे लोगों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार भी देना असंभव है।

लोग भूख से मर रहे

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि लोग अभी लोग भूखे हैं। लोगों को पानी की जरूरत है। लोगों को चिकित्सा सहायता की जरूरत है। और यही वह काम है जो हम युद्ध क्षेत्र के बीच में करने की कोशिश कर रहे हैं। अक्टूबर में गाजा पर इजराइल के हमलों के शुरू होने के बाद से पश्चिमी सीमा पर भी हिंसा में वृद्धि देखी गई है। फलस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, पश्चिमी सीमा पर इजराइली सेना और वहां बसने वाले लोगों द्वारा कम से कम 553 फलस्तीनियों को मार दिया गया है। गौरतलब है कि इजराइल के कब्जे वाली पश्चिमी सीमा पर लगभग 30 लाख फलस्तीनी रहते हैं, साथ ही वहां 100 से अधिक बस्तियों में 500,000 से अधिक इजराइली भी रहते हैं।

रोजर फेडरर की बराबरी करने से एक कदम दूर जोकोविच, 37वीं बार बनाई ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

जोकोविच का अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज से सामना होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में शानदार अभियान जारी है और उन्होंने सेमीफाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जोकोविच का अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज से सामना होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। विंबलडन के सबसे उम्रदराज चैंपियन बनने के करीब जोकोविच 37 वर्षीय जोकोविच अगर अल्काराज की चुनौती से पार पाने में सफल रहे तो वह टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज चैंपियन बन जाएंगे। जोकोविच विंबलडन में घुटने की सर्जरी से उबरकर आए थे, लेकिन उन्होंने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और अपने प्रतिद्वंद्वी को मात देने में सफल रहे हैं। जोकोविच के सामने अब अल्काराज होंगे जिन्होंने पिछले साल विंबलडन के फाइनल में पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। जोकोविच और अल्काराज के बीच आंकड़ों में फिलहाल सर्बियाई खिलाड़ी का पलड़ा भारी है, लेकिन स्पेन का यह युवा खिलाड़ी दो मौकों पर जोकोविच को चौंका चुका है। फेडरर की बराबरी करने के करीब पहुंचे जोकोविच जोकोविच अब स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी करने के करीब पहुंच गए हैं। ओपन ऐरा में फिलहाल फेडरर एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने आठ बार विंबलडन का खिताब जीता है। जोकोविच सात बार इस टूर्नामेंट के चैंपियन बन चुके हैं, जबकि पीट संप्रास के नाम भी इतने ही विंबलडन खिताब हैं।

रिकॉर्ड ग्रैंडस्लैम फाइनल खेल चुके हैं जोकोविच

जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा बार ग्रैंडस्लैम फाइनल खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। जोकोविच 37वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंचे हैं। उनके बाद सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम खेलने के मामले में रोजर फेडरर हैं जिन्होंने अपने करियर में 31 बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह बनाई, जबकि स्पेन के राफेल नडाल 30 बार ग्रैंडस्लैम का खिताबी मुकाबला खेल चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

साइना पर टिप्पणी के लिए क्रिकेटर अंगकृष ने माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार साइना पर की गयी अपनी टिप्पणी के लिए कोलकाता नाइट

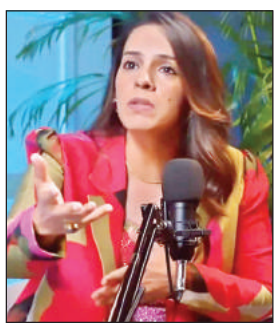

राइडर्स (केकेआर) के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने माफी मांगी है। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। यह पूरा मामला साइना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से जुड़ा है। इसमें साइना ने देश में अन्य खेलों की तुलना में क्रिकेट की ओर अधिक ध्यान दिये जाने पर चिन्ता जतायी थी। साइना ने इस वीडियों में कहा था, सब लोग जानना चाहते हैं कि साइना क्या कर रही है, पहलवान और मुक्केबाज क्या कर रहे हैं, नीरज चोपड़ा क्या कर रहे हैं। हर कोई इन खिलाड़ियों को जानता है, क्योंकि हमने लगातार प्रदर्शन किया है और हम अखबारों में छाए रहे हैं। मैंने ऐसा किया, मुझे ऐसा लगता है कि यह एक सपने जैसा है जो मैंने भारत में किया क्योंकि यहां स्पोर्टिंग कल्चर नहीं है। साइना ने इसके बाद इस बातचीत में क्रिकेट को भी शामिल कर लिया। उन्होंने कहा- कभी-कभी मुझे लगता है कि क्रिकेट को कुछ ज्यादा ही महत्व मिलता है। वहीं अगर आप बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेनिस और दूसरे खेलों को देखें तो ये शारीरिक रूप से बहुत कठिन हैं। आपके पास शटल उठाने और सर्व करने का भी समय नहीं होता, आप ऐसा महसूस करते हैं। जैसे कि आप बहुत जोर से साँस ले रहे हों। वहीं मेरा मानना है कि क्रिकेट में कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण है। साइना इस वीडियो पर अंगकृष ने सोशल मीडिया पर विवादित कमेंट कर दिया था। ने लिखा, चलो देखते हैं कि बुमराह जब उनके सिर पर 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बाउंसर मारेंगे तो वह कैसे खेलेंगी। अंगकृषरघुवंशी के इस कमेंट के लिए उनकी काफी आलोचना हुई थी।

यूरो फाइनल से पहले इंग्लैंड के राइस ने कहा...हम देश को गौरवान्वित करना चाहते हैं

बर्लिन। इंग्लैंड के मिडफील्डर डेक्लान राइस का मानना है कि पुरुष टीम यहां ओलंपियास्टेडियन में स्पेन के खिलाफ यूरो 2024 फाइनल में वास्तव में एक बड़ी ताकत बनने के लिए महिला टीम से प्रेरणा ले सकती है। यूरो 2022 फाइनल में जर्मनी पर रोमांचक जीत के साथ महिला टीम द्वारा 56 साल के ट्रॉफी सूखे को समाप्त करने के बाद इंग्लैंड अपने पहले महाद्वीपीय पुरुष खिताब पर नजर गड़ाए हुए है। वेम्बली में इटली के खिलाफ पेनल्टी पर यूरो 2020 खिताब हारने के बाद गैरेथ साउथगेट की टीम टूर्नामेंट में अपना लगातार दूसरा फाइनल खेलेगी। राइस के हवाले से बीबीसी स्पोर्ट ने कहा, हमने देखा कि जब महिला टीम ने इसे जीता, तो इसका उनके और देश के लिए क्या मतलब था। मैंने आर्सेनल में कुछ लड़कियों को देखा और हम यही चाहते हैं। हम जीतना चाहते हैं और देश को गौरवान्वित करना चाहते हैं। हम एक और फाइनल में वापस आ गए हैं, जो अपने आप में इतिहास है, लेकिन अब हमारा लक्ष्य एक और फाइनल जीतने का है। हम सिर्फ फाइनल में पहुंचना नहीं चाहते हैं बल्कि उससे खुश होना चाहते हैं। आर्सेनल के मिडफील्डर ने कहा, अब हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जहां हम जीतें। हम आगे बढ़ना जारी रखना चाहते हैं और आने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए हम वास्तव में एक बड़ी ताकत बनना चाहते हैं। राइस इंग्लैंड की उस टीम का हिस्सा थे जो तीन साल पहले अपने पहले यूरो फाइनल में पेनल्टी पर इटली से हार गई थी। 25 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, थ्री लायंस वेम्बली में अपने घरेलू दर्शकों के सामने जीत नहीं सके, लेकिन वे 2008 और 2012 के चैंपियन स्पेन को हराने के लिए दृढ़ हैं। राइस ने कहा, इटली को अपने घरेलू स्टेडियम में ट्रॉफी उठाने के लिए आगे बढ़ते हुए देखना एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में आपके साथ रहता है। हम जानते हैं कि पिछले फाइनल में हम शायद बस बैठे रहे और उतना आक्रमण नहीं किया जितना हमें करना चाहिए था। ऐसा कई बार नहीं होता है आप फाइनल में एक के बाद एक जाते हैं लेकिन खिलाड़ियों का यह समूह बहुत भूखा है। हम जानते हैं कि यह कठिन होने वाला है और हम जानते हैं कि आप स्पेन को नज़रअंदाज नहीं कर सकते, जो इतने सालों से एक शीर्ष देश रहा है।

ओलंपिक में अपने को साबित करना चाहते हैं जरमनप्रीत, डोपिंग आरोपों के कारण दो साल टीम से रहे थे बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम में शामिल जरमनप्रीत सिंह इसी माह शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक को लेकर उत्साहित हैं। जरमनप्रीत ने कहा है कि वह इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहते हैं। जरमनप्रीत के ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बेहद कठिन हालातों में वापसी की है। उनपर साल 2016 में डोपिंग का आरोप लगा था जिससे उन्हें दो साल तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद भी अपनी मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर वह वापसी करने में सफल रहे। जरमनप्रीत ने कहा कि डोपिंग के आरोपों के कारण उनके दो साल बेहद मुश्किल रहे। 2018 में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण करने वाले जरमनप्रीत ने कहा, 'खिलाड़ी आम तौर पर इस तरह के झटके से उबर नहीं पाते हैं।

यशस्वी- गिल की धमाकेदार पारी के दम पर भारत ने सील की सीरीज, चौथे टी20 में जिम्बाब्वे को रौंद डाला

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यशस्वी जायसवाल के अर्धशतक और शुभमन गिल की कप्तानी पारी के दम पर जिम्बाब्वे को चौथे टी20 में 10 विकेट से हरा दिया. इस जीत से भारतीय टीम ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया. भारत ने 5 मैचों की टी20 सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली है. जिम्बाब्वे की ओर से रखे गए 153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 156 रन बनाए. सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच रविवार (14 जुलाई) को हरारे में खेला जाएगा.

जिम्बाब्वे की ओर से रखे गए लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को यशस्वी और गिल ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई. दोनों ने 10 ओवर में भारत का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया. यशस्वी के टी20 करियर का यह 100वां मैच था. यशस्वी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर यह दिखा दिया कि भविष्य के वह सुपर स्टार हैं. उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की टीम की जीत की नींव रखी. यशस्वी ने 53 गेंदों पर नाबाद 93 रन बनाए जबकि गिल ने 39 गेंदों पर नाबाद 58 रन की पारी खेली. यशस्वी ने 53 गेंदों पर 13 चौके और 2 छक्के लगाए वहीं गिल ने 39 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के जड़े।

इससे पहले, भारत ने कामचलाऊ गेंदबाज शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे को 7 विकेट पर 152 रन पर रोक दिया. जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने 28 गेंद में 46 रन की पारी खेली. लेकिन भारत के पांचवें गेंदबाज अभिषेक (20/1) और छठे विकल्प दूबे (11/ 1) ने अच्छे गेंदबाजी प्रयास से जिम्बाब्वे को दबाव में रखा. इन्होंने खतरनाक दिख रही वेस्ले माधेवेरे (24 गेंद में 25 रन) और टाडीवानाशे मारूमनी (31 गेंद में 32 रन) की सलामी जोड़ी को आउट करके मध्य ओवरों में लगाम कसी.

कप्तान रजा ने हालांकि अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाकर जिम्बाब्वे को 150 से अधिक रन के स्कोर तक पहुंचाया। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को छोड़कर सभी भारतीय गेंदबाजों को विकेट मिले।

भारत ने दूसरा टी20 मैच 23 रन से जीता वहीं चौथा मैच 100 रन के अंतर से अपने नाम किया था. गिल की कप्तानी में टीम इंडिया की यह पहली सीरीज जीत है. उन्होंने इस सीरीज में बल्ले से भी धमाल मचाया है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का फाइनल भारत, पाकिस्तान जबरदस्त भिड़ंत के लिए तैयार

बर्मिंघम, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय चैंपियंस वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के ग्रैंड फिनाले में यहां एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान चैंपियंस से भिड़ेंगे। यह सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं है; यह कौशल, जुनून और इतिहास की एक विशाल प्रतियोगिता है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता पौराणिक है, जिसमें यादगार झड़पें दशकों से प्रशंसकों को रोमांचित करती रही हैं।

2007 टी20 विश्व कप में रोमांचक मुकाबलों से लेकर 2011 और 2019 वनडे विश्व कप में नाटकीय खेल तक, इन दोनों टीमों ने क्रिकेट प्रेमियों को अनगिनत पल संजोने के लिए दिए हैं। युवराज सिंह, सुरेश रैना और पठान बंधुओं जैसे दिग्गज खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम अनुभव और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण लाती है। गतिशील रॉबिन उथप्पा द्वारा समर्थित उनका लाइनअप, हाई-ऑक्टेन क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन का वादा करता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान की टीम में यूनुस खान, शाहिद आफरीदी और शोएब मलिक जैसे दिग्गज मौजूद हैं जो अपनी मैच जिताने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं और अपनी ताकत दिखाने के लिए उत्सुक होंगे। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, प्रशंसकों को रोमांचकारी प्रदर्शन देखने को मिले, उम्मीद है कि फाइनल मैचों की एक रोमांचक श्रृंखला का उपयुक्त चरमोत्कर्ष होगा। जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया इस मुकाबले के लिए तैयार हो रही है, सीमा के दोनों ओर और दुनिया भर के प्रशंसक अविस्मरणीय क्रिकेट एक्शन की एक रात के लिए तैयार हैं। मैच रात 9 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगा और इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर किया जाएगा, जिसकी स्ट्रीमिंग फैन कोड पर उपलब्ध होगी।

केवल अच्छे पैसे देकर ही वेस्टइंडीज क्रिकेट को बेहतर नहीं बनायाजा सकता

जमैका 13 जुलाई (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज ब्रायन लारा ने टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार पर निराशा जाहिर की है। लारा ने इसके साथ ही कहा है कि हम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे नहीं ला पा रह हैं। साथ ही कहा कि केवल अच्छे पैसे देकर ये समस्या हल नहीं हो सकती है।

लारा ने सवाल किया कि अगर आप वेस्टइंडीज के बैंक खाते में 100 मिलियन, 200 मिलियन डॉलर डालते हैं, तो क्या इससे हमारा खेल बेहतर हो जाएगा मुझे लगता है ऐसा नहीं होगा। खराब प्रदर्शन का कारण ये है कि हमारे पास जो प्रतिभाएं हैं हम उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। वेस्टइंडीज की टीम अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम का प्रदर्शन टी20 विश्वकप में भी अच्छा नहीं रहा था। साल 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट की वेस्टइंडीज नंबर एक टीम थी पर अब खिलाड़ियों का रुझान टी20 लीग के प्रति बढ़ा है। इसके अलावा एथलेटिक्स जैसे अन्य खेल भी तेजी से बढ़े हैं जिस कारण प्रतिभा पूल प्रभावित हो रहा है। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि विभिन्न खेलों की संख्या और बच्चों के लिए अलग-अलग अवसरों के कारण क्रिकेट कमजोर हो गया है पर मेरा कॉर्पोरेट अगर साथ दे तो वेस्ट इंडीज क्रिकेट बेहतर हो सकता है। लारा ने कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड की भी गलती रही है। उसने प्रायोजकों को आकर्षित करने का कोई प्रयास नहीं किया है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कम से कम जमीनी स्तर पर बल्कि अकादमी, सभी अलग-अलग चीजें, सुविधाएं मानक के अनुरूप हों।

यशस्वी और शुभमन तोड़ सकते हैं मेरा रिकॉर्ड: लारा

जमैका, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भारतीय टीम के युवा क्रिकेटरों यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। लारा ने कहा है कि यशस्वी और शुभमन में मेरे टेस्ट में 400 रन के विश्व रिकार्ड को तोड़ने की पूरी क्षमताएं हैं। लारा ने साल 2004 को इंग्लैंड के खिलाफ 400 रन बनाये थे। इसके बाद से ही यह रिकॉर्ड कायम है। लारा ने कहा कि वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल, सनथ जयसूर्या जैसे बल्लेबाजों ने तिहरा शतक लगाया पर वह मेरे रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये।

लारा ने कहा कि अगर यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल को सही स्थिति मिलती है, तो वह 400 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं यशस्वी जायसवाल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ दो दोहरे शतक लगाकर लंबी पारी खेलने की अपनी क्षमताएं पहले ही दिखा दी है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने टेस्ट करियर में 16 पारियों में 68.53 की औसत से 1028 रन बनाए हैं। वहीं शुभमन गिल ने भी अपने करियर की अच्छी शुरुआत की और ऐतिहासिक गाबा टेस्ट के पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतने वाली 91 रन की पारी खेली। अब तक 25 मैचों में, इस युवा खिलाड़ी ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और छह

अर्द्धशतक शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आज इंग्लैंड के जैक क्रॉली और हैरी ब्रूक भी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं। क्रॉली का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर 267 है। दूसरी ओर ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में उभरते क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्होंने अपने करियर में अब तक 20 पारियों में 62.15 की औसत और 91.76 की स्ट्राइक रेट से 1181 रन बनाए हैं। ब्रूक ने अपने छोटे करियर में अब तक 186 रन का सबसे अधिक स्कोर बनाया है।

सिंधू और प्रणय को ओलंपिक में मिला आसान ग्रुप

पेरिस, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के लिए का काउंटडाउन शुरू हो गया है और बैडमिंटन स्पर्धा के लिए ग्रुप तय कर दिए गए हैं जिसमे दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली है। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू को मिल सकती है बिंग जिओ की चुनौती

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सिंधू को महिला सिंगल्स के ग्रुप एम में एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुउबा (विश्व रैंकिंग 75) और मालदीव की फातिमाथ नबाहा अब्दुल रज्जाक (विश्व रैंकिंग 111) के साथ रखा गया है। लगातार तीसरे ओलंपिक में पदक के लिए चुनौती देने की तैयारी कर रही सिंधू के सामने प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त हे बिंग जिओ की चुनौती हो सकती है।

प्रणय को मिली 13वीं वरीयता

ओलंपिक में पदार्पण कर रहे प्रणय को 13वीं वरीयता मिली है। उन्हें पुरुष सिंगल्स के ग्रुप के में वियतनाम के ले डक फाट (विश्व रैंकिंग 70) और जर्मनी के फैबियन रोथ (विश्व रैंकिंग 82) के साथ जगह मिली है। विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को ग्रुप एल में शामिल किया गया है। गैर वरीय लक्ष्य के ग्रुप में तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के अलावा केविन कॉर्डन (विश्व रैंकिंग 41) और बेल्जियम के जूलियन कैरागी (विश्व रैंकिंग 52) हैं। प्रणय और लक्ष्य अगर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे तो प्री क्वार्टर फाइनल में एक-दूसरे का सामना करेंगे।

तनिषा-अश्विनी को मिला मुश्किल ग्रुप विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली है। इस ग्रुप में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर पर मौजूद जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी के अलावा टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग (विश्व रैंकिंग सात) और ऑस्ट्रेलिया की सेत्याना मापासा और एंजेला यू (विश्व रैंकिंग 27) की जोड़ियां है।

पुरुष डबल्स के ड्रॉ की नहीं हुई घोषणा

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष जोड़ी को पदक का दावेदार माना जा रहा है। इस जोड़ी को पुरुष डबल्स स्पर्धा में तीसरी वरीयता दी गई है। पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुष डबल्स ड्रॉ को खेल पंचाट (सीएएस) की जोड़ियों की संख्या पर सुनवाई के कारण स्थगित कर दिया गया था। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने अभी तक ड्रॉ की तारीख की पुष्टि नहीं की है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी तेजी रही
सेंसेक्स 80,519 और निफ्टी 24,502 पर बंद

मुंबई,13 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों की लंबी खरीदारी, मानसून की अच्छी प्रगति, कंपनी के नतीजों की बेहतर शुरुआत के कारण बेंचमार्क इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस सप्ताह बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो एशियाई बाजारों में कमजोरी के भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोरी के साथ खुले। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के कमजोर होने से बाजार नीचे फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट के साथ 79,829 के स्तर पर खुला और 36.22 अंक टूटकर 79,960.38 पर बंद हुआ। निफ्टी 24 अंक टूटकर 24,300 पर खुला और 3.30 अंकों की गिरावट के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 178.97 अंकों की बढ़त के साथ 80,126.41 पर खुला और 391.26 अंक चढ़कर 80,351.64 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 46.41 अंक चढ़कर 24,366.95 पर खुला और 112.65 अंक की बढ़त के साथ 24,433.20 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 207.47 अंक गिरकर 80,144 अंक पर खुला और 426.87 अंक की गिरावट के साथ 79,924.77 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 49.6 अंक फिसलकर 24,383 अंक पर खुला और 108.75 अंक की गिरावट के साथ 24,324.45 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गुरुवार को सुबह के कारोबार में जबरदस्त बढ़त देखी गई। जहां सेंसेक्स शुरुआत में ही 245 अंकों की बढ़त के साथ 80,170 पर खुला और 27.43 अंकों की गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 79,897.34 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 78 अंकों की बढ़त के साथ 24,402 पर खुला और 8.50 अंक की गिरावट के साथ 24,315 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी तेजी देखी गई। बीएसई सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 622 अंक चढ़कर 80,519 पर बंद हुआ। निफ्टी 276.25 अंक उछलकर 24,592.20 के नए सर्वकालिक शिखर पर खुला और 186 अंक चढ़कर 24,502 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

नागरिकों पर टैक्स का बोझ बढ़ाने की शर्त के साथ पाकिस्तान की मदद को आईएमएफ तैयार

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) करेगा। आईएमएफ ने कर संग्रह बढ़ाने की शर्त के साथ पाकिस्तान को तीन साल के लिए सात अरब डॉलर का ऋण देने को मंजूरी दी है। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड के मुताबिक देश में आर्थिक स्थिरता बनाने के लिए स्टैंड बॉय अरेंजमेंट 2023 के तहत आईएमएफ और पाकिस्तान के अधिकारियों में समझौते पर सहमति बनी। समझौते को लेकर आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर के नेतृत्व में आईएमएफ टीम ने 13 से 23 मई तक इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों से चर्चा की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने और नकदी संकट से जूझ रहे देश का समावेशी और लचीला विकास करना है। इसमें देश की राजकोषीय और मौद्रिक नीति में सुधार, कर प्रक्रिया को मजबूत करने, देश के उद्यमों के प्रबंधन में सुधार, प्रतिस्पर्धा, निवेश प्रोत्साहन और पूंजीगत वृद्धि के साथ सामाजिक सुरक्षा समेत बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम को बढ़ावा देना शामिल है। इस बार आईएमएफ ने ऋण को लेकर कई शर्तें लगाई हैं। समझौते के तहत पाकिस्तान वित्तीय वर्ष 2025 में कर राजस्व बढ़ाने पर ध्यान देगा। साथ ही राजस्व संग्रह को निष्पक्ष और सरल बनाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान को अपने खर्च को संतुलित करना होगा। वहीं कर संग्रह बढ़ाने के लिए सर्विस सेल्स टैक्स और एग्रीकल्चर इनकम टैक्स जैसे उपाय करेगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि कार्यक्रम के तहत मुद्रास्फीति कम करने, निजी क्षेत्र के विकास और आर्थिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। बता दें कि पिछले साल पाकिस्तान विदेशी ऋण का भुगतान नहीं कर पाया था। 1.1 अरब डॉलर मिल चुके 2024 की शुरुआत में आईएमएफ ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की मदद के तहत 1.1 अरब डॉलर की अंतिम किस्त जारी की थी।

टीडीएस रिफंड घोटाले में जांच तेज, आईपीएस अफसर के पति समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क

मुंबई। ईडी ने 263 करोड़ के आयकर टीडीएस रिफंड घोटाले में आईपीएस अफसर के पति पुरुषोत्तम चव्हाण समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने आरोपी पुरुषोत्तम चव्हाण के मुंबई स्थित फ्लैट, लोनावाला और राजेश बृजलाल बटरेजा की जमीन, अनिरुद्ध गांधी की एक कंपनी के बैंक डिपॉजिट, राजेश शेट्टी और भूषण अनंत पाटिल की बीमा पॉलिसी और एफडी समेत कुल 14.02 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया। इन संपत्तियों पर पीएमएलए एक्ट में जारी आदेश के तहत कुर्क किया गया। घोटाले में अब तक 182 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। आयकर विभाग में हुए 263.95 करोड़ के टीडीएस रिफंड घोटाले में सीबीआई ने पूर्व वरिष्ठ कर सहायक तानाजी मंडल अधिकारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की एफआईआर दर्ज की थी। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आने के बाद ईडी ने जांच शुरू की। ईडी ने आरोप लगाया कि बृजलाल बटरेजा ने अधिकारी और अनिरुद्ध गांधी की मदद से 55.50 करोड़ रुपये भारत से बाहर भेजे।

यात्री वाहनों की बिक्री अप्रैल-जून तिमाही में 10 लाख पार, 18 प्रतिशत बढ़कर संख्या 6 लाख 45 हजार से ज्यादा

नई दिल्ली। यूटिलिटी गाड़ियों की जबरदस्त मांग के दम पर देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पहली बार 10 लाख के पार पहुंच गई। इस अवधि में कुल 10,26,006 यात्री वाहन बिके। यह आंकड़ा 2023-24 की समान तिमाही में बिके 9,96,565 इकाइयों की तुलना में 2.95 फीसदी अधिक है। हालांकि, यात्री कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में 3,41,293 यात्री कारें बिकीं। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान तिमाही में बिकीं 4,13,723 इकाइयों की तुलना में 17 फीसदी कम है। वैन की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38,919 इकाई पहुंच गई। यूटिलिटी वाहनों का 63 फीसदी योगदान यात्री वाहनों की कुल रिकॉर्ड बिक्री में यूटिलिटी गाड़ियों का 63 फीसदी योगदान रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विपक्षी गठबंधन...

सत्तारूढ़ पार्टी ने रायगंज से कृष्णा कल्याणी और रानाघाट दक्षिण से मुकुट मणि अधिकारी को मैदान में उतारा था। मतुआ बहुल निर्वाचन क्षेत्र बागदा में टीएमसी ने मतुआ ठाकुरबाड़ी की सदस्य और पार्टी की राज्यसभा सांसद ममताबाला ठाकुर की बेटी मधुपर्णा ठाकुर को अपना प्रत्याशी बनाया था। कृष्णा कल्याणी, मुकुट मणि अधिकारी और विश्वजीत दास ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद टीएमसी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे को मानिकतला से, मनोज कुमार विश्वास को रानाघाट दक्षिण से, बिनय कुमार विश्वास को बागदा से और मानस कुमार घोष को रायगंज से मैदान में उतारा था।

हिमाचल प्रदेश में तीन विधानसभा सीटों देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ के लिए उप चुनाव हुआ। ये सीटें तीन निर्दलीय विधायकों होशियार सिंह (देहरा), आशीष शर्मा (हमीरपुर) और केएल ठाकुर (नालागढ़) के 22 मार्च को सदन से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थीं। इन तीनों ने 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। बाद में ये विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने पूर्व विधायकों को उनकी सीटों से मैदान में उतारा। राज्य की तीन सीटों पर कुल 13 उम्मीदवार उप चुनाव में उतरे थे। देहरा में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर को उम्मीदवार बनाया। उनका मुकाबला भाजपा के होशियार सिंह से रहा। होशियार सिंह उन नौ विधायकों में से एक हैं जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ मतदान किया था।

सीएम सुक्खू के गृह जिले हमीरपुर में पूर्व निर्दलीय विधायक आशीष शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के पुष्पेंद्र वर्मा से रहा। नालागढ़ में पूर्व निर्दलीय विधायक केएल ठाकुर का मुकाबला कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा से रहा। भाजपा से बागी हरप्रीत सैनी के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। हरप्रीत ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को तीनों विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली थी।

उत्तराखंड राज्य की बद्रीनाथ और मंगलौर सीट पर उपचुनाव हुआ है। मंगलौर सीट से बसपा विधायक सरवत करीम अंसारी के निधन के कारण उप चुनाव हुआ। मुस्लिम और दलित बहुल मंगलौर सीट पर भाजपा कभी नहीं जीत पाई है। इस सीट पर पहले कांग्रेस या बसपा का कब्जा रहा है। इस बार बसपा ने अंसारी के बेटे उबेदुर रहमान को कांग्रेस प्रत्याशी काजी मोहम्मद निजामुद्दीन के खिलाफ उतारा। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर करतार सिंह भड़ाना भी मैदान में उतरे लेकिन खेत रहे। बद्रीनाथ सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी के इस साल मार्च में इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद खाली हुई थी। बद्रीनाथ में भाजपा के राजेंद्र भंडारी और कांग्रेस के नए उम्मीदवार लखपत सिंह बुटोला के बीच सीधा मुकाबला रहा।

पंजाब में जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद इस सीट को जीतने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी पूरी ताकत झोंकी। यह उपचुनाव शीतल अंगुराल के आपा विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद हुआ। उपचुनाव के लिए 15 उम्मीदवार मैदान में थे। सत्तारूढ़ आपा ने पूर्व मंत्री और भाजपा के पूर्व विधायक भगत चुन्नी लाल के बेटे मोहिंदर भगत को मैदान में उतारा। भगत पिछले साल भाजपा छोड़कर आपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस ने सुरिंदर कौर पर दांव लगाया, जो जालंधर की पूर्व वरिष्ठ उप महापौर और पांच बार नगर निगम पार्षद रह चुकी हैं। वह रविदासिया समुदाय की प्रमुख दलित नेता हैं। भाजपा ने अंगुराल को मैदान में उतारा, जिन्होंने मार्च में आपा छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। उन्होंने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आपा के टिकट पर यह सीट जीती थी।

बिहार में रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ। यह सीट जदयू विधायक बीमा भारती के इस साल मार्च में इस्तीफा देने और राजद में शामिल होने के बाद खाली हुई थी। रुपौली विधानसभा सीट के उपचुनाव में बीमा भारती राजद प्रत्याशी रहीं। दूसरी तरफ, इस सीट पर एनडीए की ओर से जदयू ने कलाधर मंडल को टिकट दिया। वहीं, लोजपा (रामविलास) से बागी होकर शंकर सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और चुनाव जीत गए। पूर्णिया लोकसभा सीट पर जीतने वाले निर्दलीय राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राष्ट्रीय जनता दल की बीमा भारती को समर्थन देने का ऐलान किया था। इसके चलते यहां मुकाबला दिलचस्प हो गया था। बीमा इस सीट से 2020 के चुनाव में जदयू के टिकट पर विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुई थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीमा भारती पूर्णिया लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार थीं। इस चुनाव में उन्हें निर्दलीय पप्पू यादव से हार मिली थी।

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव कराया गया। 2023 में यहां से कांग्रेस के टिकट पर कमलेश शाह ने विधायकी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हुई जिस पर उपचुनाव हुआ है। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए नौ प्रत्याशी मैदान में रहे। भाजपा ने कमलेश शाह को टिकट दिया। कांग्रेस ने उनके सामने धीरेन शाह को उम्मीदवार बनाया। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के देवीराम भलावी भी मैदान में उतरे। 2023 के विधानसभा चुनावों में अमरवाड़ा समेत छिंदवाड़ा की सभी आठ सीटों पर कांग्रेस ने कमलनाथ के नेतृत्व में विजयी परचम फहराया था। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के प्रभाव वाली इस सीट पर कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरी। वहीं लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भी पहली परीक्षा होने मानी जा रही थी।

तमिलनाडु में विक्रवंदी विधानसभा सीट का उपचुनाव भी बेहद खास रहा। 6 अप्रैल को डीएमके विधायक एन पुगाजेंथी के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। डीएमके ने अन्नियुर शिवा को अपना उम्मीदवार बनाया। एनडीए की सहयोगी पीएमके ने सी. अंबुमणि को उम्मीदवार बनाया जबकि तमिल समर्थक पार्टी एनटीके ने डॉ. अभिनय को मैदान में उतारा। तीनों उम्मीदवार वन्नियार समुदाय से थे। उधर एआईएडीएमके ने विक्रवंदी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव का बहिष्कार किया।

महाराष्ट्र विधान परिषद ...

कांग्रेस की तरफ से प्रद्न्य साटव जबकि शिवसेना (यूबीटी) की तरफ से खड़े मिलिंद नार्वेकर भी जीत गए।

इस चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 23 विधायकों का वोट चाहिए था। महायुती की तरफ से उतारे गए उम्मीदवारों में से अधिकांश को 23 से अधिक वोट मिले। कुछ उम्मीदवारों को 26 तो कुछ को 24 वोट मिले। इस प्रकार उन्हें जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई। दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवारों को कुल मिलाकर 59 वोट मिले। इन तीनों पार्टियों के पास इस चुनाव में 66 वोट थे, इस प्रकार इनका 7 वोट का नुकसान दिखा। इसी कारण से जयंत पाटील की हार भी हुई, वह 23 की जगह केवल 12 वोट पा सके। उन्हें इस गठबंधन ने इस उम्मीद में उतारा था कि अजित पवार की एनसीपी के कुछ विधायकों का समर्थन मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुए विधानपरिषद के चुनावों से महायुती (एनडीए) को बढ़त मिली है। इन चुनावों से उसकी लोकसभा चुनावों में हुई बड़ी हार का असर भी कम होता दिख रहा है।

जम्मू-कश्मीर...

42-बी यह भी स्पष्ट करता है कि अभियोजन स्वीकृति देने या अस्वीकार करने या अपील दायर करने के प्रस्ताव भी एलजी द्वारा ही दिए जाएंगे।

जब से जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन हुआ है, तब से वहां चुनाव नहीं हुए हैं। भविष्य में जब भी सरकार का गठन होगा तब सबसे अधिक शक्तियां राज्यपाल के पास होंगी। ये शक्तियां ऐसी ही हैं, जैसे दिल्ली के एलजी के पास होती हैं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपनी आदत के मुताबिक केंद्र सरकार के इस निर्णय की आलोचना की है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस मामले में कुछ नहीं कहा है।उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को दिया गया स्पेशल स्टेटस खत्म कर दिया गया था। राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था। लद्दाख में विधानसभा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की है।

अक्टूबर से ...

जो रिपोर्ट यूसीसी का आधार थी, उसे आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों को यूसीसी के बारे में जागरूक करना है। अक्टूबर माह तक यूसीसी राज्य में लागू हो जाएगा।

समान नागरिक संहिता लागू होने से समाज में बाल विवाह, बहु विवाह, तलाक जैसी सामाजिक कुरीतियों और कुप्रथाओं पर लगाम लगेगी। किसी भी धर्म की संस्कृति, मान्यता और रीति-रिवाज इस कानून से प्रभावित नहीं होंगे। बाल और महिला अधिकारों की सुरक्षा होगी। विवाह का पंजीकरण अनिवार्य होगा। पंजीकरण न होने पर सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिलेगा। पति-पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह करना प्रतिबंधित होगा। सभी धर्मों में विवाह की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 21 वर्ष और लड़कियों के लिए 18 वर्ष होगी। वैवाहिक दंपति में यदि कोई एक व्यक्ति बिना दूसरे व्यक्ति की सहमति के अपना धर्म परिवर्तन करता है तो दूसरे व्यक्ति को उस व्यक्ति से तलाक लेने और गुजारा भत्ता लेने का अधिकार होगा। पति पत्नी के तलाक या घरेलू झगड़े के समय पांच वर्ष तक के बच्चे की कस्टडी, बच्चे की माता के पास ही रहेगी। सभी धर्मों में पति-पत्नी को तलाक लेने का समान अधिकार होगा। सभी धर्म-समुदायों में सभी वर्गों के लिए बेटा-बेटी को संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। संपत्ति में अधिकार के लिए जायज और नाजायज बच्चों में कोई भेद नहीं होगा। नाजायज बच्चों को भी उस दंपति की जैविक संतान माना जाएगा। किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति में उसकी पत्नी और बच्चों को समान अधिकार मिलेगा। किसी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे की संपत्ति में अधिकार को संरक्षित किया जाएगा। लिव-इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा। लिव-इन के दौरान पैदा हुए बच्चों को उस युगल का जायज बच्चा ही माना जाएगा। उस बच्चे को जैविक संतान की तरह सभी अधिकार प्राप्त होंगे।

रेडियो एक्टिव उपकरण...

इनके पास मिले उपकरण पर रेडियोग्राफी कैमरा और निर्माता का नाम बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटॉप टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी, बीएआरसी/बीआरआईटी, वाशी कॉम्प्लेक्स सेक्टर-20 वाशी नवी मुंबई लिखा हुआ है। एक काले रंग का बॉक्स भी मिला। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि इसे खोलने पर रेडिएशन फैलने का खतरा हो सकता है।

आरोपियों ने बताया कि उपकरण तबरेज आलम ने 10 महीने पहले सहारनपुर निवासी राशिद से खरीदा था। अब आगरा निवासी सुमित पाठक से इसकी खरीद-फरोख्त की बात चल रही थी। एसएसपी ने बताया कि इसमें दिल्ली और फरीदाबाद के कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। इनके संबंध में जानकारी की जा रही है।

हिंदुओं-सिखों के...

पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह जनसंख्या की सामान्य दशकीय वृद्धि दर से बहुत अधिक है, जो अन्य राज्यों से पलायन में भी तेजी से वृद्धि का संकेत देता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों का एक बड़ा हिस्सा राज्य के मैदानी इलाकों में स्थित है। उदाहरण के लिए, हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिलों के 34.3 प्रतिशत और 22.6 प्रतिशत निवासी मुस्लिम हैं।

पिछली जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए इसमें कहा गया है कि उधम सिंह नगर के लगभग दसवें हिस्से के निवासी सिख हैं। इसमें कहा गया है कि 2001-11 के दशक के दौरान, मुसलमानों और ईसाइयों की वार्षिक औसत जनसंख्या वृद्धि दर (3.9 प्रतिशत से अधिक) सिखों (1.15 प्रतिशत) और हिंदुओं (1.60 प्रतिशत) से आगे निकल गई है। इसी अवधि के दौरान जैन आबादी की पूर्ण संख्या में गिरावट आई। पैनल रिपोर्ट में साझा किए गए डेटा और पाई चार्ट से पता चलता है कि राज्य के पहाड़ी क्षेत्र से 98 प्रतिशत सुझाव यूसीसी के पक्ष में थे, जबकि सिर्फ 2 प्रतिशत विरोध में थे। मैदानी इलाकों में तस्वीर काफी बदल जाती है, जहां कथित तौर पर दूसरे राज्यों से काफी अधिक पलायन हुआ है। यहां प्राप्त सुझावों में से सिर्फ 38 प्रतिशत यूसीसी के पक्ष में थे, जबकि 62 प्रतिशत इसके खिलाफ थे। इसी तरह, पैनल द्वारा व्यक्तिगत रूप से फील्ड विजिट में प्राप्त सुझावों में पहाड़ी क्षेत्र में यूसीसी के लिए 99 प्रतिशत समर्थन दिखा। मैदानी इलाकों के मामले में 92 प्रतिशत सुझाव यूसीसी के पक्ष में थे, जबकि 8 प्रतिशत इसके विरोध में थे।

उत्तराखंड सरकार ने इससे पहले रिपोर्ट के मुख्य अंश ही जारी किए थे, लेकिन शुक्रवार शाम पूरी रिपोर्ट आम लोगों के लिए उपलब्ध हो गई है। सरकारी वेबसाइट पर जाकर कोई भी व्यक्ति रिपोर्ट को देख सकता है। दरअसल, उत्तराखंड की धामी सरकार ने 27 मई 2022 को यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी बनाई थी। रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने 43 जनसंवाद कार्यक्रम और विभिन्न माध्यमों से 2.33 लाख लोगों से यूसीसी के लिए सुझाव लिए थे। इसके बाद 2 फरवरी, 2024 को कमेटी ने सरकार को यूसीसी की रिपोर्ट सौंपी।

कमेटी की ओर से रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने 7 फरवरी को यूसीसी के ड्राफ्ट को विधानसभा के पटल पर रखा। इसे विधानसभा में ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इसके बाद उत्तराखंड यूसीसी को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। विधेयक को कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया और फिर 11 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूसीसी विधेयक को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अक्टूबर माह में इसे उत्तराखंड में लागू करने का ऐलान किया है।

चमचागीरी और...

सीटें वर्ष 2017 की अपेक्षा कुछ कम हुई थीं। भाजपा को इस बात के लिए सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन भाजपा के कर्णधार अहंकार में इतने चूर थे कि उन्होंने उक्त विषय पर ध्यान देने का कष्ट नहीं किया। पार्टी के कर्णधारों को उसी समय गहन चिंतन कर उन कारणों पर पूरी तरह ध्यान देना चाहिए था कि वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा की सीटें कम क्यों हुईं! उन सीटों का कम होना आगे लोकसभा के चुनाव के लिए खतरे का सबब बनेगा, इसे समझना चाहिए था, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के अहंकार का यह हाल था कि वे जनता से पूरी तरह कट गए। वे अपने को राजा मानकर जनता को पूरी तरह हेय समझने लगे। केंद्र तो दूर, उत्तर प्रदेश में भी मंत्रीगण अहंकार में बुरी तरह चूर थे। वे भूल गए कि लोकतंत्रीय व्यवस्था में वे जनता के मालिक नहीं, बल्कि सेवक हैं। आम जनता की तो बात ही क्या, अत्यंत सम्मानित वरिष्ठजनों से भी उनका व्यवहार बहुत अशोभनीय होने लगा। मीडिया देखने वाले भाजपाई अहंकार में चूर रहे और मीडियाकर्मियों से बदसलूकी करते दिखे। पत्रकारों को यह तक नहीं बताया गया कि प्रदेश अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के जनपदों के कितने दौरे किए। यह भी स्पष्ट है कि जब व्यापक दौरे किए ही नहीं गए तो विवरण कहां से प्राप्त होता! प्रदेश-भाजपा के वर्तमान मीडिया प्रभारी वैसे भी अहंकारी एवं जिद्दी स्वभाव के हैं। आम जनता से दूरी तथा समर्पित कार्यकर्ताओं की घोर उपेक्षा इतनी अधिक चर्चित थी कि सभी को उसका ज्ञान था, बस केवल पार्टी-कर्णधारों को उसका पता नहीं लग पाया।

आम जनता की समस्याएं सुनने एवं उनका निराकरण करने के लिए पार्टी के प्रदेश-मुख्यालय में कुछ वर्ष पूर्व एक कक्ष बनाया गया था, जहां नित्य किसी मंत्री की ड्यूटी लगाई जाती थी कि वह लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण कराया करे। यह व्यवस्था इतनी अच्छी थी कि प्रदेश के समस्त जनपदों में भी वैसी व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लेकिन कुछ समय बाद प्रदेश-मुख्यालय में ही उक्त व्यवस्था समाप्त कर दी गई। भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह कहा करते थे कि पार्टी को कार्यकर्ता ही विजयी बनाते हैं या पराजित कराते हैं। लेकिन भाजपा में कार्यकर्ता पूरी तरह उपेक्षित रहे। नौकरशाही इतनी अधिक हावी थी कि कार्यकर्ताओं की न तो कोई सुनवाई हो पाती थी और न समस्याओं का निराकरण होता था। भाजपा के स्वयंभू चाणक्यों का मानना था कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो राष्ट्रवादी है तथा हिंदुत्वविरोधी नहीं है। अतएव भाजपा के समर्थक विवश होकर भाजपा को ही वोट देंगे। लेकिन जब कांग्रेस और सपा ने जातिवाद का अभियान चलाया तो राष्ट्रवादी हिंदू भी जातिवाद के चक्कर में पड़ गए और भाजपा से छिटक कर जातिवाद के चक्कर में फंस गए। भाजपा का नाकारापन यह रहा कि अपने ही मतदाताओं को वह उस चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकाल पाई।

गलत प्रत्याशियों का चयन भी भाजपा की सीटें कम होने का एक कारण था। चर्चा यहां तक है कि प्रत्याशियों के चयन में आश्चर्यजनक रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महत्व नहीं दिया गया, जबकि हिंदुत्ववादी योगी की लोकप्रियता सर्वविदित है। वह हिंदू हृदय सम्राट माने जाते हैं। प्रयागराज में रीता बहुगुणा जोशी को टिकट दिया जाता तो वह जीत सकती थीं। उनके लड़के मयंक जोशी को पुनः भाजपा में लाकर टिकट दिया जा सकता था। उज्ज्वल रमण सिंह को भी भाजपा में लिया जाना चाहिए था। ऐसे अनगिन उदाहरण हैं। गाजियाबाद से पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह का टिकट काटना कौन सी दूरदर्शिता थी, इसे लोग समझ नहीं पाए। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इतनी ईर्ष्या और द्वेष से भरा होगा, यह लोग तब समझ पाए जब कर्तव्यपरायण जनरल वीके सिंह का टिकट काट दिया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भारतीय जनता पार्टी को और घटने से बचाना है तो नरेंद्र मोदी को चाहिए कि भाजपा को विभिन्न कर्णधारों के मत्थे पूरी तरह छोड़ने के बजाय स्वयं भी कड़ी निगरानी और पथप्रदर्शन करें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। मोदी को अपने निकम्मे प्रचारतंत्र एवं खुफियातंत्र की ओवरहॉलिंग करनी चाहिए। कांग्रेस एवं सपा ने विभिन्न झूठे नारों और अफवाहों से जनता को भ्रमित करने में सफलता प्राप्त की, किन्तु इस मामले में भाजपा का प्रचारतंत्र पूरी तरह विफल सिद्ध हुआ। चुनाव में मोदी और योगी तो दहाड़ते रहे, लेकिन पार्टी के अन्य नेता बस मिमियाकर रह गए।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने पैर पर खुद ही कुल्हाड़ी मारी। जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के बावजूद अपनी जुबान पर लगाम नहीं रख पाए। नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ अनपेक्षित और मूर्खाना बयान दे डाला। उसका असर चुनाव पर पड़ा, लेकिन नरेंद्र मोदी पर नहीं पड़ा। उसी नड्डा को उन्होंने मंत्रिमंडल में शामिल कर महिमामंडित कर दिया। इससे यह संदेश गया कि संघ के खिलाफ नड्डा के बोलने के पीछे कहीं नरेंद्र मोदी की सहमति तो नहीं थी! यही हाल अयोध्या में भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह का भी रहा और अपनी गलत बयानी के कारण उन्होंने अयोध्या में भाजपा की प्रतिष्ठा धूल में मिला दी। भारतीय जनता पार्टी में धीरे-धीरे एक ऐसी बुराई का समावेश हो गया है, जो उसके लिए घातक हो रही है। उसमें पार्टी-हित देखने के बजाय चाटुकारिता को महत्व मिलने लगा है। चाटुकारिता नेतृत्व को अहंकारी बनाती है। इसे त्याग कर शीर्ष नेतृत्व जब तक जमीनी विनम्र आचरण नहीं करेगा और कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान नहीं करेगा, भाजपा रसातल में चली जाएगी, इसमें कोई संदेह नहीं।

अंकुश के बाद...

सुप्रीम कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को जमानत देते वक्त कई शर्तें लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केजरीवाल मुख्यमंत्री के दफ्तर नहीं जा सकेंगे और वे दिल्ली सचिवालय जाने के लिए भी अधिकृत नहीं होंगे। केजरीवाल तब तक आधिकारिक फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे जब तक यह जरूरी न हो और दिल्ली के उप राज्यपाल की मंजूरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक न हो। शीर्ष अदालत ने कहा है कि केजरीवाल इस मामले में अपनी भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। किसी भी गवाह से किसी तरह की बातचीत भी नहीं करेंगे या इस मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल भी नहीं देखेंगे। अरविंद केजरीवाल के अलावा पार्टी के दूसरे सबसे बड़े चेहरे और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन भी आबकारी घोटाले के मामले में लंबे वक्त से जेल में हैं।

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी, 118 दिन का रहेगा चातुर्मास

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा के साथ साथ शिवलोक में भी स्थान मिलता है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु योग निद्रा में ही रहते हैं। देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। जिस दिन से भगवान विष्णु निद्रा में जाते हैं तभी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। जिस समय देव सोते हैं इस समय संसार का पालन पोषण भगवान शिव करते हैं। इस साल चातुर्मास 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी से शुरू हो रहे हैं। समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा। इस वर्ष चातुर्मास 118 दिन का रहेगा। पिछले साल 148 दिन 5 माह का था। वर्ष 2023 में अधिक मास होने के कारण दो श्रावण मास थे। इस कारण चातुर्मास 148 दिन का था। इस वर्ष 30 दिन कम यानी चार माह का चातुर्मास रहने के कारण सभी बड़े त्योहार 10 से 11 दिन पहले आ रहे हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बीते वर्ष दो श्रावण मास थे। इस साल सभी त्योहारों की तिथियों में 10 से 12 दिन का अंतर देवशयनी एकादशी के बाद देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया, चातुर्मास के दौरान रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहार हैं। इनका सामाजिक जीवन के साथ ही मार्केट पर भी असर रहता है। इन त्योहारों के प्रभाव से मार्केट में धनवर्षा होती है।

चतुर्मास में नहीं होते विवाह

भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार कहा जाता है। श्रीहरि के विश्राम अवस्था में चले जाने के बाद मांगलिक कार्य जैसे- विवाह, मुंडन, जनेऊ आदि करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान मांगलिक कार्य करने से भगवान का आशीर्वाद नहीं प्राप्त होता है। शुभ कार्यों में देवी-देवताओं का आवाह्न किया जाता है। भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, इसलिए वह मांगलिक कार्यों में उपस्थित नहीं हो पाते हैं। जिसके कारण इन महीनों में मांगलिक कार्यों पर रोक होती है।

पाताल में रहते हैं भगवान

ग्रंथों के अनुसार पाताल लोक के अधिपति राजा बलि ने भगवान विष्णु से पाताल स्थिति अपने महल में रहने का वरदान मांगा था। इसलिए माना जाता है कि देवशयनी एकादशी से अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु पाताल में राजा बलि के महल में निवास करते हैं। इसके अलावा अन्य मान्यताओं के अनुसार शिवजी महाशिवरात्रि तक और ब्रह्मा जी शिवरात्रि से देवशयनी एकादशी तक पाताल में निवास करते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

चतुर्मास के चार महीने

चतुर्मास का पहला महीना सावन होता है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित होता है। दूसरा माह भाद्रपद होता है। यह माह त्योहारों से भरा रहता है। इस महीने में गणेश चतुर्थी और कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भी आता है। चतुर्मास का तीसरा महीना अश्विन होता है। इस मास में नवरात्र और दशहरा मनाया जाता है। चतुर्मास का चौथा और आखिरी महीना कार्तिक होता है। इस माह में दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस माह में देवोत्थान एकादशी भी मनाई जाती है। जिसके साथ ही मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

आने वाले प्रमुख त्योहार

इस साल 11 दिन पहले जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनाई जाएगी। पिछले साल 7 सितंबर को थी। हरतालिका तीज 12 दिन पहले 6 सितंबर को है। गत वर्ष 18 सितंबर को थी। पितृपक्ष 18 सितंबर से शुरू होंगे, जो कि पिछले साल 30 सितंबर को शुरू हुए थे। नवरात्रि 3 अक्टूबर से शुरू होगी। दशहरा 12 अक्टूबर और दीपावली 1 नवंबर को मनाई जाएगी।

एकादशी में चावल न खाने का धार्मिक महत्व

पौराणिक मान्यता के अनुसार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने शरीर का त्याग कर दिया और उनका अंश पृथ्वी में समा गया। चावल और जौ के रूप में महर्षि मेधा उत्पन्न हुए, इसलिए चावल और जौ को जीव माना जाता है। जिस दिन महर्षि मेधा का अंश पृथ्वी में समाया, उस दिन एकादशी तिथि थी, इसलिए इनको जीव रूप मानते हुए एकादशी को भोजन के रूप में ग्रहण करने से परहेज किया गया है, ताकि सात्विक रूप से विष्णु प्रिया एकादशी का व्रत संपन्न हो सके।

चावल न खाने का ज्योतिषीय कारण

एकादशी के दिन चावल न खाने के पीछे सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि ज्योतिषीय कारण भी है। ज्योतिष के अनुसार चावल में जल तत्व की मात्रा अधिक होती है। जल पर चन्द्रमा का प्रभाव अधिक पड़ता है। ऐसे में चावल खाने से शरीर में जल की मात्रा बढ़ती है और इससे मन विचलित और चंचल होता है। मन के चंचल होने से व्रत के नियमों का पालन करने में बाधा आती है।

देवशयनी एकादशी व्रत का महत्व

पद्म पुराण के अनुसार, जो व्यक्ति देवशयनी एकादशी का व्रत रखता है। वह भगवान विष्णु को अधिक प्रिय होता है। साथ ही इस व्रत को करने से व्यक्ति को शिवलोक में स्थान मिलता है। साथ ही सर्व देवता उसे नमस्कार करते हैं। इस दिन दान पुण्य करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन तिल, सोना, चांदी, गोपी चंदन, हल्दी आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करना उत्तम फलदायी माना जाता है। एकादशी व्रत पारण वाले दिन यानी द्वादशी तिथि के दिन ब्राह्मणों और जरुरतमंद लोगों को दही चावल खिलाता है इस व्यक्ति को स्वर्ग मिलता है। देवशयनी एकादशी को लेकर एक मान्यता यह भी है कि इस दिन सभी तीर्थ ब्रजधाम आ जाते हैं। इसलिए इस दौरान ब्रज की यात्रा करना शुभ फलदायी माना जाता है।

देवशयनी एकादशी भगवान विष्णु के शयन का मंत्र

सुप्ते त्वयि जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम्।
विबुद्दे च विबुध्येत प्रसन्नो मे भवाव्यय।।
मैत्राघपादे स्वपितीह विष्णु: श्रुतेश्च मध्ये परिवर्तमेति।
जागार्ति पौष्णस्य तथावसाने नो पारणं तत्र बुध: प्रकुर्यात्।।

देवशयनी एकादशी क्षमा मंत्र

भक्तस्तुतो भक्तपर: कीर्तिद: कीर्तिवर्धन:।
कीर्तिर्दीप्ति: क्षमाकान्तिर्भक्तश्चैव दया परा।।

चातुर्मास की परंपरा

सावन से लेकर कार्तिक तक चलने वाले चातुर्मास में नियम-संयम से रहने का विधान बताया गया है। इन दिनों में सुबह जल्दी उठकर योग, ध्यान और प्राणायाम किया जाता है। तामसिक भोजन नहीं करते और दिन में नहीं सोना चाहिए। इन चार महीनों में रामायण, गीता और भागवत पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथ पढ़ने चाहिए। भगवान शिव और विष्णुजी का अभिषेक करना चाहिए। पितरों के लिए श्राद्ध और देवी की उपासना करनी चाहिए। जरूरतमंद लोगों की सेवा करें।

चातुर्मास में करें पूजा

सावन में भगवान शिव-शक्ति की पूजा की जाती है। इससे सौभाग्य बढ़ता है। भादौ में गणेश और श्रीकृष्ण की पूजा से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। अश्विन मास में पितर और देवी की आराधना का विधान है। इन दिनों पितृ पक्ष में नियम-संयम से रहने और नवरात्रि में व्रत करने से सेहत अच्छी होती है। वहीं, कार्तिक महीने में भगवान विष्णु की पूजा करने की परंपरा है। इससे सुख और समृद्धि बढ़ती है। इन चार महीनों में आने वाले व्रत, पर्व और त्योहारों की वजह से ही चातुर्मास को बहुत खास माना गया है।

नियमों का करें पालन

चार माह तक एक समय भी भोजन करना चाहिए। फर्श या भूमि पर ही सोया जाता है। राजसिक और तामसिक खाद्य पदार्थों का त्याग करना चाहिए। 4 माह तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। शारीरिक शुद्धि का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रोज स्नान करना चाहिए। सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद ध्यान करना चाहिए और रात्रि में जल्दी सो जाना चाहिए।

माता सीता ने एक ही साड़ी में बिताया था पूरा वनवास

जानिए क्या थी इसकी खासियत?

श्रीरामचरितमानस और रामायण हिंदू धर्म के प्रमुख ग्रंथों में से एक हैं, जिसमें मुख्य रूप से श्री राम के चरित्र का वर्णन मिलता है। इसके साथ ही सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण भी इसके कुछ प्रमुख पात्र हैं। राम जी के साथ-साथ माता सीता और लक्ष्मण ने भी वनवास काटा था। आज हम आपको वनवास के दौरान पहनी गई माता सीता की साड़ी से जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं।

उपहार में मिली थी यह साड़ी

रामायण की कथा के अनुसार, वनवास पर जाने से पहले अत्रि ऋषि की पत्नी माता अनसुइया ने माता सीता को एक दिव्य साड़ी भेंट के रूप में दी थी। कथा के अनुसार जब राम जी को 14 वर्ष के लिए वनवास दिया गया, तब उनकी पत्नी सीता और छोटे भाई लक्ष्मण भी वनवास जाने को तैयार हो गए। वनवास जाने से पहले वह तीनों ऋषि अत्रि के आश्रम में गए।

वहां ऋषि अत्रि की पत्नी माता अनसुइया ने तीनों का बहुत अच्छे से आदर सत्कार किया। साथ ही माता अनसुइया ने सीता जी को सतीत्व की शिक्षा भी दी, क्योंकि माता अनसुइया को सबसे पतिव्रता नारी माना जाता था। इस दौरान माता अनसुइया ने सीता जी को पीले रंग की एक दिव्य साड़ी भी उपहार के रूप में दी।

क्या थी इसकी खासियत

माता सीता ने अपने पूरे वनवास में इसी साड़ी को पहने रखा था। इस साड़ी की विशेषता यह थी कि यह साड़ी न को मैली होती थी और न ही इसे कोई नुकसान पहुंचता था। यही कारण है कि माता सीता के पूरे वनवास के दौरान इस साड़ी को पहनने के बाद भी इसे कोई नुकसान नहीं पहुचा और यह एकदम नई जैसी बनी रही।

आखिर कौन था सबसे पहला कांवड़िया?

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा की शुरुआत होती है। धार्मिक मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से कांवड़ लाने से महादेव प्रसन्न होकर साधक की सभी मुरादें पूरी करते हैं। साथ ही जीवन के संकट दूर होते हैं। क्या आपको पता है कि सबसे पहले कांवड़ कौन लाया था? अगर नहीं पता तो आइए जानते हैं इससे जुड़ी रोचक कथा के बारे में।

पंचांग के अनुसार, वर्ष 2024 में सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई से हो रही है। इस महीने के प्रारंभ के लिए शिव भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं। सावन में देशभर के भक्त पवित्र स्थान से गंगाजल लाकर सावन शिवरात्रि पर भगवान शिव का विधिपूर्वक जलाभिषेक करते हैं। यात्रा के दौरान भक्तों में बेहद खास उत्साह देखने को मिलता है और बम भोले के नाम का जप कर यात्रा को पूरी करते हैं।

कांवड़ यात्रा की पहली कथा

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। ऐसा कहा जाता है कि भगवान परशुराम गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर आए थे और उत्तर प्रदेश के पुरा महादेव पर जल अर्पित किया था। आज के समय में भी इस प्राचीन परंपरा को निभाया जाता है। सावन के महीने में गढ़मुक्तेश्वर में अधिक संख्या में शिव भक्त पुरा महादेव का जलाभिषेक करते हैं।

कांवड़ यात्रा की दूसरी कथा

वहीं, कुछ अन्य धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत सबसे पहले त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने की थी। उनके माता-पिता ने हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा जाहिर की। श्रवण कुमार ने इस इच्छा की पूर्ति के लिए माता-पिता को कांवड़ में बैठा कर हरिद्वार लेकर गए और उन्हें गंगा स्नान कराया। वहां से वह अपने साथ गंगाजल भी लाए थे। इसे ही कांवड़ यात्रा की शुरुआत माना जाता है।

इस दिन से शुरू होगी कांवड़ यात्रा

पंचांग के अनुसार, इस बार कांवड़ यात्रा की शुरुआत 22 जुलाई 2024 से होगी। वहीं, इसका समापन 02 अगस्त 2024 यानी सावन शिवरात्रि के दिन होगा।

किसी के घर मेहमान बनकर जाएं तो ध्यान रखें चाणक्य की ये बातें

ताकि बना रहे मान-सम्मान

आचार्य चाणक्य के नीति शास्त्र में लिखी बातों का आज भी लोग पालन करते हैं। चाणक्य नीति भारत की सबसे लोकप्रिय नीतियों में से एक है, जिसमें जीवन के विभिन्न पहलुओं का वर्णन मिलता है। ऐसे में आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में बताया है कि यदि आप किस दूसरे के घर में मेहमान बनकर जाते हैं, तो आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि आपका मान-सम्मान रिश्तेदारों के बीच बना रहे।

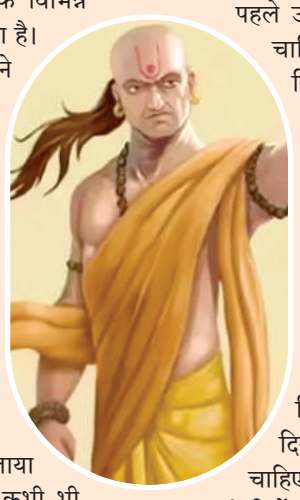

इन बातों का रखें ध्यान

चाणक्य नीति में बताया गया है कि व्यक्ति को कभी भी बिना वजह किसी के घर मेहमान बनकर नहीं जाना चाहिए, इससे आपका सम्मान कम हो सकता है। ऐसे में व्यक्ति को किसी काम से या फिर बुलावे पर ही दूसरे व्यक्ति के घर जाना चाहिए।

बना रहेगा मान-सम्मान

हमेशा किसी मेहमान के घर जाने से पहले उससे एक बार पूछ लेना चाहिए और इसके बाद ही किसी दूसरे के घर मेहमान के रूप से जाना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका मान-सम्मान बना रहता है।

न जाए ऐसे लोगों के घर

आचार्य चाणक्य का यह भी कहना है कि बिना किसी काम के किसी व्यक्ति के घर ज्यादा दिनों तक नहीं रुकना चाहिए, क्योंकि मेहमान केवल कुछ ही दिनों के लिए अच्छे लगते हैं। ऐसे में ज्यादा दिनों तक भी किसी के घर रुकने से उस व्यक्ति की नजरों में आपकी इज्जत घटने लगती है।

रत्न धारण करने के लिए जान लें ये नियम

वरना फायदे की जगह हो जाएगा नुकसान

रत्न शास्त्र में व्यक्ति की लगभग हर समस्या के लिए कोई-न-कोई रत्न बताया गया है। लेकिन रत्न धारण करने के कुछ नियम भी बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखना जरूरी है, अन्यथा इसके लाभ की जगह बुरे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि रत्न कब धारण करना चाहिए और इसके नियम क्या हैं?

रत्न धारण करने का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर रत्न का संबंध एक ग्रह से माना गया है। ऐसे में उस ग्रह का रत्न धारण करने का अर्थ है कि उस ग्रह को ऊर्जा देना। ऐसे में यदि ज्योतिष की सलाह पर रत्न पहना जाए, तो इससे ग्रह-नक्षत्र का दोष आदि में राहत मिल सकती है। साथ ही इससे नकारात्मक ऊर्जा भी दूर बनी रहती है। सुखी वैवाहिक जीवन और नौकरी आदि में प्रमोशन के लिए भी लोग रत्न धारण करते हैं। इस प्रकार से रत्न धारण करने से साधक को जीवन की कई बड़ी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

रत्न पहनने के नियम

रत्न ज्योतिष के अनुसार, रत्न को हमेशा सुबह के समय धारण करना चाहिए, न कि रात या शाम के समय, वरना इसके शुभ परिणाम नहीं मिलते। इसके साथ ही अमावस्या या फिर ग्रहण वाले दिन भी नया रत्न धारण करने की मनाई होती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

एक बार रत्न पहनने के बाद उसे बार-बार नहीं निकालना चाहिए, वरना इससे उसका प्रभाव कम होने लगता है।

कभी भी खंडित रत्न नहीं पहनना चाहिए और न ऐसा रत्न धारण करें जिसका वास्तविक रंग बदल गया हो। इस बात का भी ध्यान रखें कि किसी दूसरे का रत्न धारण न करें और न ही किसी को अपना रत्न पहनने को न दें। जब भी आप रत्न धारण करें, तो इस बात का ध्यान रखें कि रत्न आपकी त्वचा से स्पर्श करता हुआ होना चाहिए, तभी आपको इसका लाभ मिल सकता है।

जानें कौन हैं वो पांच कन्याएं जो संतान होने पर भी रहीं कुंवारी

सनातन धर्म अपनी मान्यताओं और पूजा-पाठ के लिए जाना जाता है। वहीं, सनातन धर्म में कुछ ऐसी दिव्य कन्याओं के बारे में भी बताया गया है, जिनके अंदर कुछ ऐसी दिव्य शक्तियां थीं, जिसे जानकर आपको हैरानी होगी। दरअसल, शास्त्रों में ऐसी पांच कन्याओं का जिक्र किया गया है, जो विवाह और संतान प्राप्ति के पश्चात भी सदैव के लिए कुंवारी कहलाईं हैं। इनकी दिव्य शक्तियों का जिक्र ग्रंथों में भी किया गया है, तो आइए उनके बारे में जानते हैं।

देवी अहिल्या

वाल्मीकि रामायण के बालकांड में देवी अहिल्या के बारे में बताया गया है। देवी अहिल्या का विवाह गौतम ऋषि से हुआ था। इंद्र देव के छलावे में आने के बाद ऋषि गौतम ने उन्हें सदैव के लिए शिला बनने का श्राप दे दिया था, जब त्रेतायुग युग में प्रभु श्रीराम ने उनका अपने चरणों से स्पर्श किया था, तब जाकर उन्हें फिर से नारी रूप प्राप्त हुआ था। इसके साथ ही वह आजीवन कुंवारी कहलाईं।

द्रौपदी

पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी द्रौपदी का जन्म यज्ञ से हुआ था, जो देखने में बेहद सुंदर और गुणवान थीं। उन्हें याज्ञसेनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि पांच पांडवों के साथ विवाह होने के बाद भी द्रौपदी सदा कुंवारी कहलाईं।

मंदोदरी

लंकापति रावण की पत्नी मंदोदरी का नाम भी पंच कन्याओं में शामिल था। उनके पिता का नाम मयासुर और मां का नाम हेमा था। मंदोदरी का विवाह रावण से हुआ था। विवाह के बाद वो अति बलशाली पुत्रों की मां बनीं। इसके बावजूद भी मंदोदरी का कौमार्य भंग नहीं हुआ था।

तारा

तारा एक अप्सरा थीं, जिनका विवाह बाली के साथ हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि तारा को भगवान से सदैव चिर कौमार्य का वरदान प्राप्त था।

कुंती

कुंती भी पंच कन्याओं में से एक मानी जाती हैं। उनका विवाह हस्तिनापुर के राजा पांडु से हुआ था। हालांकि पांडु को यह श्राप प्राप्त था कि 'यदि वो अपनी पत्नी कुंती का स्पर्श करेंगे, तो इससे उनकी मृत्यु हो जाएगी'। वहीं, कुंती देवताओं के आशीर्वाद से मां बनीं। संतान प्राप्ति के बाद भी कुंती सदैव के लिए कुंवारी कहलाईं।

वरुण धवन की नई कॉमेडी फिल्म का नाम है 'है जवानी तो इश्क होना है'

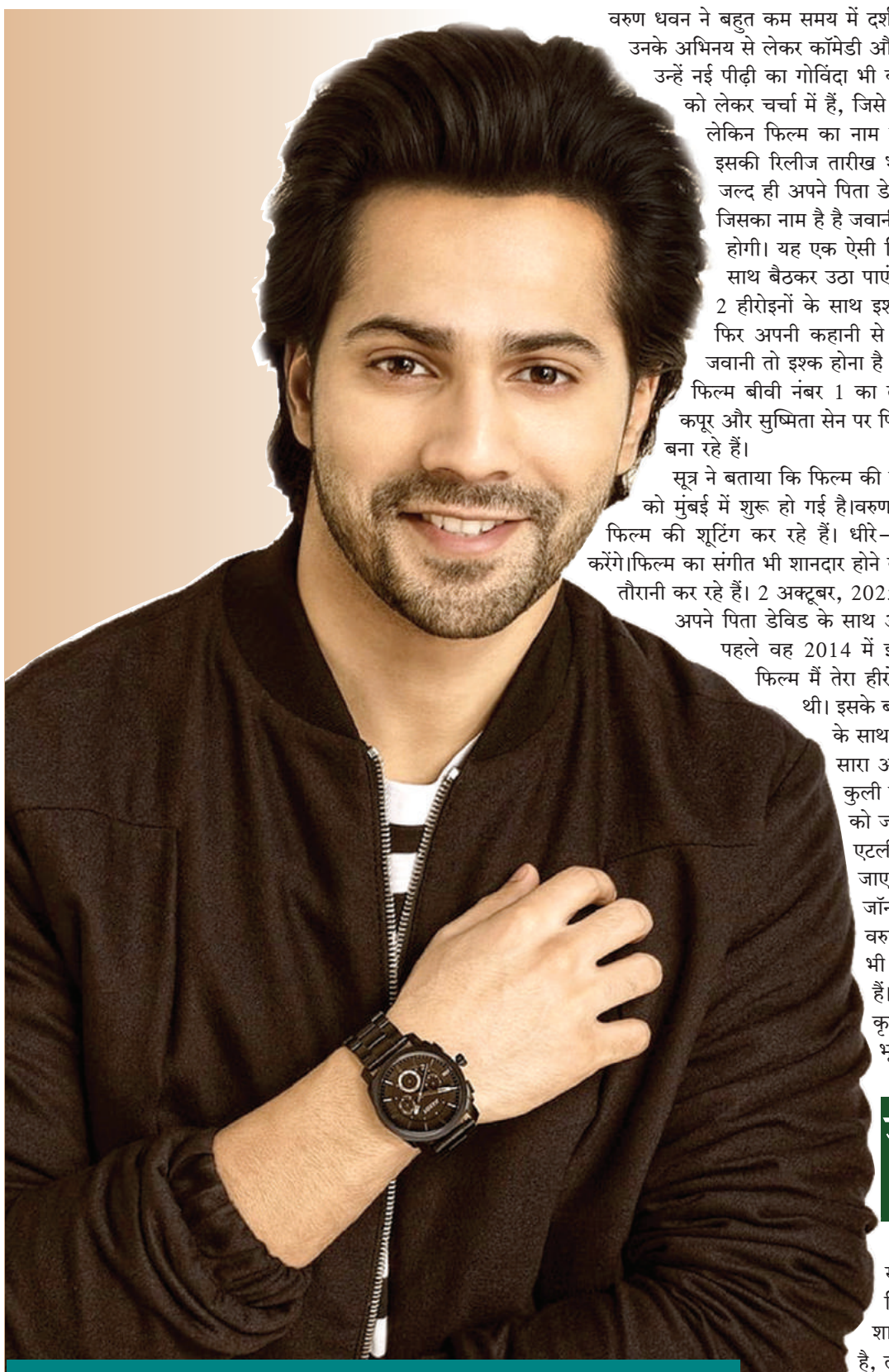

वरुण धवन ने बहुत कम समय में दर्शकों के बीच अपनी एक अलग जगह बनाई है। उनके अभिनय से लेकर कॉमेडी और डांस तक प्रशंसकों को खूब भाता है। कुछ तो उन्हें नई पीढ़ी का गोविंदा भी कहते हैं।बहरहाल, अब वरुण अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसे लेकर सुगबुगाहट तो पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन फिल्म का नाम सामने नहीं आया था।अब नाम के साथ-साथ इसकी रिलीज तारीख भी सामने आ गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण जल्द ही अपने पिता डेविड धवन की पिता की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका नाम है है जवानी तो इश्क होना है। यह फिल्म कॉमेडी से लबरेज होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका लुत्फ आप अपने परिवार के साथ बैठकर उठा पाएंगे। मृणाल ठाकुर और श्रीलीला फिल्म में वरुण 2 हीरोइनों के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे।डेविड इसके जरिए एक बार फिर अपनी कहानी से दर्शकों को लोटपोट करने की तैयारी में हैं।है जवानी तो इश्क होना है डेविड के निर्देशन में बनी 90 के दशक की हिट फिल्म बीवी नंबर 1 का लोकप्रिय गाना है, जो सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन पर फिल्माया गया था। अब इसी नाम से डेविड फिल्म बना रहे हैं।

सूत्र ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल की शुरुआत 10 जुलाई को मुंबई में शुरू हो गई है।वरुण अभिनेता मनीष पॉल और कुब्रा सैत के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। धीरे-धीरे फिल्म से जुड़े दूसरे कलाकार शूट शुरू करेंगे।फिल्म का संगीत भी शानदार होने वाला है। डेविड की इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। 2 अक्टूबर, 2025 में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वरुण अपने पिता डेविड के साथ अब तक 3 फिल्मों में काम कर चुके हैं। सबसे पहले वह 2014 में इलियाना डिक्रूज और नरगिस फाखरी के साथ फिल्म मैं तेरा हीरो लेकर आए, जिसे दर्शकों से हरी झंडी मिली थी। इसके बाद 2017 में तापसी पन्नू और जैकलीन फर्नांडिस के साथ आई फिल्म जुड़वा 2 भी हिट हुई थी।हालांकि, सारा अली खान के साथ 2020 में आई उनकी फिल्म कुली नंबर 1 को दर्शकों ने साफ नकार दिया था।वरुण को जल्द ही कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ एटली और मुराद खेतानी निर्मित बेबी जॉन में देखा जाएगा। है जवानी तो इश्क होना है से पहले बेबी जॉन दर्शकों के बीच आएगी। जाह्नवी कपूर के साथ वरुण की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी आने वाली है, जिसके निर्माता करण जौहर हैं।उधर सामंथा रुथ प्रभु के साथ राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की वेब सीरीज सिटाडेल में वरुण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

ब्लू नेट ड्रेस में अवनीत कौर बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत लुक में दिखी

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन अवनीत कौर इन दिनों ग्रीस में छुट्टियां मना रही हैं। वहां से वो लगातार अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रही हैं, जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहे हैं। हाल ही में, अवनीत कौर ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वो ब्लू कलर की नेट ड्रेस पहने हुए हैं। खुले बाल, लाइट मेकअप और राउंड प्रिंटेड हैट के साथ उनका यह लुक बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत लग रहा है। टीकू वेड्स शेरू से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं। जहां हर दिन एक्ट्रेस अपने फैंस के साथ अपनी सिजलिंग और किलर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अवनीत कौर ने अपनी ये दिलकश तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। जिसमें एक्ट्रेस समुद्र किनारे काफी बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक में दिखी। इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू कलर की बिकिनी ड्रेस पहने सिजलिगं पोज दे रही हैं। तस्वीरें ने इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा दिया हैं।इस ब्लू बिकिनी के साथ सिर पर बड़ी सी टोपी पहने हुए अवनीत काफी हसीन लग रही हैं। वहीं फैंस भी एक्ट्रेस के अदाओं के कायल हो गए हैं।अवनीत कौर ने अपना ये लुक लाइट मेकअप, गले में चेन और आंखों पर स्टाइलिश चश्मा लगाकर पूरा किया है।हर तस्वीर में अवनीत कौर की अलग अदा देखने को मिल रही है। फोटोज में अवनीत कौर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं।अवनीत कौर ने फोटोज को शेयर करते हुए लिखा कि, इस बीच मायकोनोस में टैन के लिए तैयार हो रही हूं।

उड़ारियां में शादी के सीक्वेंस की शूटिंग थकान भरी, लेकिन मजेदार: अदिति भगत

टीवी के पॉपुलर शो उड़ारियां में शादी का सीक्वेंस चल रहा है। इसमें हानिया का किरदार निभा रही एक्ट्रेस अदिति भगत ने कहा कि शादी के सीक्वेंस की शूटिंग करना थकान भरा है, लेकिन बहुत मजेदार है।शादियां हमेशा मजेदार होती हैं और उड़ारियां में चल रहा शादी का सीक्वेंस भी इससे अलग नहीं है।अदिति ने कहा, असल जिंदगी में शादियां मजेदार होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप शूटिंग कर रहे होते हैं तो यह अलग होता है। यह थोड़ा थकान भरा हो जाता है। इसमें बहुत सारे ड्रामा होते हैं, बहुत सारे लोग होते हैं, सजावट होती है और बाकी सब कुछ.. जिससे आपको निपटना होता है।उन्होंने कहा, लेकिन यह फिर भी मजेदार है।

इसमें डांस परफॉर्मेंस होती है, आपको ड्रेस अप करना होता है और ये सब चीजें होती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह थकान भरा है, लेकिन मजेदार है।जब उनसे उनकी ड्रीम वेडिंग के बारे में पूछा गया, तो अदिति ने कहा, मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है, लेकिन मैं एक शो में 5 बार शादी कर चुकी हूं। मुझे लगता है कि मैं अभी जाकर कोर्ट मैरिज कर लूंगी। बस मजाक कर रही हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के सीक्वेंस दर्शकों को बहुत पसंद आते हैं।उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि लोग शादी के सीक्वेंस से बहुत अच्छी तरह जुड़ सकते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि अपनी शादियों में या जिन शादियों में वे शामिल हुए हैं, उन्होंने कुछ देखा होगा, कुछ संबंधित मुद्दे और नाटक हो रहे होंगे। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक्साइटेड करता है।

उड़ारियां का निर्माण रवि दुबे और सरगुन मेहता ने अपने बैनर ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया है।शो में अविनेश रेखी और श्रेया जैन लीड रोल में हैं।इस शो में पहले प्रियंका चाहर चौधरी, ईशा मालवीय, अंकित गुप्ता, ट्विंकल अरोड़ा, हितेश भारद्वाज, अनुराज चहल और अलीशा खान अहम भूमिका में थे। उड़ारियां कलर्स पर प्रसारित होता है।

स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में नजर आएंगे कुशा कपिला और दिव्येंदु

प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में कुशा कपिला और दिव्येंदु नजर आएंगे।अपकमिंग सीरीज में कुशा को कल्कि और दिव्येंदु को देव के किरदार में दिखाया गया है। उनके साथ इसमें विनय पाठक, मुक्ति मोहन और अन्य लोग भी शामिल हैं।दिव्येंदु ने कहा कि वह लाइफ हिल गई के साथ अपनी कॉमेडी से दर्शकों को एक और सरप्राइज देना चाहते थे।उन्होंने कहा, जब आप लाइफ हिल गई देखेंगे तो आपको अपने भाई-बहनों के साथ झगड़े, प्यार और नफरत का रिश्ता और भाई-बहनों के बीच होने वाली लड़ाई की याद आएगी। हमने इसकी शूटिंग का भरपूर आनंद लिया और मुझे यकीन है कि स्क्रीन पर भी वैसा ही होगा और हम आप सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।कुशा ने अपने किरदार कल्कि के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लाइफ हिल गई की स्क्रिप्ट और कलाकारों ने बेहद प्रभावित किया। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना जिन्हें बेहद प्यार किया जाता है एक सपने के सच होने जैसा है। साथ ही मुझे इसमें अपना किरदार कल्कि भी बेहद पसंद आया, जो बेहद ईमानदार और देखने लायक है।सीरीज का निर्माण हिमश्री फिल्म्स की आरुषि निशंक ने किया है, इसका निर्देशन प्रेम मिस्त्री ने किया है। जसमीत सिंह भाटिया ने इसे लिखा है।हिमश्री फिल्म्स की निर्माता आरुषि निशंक ने कहा, सीरीज लाइफ हिल गई एक कॉमेडी-ड्रामा है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी दुनिया की रचना थी जो भरोसेमंद, हल्की-फुल्की हो।इसके साथ ही उत्तराखंड से होने के कारण मैं हमेशा इस राज्य की सुंदरता को दुनिया को दिखाना चाहता थी और यह शो उत्तराखंड के स्वर्ग की एक झलक मात्र है।सीरीज के बारे में निर्देशक प्रेम मिस्त्री ने कहा, शो लाइफ हिल गई एक हार्टलैंड ड्रामा है, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। इसमें भाई-बहनों के बीच का भावनात्मक संबंध दिखाया गया है।लाइफ हिल गई डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बना मिर्जापुर 3

मिर्जापुर सीजन 3 पांच जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई। वहीं, अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है। यह अपने लॉन्च सप्ताहांत में स्ट्रीमिंग सेवा के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु जैसे कई कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहरा रहे हैं। सीरीज की लोकप्रियता से साबित होता है कि यह दर्शकों को कितनी पसंद आ रही है। इतना ही नहीं इसके चौथे भाग पर भी मुहर लग गया है।मिर्जापुर सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। इंस्टाग्राम पर, स्ट्रीमर के आधिकारिक अकाउंट ने घोषणा की, रिकॉर्ड तोड़ना तो अपना यूएसपी है। मिर्जापुर सीजन 3 आधिकारिक तौर पर लॉन्च सप्ताहांत पर भारत में प्राइम वीडियो पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो है। प्राइम पर इसे अभी देखें।मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लॉन्च सप्ताहांत में 180 से अधिक देशों और भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर दर्शकों ने देखा। क्राइम ड्रामा ने लॉन्च सप्ताहांत में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर के 85 से अधिक देशों में शीर्ष 10 ट्रेंडिंग सूची में जगह बनाई। तीसरे सीजन ने पिछले सीजन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है।इसी बीच मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को निर्माताओं ने एक और बड़ा तोहफा दिया है। सीजन 3 की सफलता के बाद अमेजन प्राइम वीडियो ने कहा कि शो का सीजन 4 आधिकारिक तौर पर विकास में है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के निर्माता रितेश सिधवानी ने एक बयान में कहा, मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं, जिन्होंने हमें हर सीजन के साथ ताकत बढ़ाने में मदद की है।रितेश सिधवानी ने आगे कहा, यह पहले सीजन से ही उनका निरंतर प्यार और समर्थन है, जिसने हमारे शो को वैश्विक सनसनी बना दिया है। यह ऐतिहासिक सफलता हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिन्होंने इस सीजन को पर्दे पर जीवंत करने के लिए काफी मेहनत की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझेदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा ख़ास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है- इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

रविवार का पंचांग

दिनांक : 14 जुलाई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 05:28 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 10:07 तक
योग : शिव प्रातः 06:15 तक
करण : बव सायं 05:28 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 08:44 तक
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस पर बिफरे शिवराज

जयपुर,13 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में शनिवार आयोजित बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। चौहान ने कहा कि लोकसभा चुनावों में विदेशी ताकतों की दखल रही। यह सच है कि हमारे विरोधियों में विदेशी ताकतें भी शामिल हैं। जो चाहते हैं कि किसी भी तरह से देश में बीजेपी की सरकार न रहे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान भी बदल रहा है लेकिन ये बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही है अभी 99 की फेर की बात कई मित्रों ने की है मैं उसे दो-हराना नहीं चाहता लेकिन राहुल बाबा आपको चिंदी मिल गई तो आप बजाज बन गए।

कांग्रेस झूठ बोलने की मशीन हो गई-शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने की मशीन हो गई है।

> राजस्थान भी बदल रहा है, लेकिन ये बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही है। अभी 99 की फेर की बात कई मित्रों ने की है, मैं उसे दोहराना नहीं चाहता, लेकिन राहुल बाबा आपको चिंदी मिल गई तो आप बजाज बन गए।
>
> शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री

उन्होंने कहा- राहुल पार्लियामेंट में क्या बोलते हैं हिन्दू हिंसक है! ए... बालक बुद्धि हिन्दुत्व को आप क्या जानों! एकम सद्विप्रा बहुधा वदन्ति हिन्दुत्व है। सत्य एक है विद्वान उसे अलग-अलग तरीके से कहते हैं। आत्मवत सर्वभूतेषु हिन्दुत्व है। जियो और जीने दो हिन्दुत्व है।

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्!!
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् !!

शिवराज ने कहा कि यह मेरा है, ये तेरा है ये सोच छोटे दिल वालों की होती है जो विशाल हृदय के होते हैं वो कहते हैं सारी दुनिया ही एक परिवार है। ये हिन्दुत्व है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपके बीच में से ही आया हूं। उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक में जब सीएम के लिए मेरा नाम बोला गया तो एक बार मुझे भी समझ में नहीं आया कि यह क्या हुआ। उन्होंने कहा कि आप सभी कार्यकर्तओं पर संगठन की नजर है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस में सर्वोच्च सम्मान मिला है। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने पूर्व कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार में यहां गैंगस्टर आते थे, गोली चलाकर चले जाते थे। अब या तो गैंगस्टर राजस्थान में आएगा नहीं और आएगा तो बचकर जाएगा नहीं।प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने लोकसभा चुनावों में राजस्थान के कमजोर प्रदर्शन पर कहा कि इन चुनाव में विदेशी ताकतों के कारण भी हमें कम सीटें मिली। क्योंकि विदेशों में बैठे कुछ लोग, जिनके हित मोदी सरकार की नीतियों के चलते प्रभावित हो रहे थे। वह चाहते थे कि देश में पुरानी सरकार बने और यही वजह है कि विदेशी ताकतों का भी इन चुनाव परिणाम में असर देखने को मिला।

10 हजार की रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

झुंझुनू,13 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के मुकुंदगढ़ थाने में तैनात हेड कांस्टेबल को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। थाने में दर्ज मुकदमें में मदद करने की एवज में उसने यह रिश्वत ली थी। एसीबी की सीकर टीम ने कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट को गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सीकर एसीबी को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके विरुद्ध दर्ज मुकदमें में मदद के लिए झुंझुनूं जिले मुकुंदगढ़ थाने का हेड कांस्टेबल संदीप कुमार 28 हजार रुपए मांग रहा है।इस पर एसीबी ने सत्यापन के बाद जाल बिछाया। आरोपी हेड कांस्टेबल रिश्वत की राशि लेने के लिए शनिवार को परिवादी के घर पर खुद ही चला गया। इसी दौरान एसीबी की टीम ने उसे दस हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

आबूरोड लोक अदालत में 283 प्रकरणों का आपसी राजीनामा से हुआ निस्तारण

सिरोही,13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1987 मामलों को चिन्हित कर आपसी राजीनामा के आधार पर कुल 283 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। चिन्हित किये गए मामलों में न्यायालय में विचाराधीन एमएसीटी व सिविल प्रकरणों धन वसूली, पारिवारिक विवाद, 138 एनआई एक्ट, एमवी एक्ट व आईपीसी के राजीनामा योग्य मामलों को रखा गया।

इसी प्रकार प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों में टेलीफोन, बिजली, पानी के लम्बित बिलों एवं बैंक वसूली के प्रकरणों को चिन्हित कर 1346 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। अपर जिला सेशन न्यायाधीश संख्या 2 आबूरोड ग्रीष्मा शर्मा एवं आशा चौहान सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्टेट आबूरोड ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में गठित बैंच के सदस्य उपखण्ड अधिकारी

5.50 करोड़ रुपए के अवार्ड पारित

वीरमाराम, अधिवक्ता सदस्य विनोद कुमार सोनी व इमरान खान, अध्यक्ष बार मण्डल आबूरोड मनीष जैन, अपर लोक अभियोजक हसीब अहमद सिद्दीकी, सहायक अभियोजन अधिकारी सुश्री चेतना शर्मा, पैनल अधिवक्ता भावाराम गरासिया, अधिवक्तागण जितेन्द्र सुराणा, विपिन शर्मा, दिनेश खण्डेलवाल, ओमप्रकाश प्रजापत, आरिफखान, प्रदीप सक्सैना, सुरेन्द्रसिंह सौलंकी, महेन्द्र परिहार, सोहन सैन, शंकरलाल बारोठ, विक्रम अग्रवाल, नारायणलाल का सराहनीय योगदान रहा।

न्यायालय के कुल चिन्हित प्रकरणों 1987 प्रकरणों में से न्यायालय में लंबित 56 मोटर दुर्घटना प्रकरणों, इसी प्रकार चेक अनादरण के 34 मामले, घरेलू हिंसा व अन्य मामलों के 31 मामले, सिविल प्रकृति के 44 मामले, तथा 118 दाण्डिक शमनीय प्रकरणों में करीब 5 करोड 50 लाख 20 हजार रूपए की राशि के संबंध में आपसी समझौता एवं राजीनामा करवाकर अवार्ड पारित किए गए।

हिम्मतनगर से जोधपुर जा रहा ट्रक खाई में गिरा

सिरोही,13 जुलाई (एजेंसियां)। आबूरोड रीको पुलिस थानांतर्गत अंबाजी-आबूरोड मार्ग पर छापरी के समीप बीती रात को एक ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। जिससे ट्रक का खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल आकराभट्टा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसी प्रकार एक अन्य में दुर्घटना में दिल्ली से अहमदाबाद, गुजरात जा रही कार के आगे अचानक बैल आ जाने से हुई दुर्घटना के बाद कार में लगे एयरबैग खुल जाने से कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन बैल की मौत हो गई।

फोरलेन पर हुआ एक और हादसा

आबूरोड रीको पुलिस थाना के हेडपुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हिम्मतनगर, गुजरात निवासी दलपतसिंह पुत्र जागसिंह भाटी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि शुक्रवार रात को उसका चाचा प्रभुसिंह, जो कि खलासी था एवं बहादुर पुत्र जीवाजी गुर्जर चालक हिम्मतनगर से स्टील के पाटिये भरकर जोधपुर जा रहे थे। छापरी पुलिस चौकी के समीप चढ़ाई पर चालक बहादुर के लापरवाही एवं तेजगति से चलाने से ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। इससे उसका चाचा प्रभुसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आकराभट्टा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया युवक डूबा

नारनौंद ,13 जुलाई (एजेंसियां)। हिसार जिले के नारनौंद थाना के अंतर्गत आने वाली खेड़ी चौपटा पुलिस चौकी के गांव संदलाना के पास नहर में अपने दोस्तों के साथ नहाने गया एक युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही खेड़ी चौपटा पुलिस चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। ग्रामीण अपने स्तर पर युवक की नहर में तलाश कर रहे हैं लेकिन अभी तक युवक का कोई सुराग नहीं लगा है। संदलाना निवासी सागर हिसार में सरकारी नौकरी के लिए कोचिंग ले रहा था। शनिवार को छुट्टी होने पर वह नहर में नहाने के लिए चला गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संदलाना निवासी 20 वर्षीय सागर शनिवार को अपने दोस्तों के साथ हिसार बरवाला ब्रांच नहर में नहाने के लिए गया था। जैसे ही वह नहाने के लिए नहर में कूदा तो पानी का बहाव अधिक होने की वजह से एक युवक नहर में डूब गया। जबकि उसके अन्य साथी किसी तरह से बाहर निकल आए लेकिन उनके दोस्त सागर का कोई पता नहीं लगा। कुछ देर तक भी जब उसका पता नहीं लगा तो उन्होंने सागर के परिजनों को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद परिजन वी अन्य ग्रामीण हिसार बरवाला ब्रांच नहर पर पहुंचे और नहर में उतरकर सागर की तलाश शुरू कर दी। वही प्रशासन द्वारा नहर से पानी कम करवाने के लिए भी कहा गया है। धीरे-धीरे पानी भी कम हो रहा है लेकिन अभी तक ग्रामीण सागर को ढूंढने में लगे हुए हैं। वहीं प्रशासन की तरफ से अभी तक भी गोताखोर मौके पर नहीं बुलाए गए हैं।

गुरुग्राम एसटीएफ ने काला खैरमपुरिया को किया गिरफ्तार

हिसार में महिंद्रा शोरूम पर करवाई थी फायरिंग

हिसार,13 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुग्राम एसटीएफ ने काला खैरमपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुग्राम एसटीएफ काला खैरमपुरिया को थाइलैंड से गिरफ्तार कर के लाई है। काला खैरमपुरिया ने भाऊ गैंग के गुर्गों के जरिए हिसार में 5 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। इसके अलावा दो व्यापारियों से दो दो करोड़ की रंगदारी मांगी थी। पिछले 8 साल से काला खैरमपुरिया देश से बाहर था। उसकी लास्ट लोकेशन पुर्तगाल बताई जा रही थी। वहां से बैठकर हरियाणा में अपराध को अंजाम दे रहा था।

काला खैरमपुरिया गैंग के गुर्गे पिछले कई साल से हरियाणा में दशहत फैला रहे थे। जिसमें हिसार में पिछले साल गांव खरड़ में शराब ठेकेदार केसी का मर्डर किया गया था मर्डर के बाद काला खैरमपुरिया के इंस्टाग्राम

पेज पर पोस्ट डालकर इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। अब 24 जून को हिसार में महिंद्रा शोरूम में 5 करोड़ की रंगदारी मांगने के लिए 35 राउंड फायरिंग की गई। जिसके बाद बाइक सवार तीनों शूटर फरार हो गए थे। 25 जून को ही दो व्यापारी किट्टू बंसल तथा मनीष से दो दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई। इन तीनों मामलों में काला खैरमपुरिया का नाम आया था। काला खैरमपुरिया पर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली में 24 से अधिक केस दर्ज हैं।

स्कॉर्पियो पलटने से दो की मौत

दौसा,13 जुलाई (एजेंसियां)। एक्सप्रेस हाईवे पर आज तड़के एक बार फिर हादसा हो गया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे के चैनल नंबर 205 के पास राहुवास क्षेत्र में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई तथा तीन घायल हो गए, जिनमें से एक गंभीर घायल को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज के लिए रैफर कर दिया गया है। राहुवास थाना अधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि दिल्ली से मुंबई की ओर जा रही स्कॉर्पियो राहुवास के नजदीक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसके चलते गाड़ी में सवार सोनू, 40 साल तथा शरण वीर सिंह उम्र 36 साल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गाड़ी में सवार तीन अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। तीनों घायलों में एक कमरजीत सिंह पिता जगदेव सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उसे जयपुर रैफर किया गया और बाकी दो को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

कांग्रेस दो गुटों में बंटी, इनेलो-बसपा खो चुकी विश्वास : रणबीर गंगवा

रेवाड़ी/झज्जर,13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा शनिवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में पत्रकारवार्ता को संबोधित करने के लिए पहुंचे। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनेगी। लोग कांग्रेस के ब्रह्मजाल को समझ चुके हैं। बीजेपी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस के ब्रह्मजाल की पोल खोलेंगे। कांग्रेस पार्टी दो गुटों में बटी हुई है।

कांग्रेस में परिवारवाद है। कांग्रेस पार्टी खुद एक दूसरे को आपस में निपटा देगी। हमें कांग्रेस से लड़ने की जरूरत नहीं है। बीजेपी केवल चुनाव पर ध्यान दे रही है। इस बार पूर्ण बहुमत से हरियाणा में सरकार बनेगी। हरियाणा में बीजेपी सरकार ने जो कार्य किए हैं, उसे लोगों तक पहुंचाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

लोगों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है। इस दौरान प्रजापति चौक के सुंदरीकरण को लेकर भी सवाल किए गए। उन्होंने बताया कि प्रजापति चौक के सुंदरीकरण के लिए उन्होंने खुद प्रशासन से बातचीत की है। जल्द ही यह कार्य भी पूरा हो जाएगा। साथ ही व्यापारियों को लेकर भी उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ बीजेपी पार्टी कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है। उनकी मांगों पर गहनता से विमर्श किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने हरियाणा में इनेलो और बसपा के गठबंधन को लेकर कहा कि हरियाणा

में दोनों ही पार्टियां जनता में अपना विश्वास खो चुकी है। बसपा के यूपी में एक-दो विधायक तो है, लेकिन उनका हरियाणा में कोई जनाधार नहीं है। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

गंगवा ने कहा कि हरियाणा में अबकि बार परिवर्तन होगा और केंद्र की तरह हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। गंगवा ने हांसी और सोनीपत की आपराधिक घटनाओं की कडे. शब्दों में की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी दोषी है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस द्वारा 15 जुलाई से शुरू किए जा रहे हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम को लेकर रणबीर गंगवा ने कहा कि कांग्रेस अपने समय का हिसाब दे। कांग्रेस की सरकार में बडे-बडे घोटाले हुए थे।उन्होंने कार्यकर्ताओं को 16 जुलाई को महेंद्रगढ़ में आयोजित होने वाले ओबीसी सम्मेलन व 20 जुलाई को हिसार में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय महाराज दक्ष प्रजापति जयंती के कार्यक्रमों का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र व प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सिंह जी द्वारा प्रदेश में केंद्र की तर्ज पर ओबीसी क्रीमी लेयर की सीमा 6 से 8 लाख करना अत्यंत सराहनीय कदम है।

इस घोषणा से बैकवर्ड समाज को नौकरियों व अन्य क्षेत्रों में लाभ होगा। रणबीर गंगवा ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा बिना की भेदभाव के केवल और केवल योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम की भर्तियों में भी 27 फीसद ओबीसी कोटा निर्धारित किया गया है जिससे की समाज के प्रत्येक वर्ग को समान रूप से रोजगार हासिल हो।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश पर कसा तंस, कहा-

कब लालटेन से लटकेंगे या कमल पर बैठेंगे, किसी को नहीं पता

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति में अपनी पैठ बनाने में लगे जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर लोकसभा चुनाव के बाद फिर से सक्रिय हो गए हैं। प्रशांत किशोर ने सहरसा के सोनबरसा प्रखंड से पदयात्रा शुरू की। प्रशांत किशोर ने लालू-नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि लोग कहते हैं कि हमारे पास विकल्प ही नहीं है, हम किसको वोट दें बिहार में तो दो ही दल है, एक लालू जी का लालटेन और दूसरा मोदी जी का भाजपा। पीके ने कहा कि नीतीश जी का पता ही नहीं कि कब वे लालटेन पर लटकेंगे और कब कमल के फूल पर बैठ जाएंगे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी दल का नहीं, लोग कहते है कि मैं जिसका भी हाथ पकड़ता हूं वो राजा बन जाता है। इस बार संकल्प लेकर आए हैं। किसी दल और नेता का नहीं, आपका हाथ पकड़े हैं। जैसे आप दही को मथकर मक्खन निकालते हैं, वैसे ही गांव-गांव घूमकर मथकर आपके बीच से ऐसे लोगों को निकालेंगे। जो आपके बच्चों के लिए बढ़िया पढ़ाई-रोजगार की व्यवस्था करे। पीके ने कहा कि आपके पास पैसा-संसाधन नहीं है तो कोई बात नहीं है। आपको राजनीति की समझ नहीं है तो कोई बात नहीं है। आपके बाप-दादा राजनीति में नहीं है तो कोई बात नहीं है। बिहार में व्यवस्था बदलने के लिए, अपने बच्चों के तकदीर के लिए नया विकल्प बनाना है तो व्यवस्था, राजनीति की चिंता अपने भाई-बेटे प्रशांत किशोर पर छोड़िए। आप खड़े होईए, हम आपकी मदद में लगेंगे और समाज को जोड़कर नई व्यवस्था बनाइए।

पदयात्रा में प्रशांत किशोर के साथ चल रहे जन सुराज अभियान के युवा ज़िलाध्यक्ष सहरसा ज़िला के सर्वांगीण विकास के लिए वर्षों से सड़क पर संघर्ष करने वाले युवा नेता सोहन झा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना, सहरसा जन सुराज के ज़िला महासचिव नवल किशोर सिंह ज़िला अभियान समिति के संयोजक अमृतराज कुमार एवं ज़िला कार्यालय प्रभारी विमल किशोर झा, ज़िला अभियान समिति के सदस्य समीम अनवर ने बताया कि बिहार वासियों के लिए प्रशांत किशोर में बिहार को बदलने की क़ाबिलियत है। वो जिस बिहार की परिकल्पना लेकर पिछले दो वर्षों से बिहार के गांव-गांव में वर्षात में ठंडा में गर्मी में लगातार पदयात्रा कर बिहार के लोगों को जगाने का प्रयास कर रहे है वो कामयाब ज़रूर होंगे। बिहार के लोगो में जन सुराज को लेकर काफ़ी उत्साह दिख रहा है।हज़ारो की संख्या में लोग पीके को सुनने आते है उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहते है। ये संकेत है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में जन सुराज की सरकार होगी और बिहार में जिस व्यवस्था परिवर्तन की बात पीके करते हैं वो पूरा होकर रहेगा और बिहार में एक विकसित और समृद्ध समाज का निर्माण होगा।

पटना के बोरिंग रोड पर चार मंजिला इमारत में भीषण आग

टॉप फ्लोर पर लपटों से अफरातफरी

पटना (एजेंसियां)।

पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के बोरिंग रोड पर एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। फौरान पाटलिपुत्र और एसकेपुरी थाने की पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया।

दमकल की पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

बताया जा रहा है यमुना अपार्टमेंट के पीछे पश्चिमी आनंद पूरी इलाके की गली नंबर 12-ए स्थित सुपर सिटी इन्क्लेव बिल्डिंग में शनिवार दोपहर करीब पौने तीन बजे भीषण आग लग गई। आग में फंसने के कारण युवती समेत चार लोग छत पर चढ़ गए। वह कूदकर दूसरे छत पर जाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम ने चारों को रेस्क्यू कर बचा लिया। कुछ लोग एसी ब्लास्ट करने की बात भी कर रहे हैं।

लोगों का कहना है कि अचानक सुपर सिटी इन्क्लेव बिल्डिंग के चौथे प्लोर से आग की तेज लपटें निकलने लगी। जब हमलोग हमलोग बाहर निकले बिल्डिंग में फंसे चार लोग जोड़-जोड़ से चिल्लाने लगे। इसके बाद हमलोगों ने फौरन पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम आई और चारों को बचा लिया। इसके बाद आसपास के घर के लोगों को भी बाहर निकलने की अपील की। आसपास के लोग बाहर निकल गए। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने में जुटी है।

दूल्हे की कार में लगी भीषण आग

लोगों ने बाहर कूदकर बचाई अपनी जान, कुछ ही मिनटों जली पूरी गाड़ी

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में दूल्हे की कार में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग इतनी भयावह हो गई कि दूल्हे की कार जलकर खाक हो गई। गनीमत यह रही कि दूल्हे और उसके परिवार वालों की जन बच गई। यह घटना सीवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के मलमलिया चौक के ओवर ब्रिज की है।

जानकारी के मुताबिक, 11 जुलाई को छपरा से सीवान बारात आ रही थी, जिसमें बाराती तो कुछ पहले ही कार में सवार होकर बरात वाली जगह पहुंच गए। दूल्हा समेत कुछ गाड़ियां निकलने में देर हो गई। रात करीब 11 बजे के असपास जैसे ही दूल्हे की कार सीवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के मलमलिया चौक के ओवर ब्रिज पर पहुंची कि एक आवाज हुई। फिर अचानक तेज धुआं निकलने के साथ कार में आग लग गई। आग लगते ही दूल्हे और उसके परिजनों ने जल्दी-जल्दी किसी तरह कार से कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, कार में रखा सारा जरूरी सामान भी जल गया। दुल्हे ने इसकी जानकारी अन्य बारातियों को दी, तब तक कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जल गई। उसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तब तक कार का तीन हिस्से से ज्यादा भाग जल चुका था। वहीं, इस घटना से पुल पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। कई घंटे बाद पुलिस ने जाम हटाया तब जाकर आवागमन सुचारु रूप से चालू हो पाया। वहीं, दूल्हे को दूसरी गाड़ी से बारात ले जाया गया।

रोहतास के तुतला भवानी झरने में अचानक आई बाढ़, उफनती पहाड़ी नदी के बीच फंसे कई सैलानी

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के तिलौथू थानाक्षेत्र के तुतला भवानी झरने में अचानक पानी के तेज बहाव के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। इससे तुतला भवानी धाम घूमने आए कई सैलानी पहाड़ी नदी के तेज बहाव में फंस गए। उन सभी को वन विभाग और तिलौथू थाना पुलिस ने उफनती नदी से रस्सी के सहारे राहत एवं बचाव कार्य (रेस्क्यू) कर बचा लिया।

जानकारी के मुताबिक, तुतला भवानी धाम के पास पहाड़ी से नीचे झरना गिरता है। इसी झरने में स्नान करने के लिए बिहार के अलावा कई राज्यों से सैलानी यहां घूमने के लिए आते हैं। खासकर बरसात के मौसम में पहाड़ी के ऊपरी हिस्से में तेज बारिश होने के कारण पानी तेज बहाव होने पर तुतला भवानी झरना उग्र रूप ले लेता है। इसके कारण कुछ देर के लिए वहां बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसी दौरान नदी में स्नान कर रहे कई सैलानी फंस जाते हैं तो कई लोगों की जान चली जाती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि अचानक पहाड़ी नदी उफान पर हो जाती है और किसी को समझाने-बुझाने का मौका नहीं देती है, जिसके कारण कई लोग आए दिन फंस जाते हैं। इसी दौरान शुक्रवार की शाम से ही पहाड़ी पर तेज बारिश होने के कारण झरने से पानी अधिक मात्रा में गिरने लगा।

इससे नदी में अचानक बाढ़ सी स्थिति उत्पन्न हो गई और कई लोग इस बाढ़ में फंस गए। लेकिन वन विभाग और तिलौथू थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांबाजी से रस्सी के सहारे रेस्क्यू कर बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

वहीं, इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों ने तुतला भवानी धाम घूमने आ रहे पर्यटकों से अपील की है कि वन विभाग द्वारा जारी किए गए नियमों का सभी लोग अनुपालन करें। अन्यथा लापरवाही और नियमों का उल्लंघन करने वाले पर्यटकों को इस तरह का जोखिम है, वे फंस सकते हैं।

कार्टन में बंद नवजात बच्ची ने पहले दी थी मौत को मात, अब यूएसए जाएगी

सारण इस मामले में अव्वल!

छपरा (एजेंसियां)।

छपरा में अपनों से ठुकराई एक अनाथ, बेसहारा बच्ची जन्म के साथ ही मरने के लिए फेंकी दी गई थी। उसे देख किसी को उम्मीद नहीं थी कि उसकी सांसे चल रही होंगी। लेकिन जब लोगों ने उठाया तो उसकी सांसों की डोर टूटी नहीं बल्कि धीरे-धीरे चल रही थी। उसे उसी वक्त स्थानीय लोगों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के बाद बाल संरक्षण इकाई को सूचना दी गई। उसके बाद विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र के अधिकारी बच्ची को दत्तक ग्रहण केंद्र ले गए। जहां पर अभी उसका भरण-पोषण किया जा रहा है। हालांकि अब बच्ची अपने मम्मी-पापा के साथ सात समंदर पार यूएसए चली जाएगी। उनसे बहुत दूर, जिन्होंने उसे मरने के लिए फेंक दिया था।

जानकारी के मुताबिक, निकट भविष्य में बच्ची को यूएसए में रहने वाले एक पायलट छपरा शहर के दत्तक ग्रहण केंद्र से गोद लेने वाले हैं। पायलट की वार्षिक आय लगभग 1.5 करोड़ के आसपास है। यह बच्ची करीब छह माह पहले जन्म के साथ मरने के लिए फेंक दी गई थी,

जिसका इलाज सदर अस्पताल में किया गया था। लेकिन ठीक हो जाने के बाद से यह बच्ची बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र में रह रही है। लेकिन अब वह यूएसए के दंपति के पास जाने वाली है।

विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र में रह रही छह माह की बच्ची को यूएसए में रहने वाले मम्मी-पापा को सौंपने के लिए कोर्ट की सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। दरअसल, छपरा व्यवहार न्यायालय ने उक्त बच्ची को यूएसए के दंपति को सौंपने के लिए आदेश भी दे दिया है। इसके साथ ही जिलाधिकारी अमन समीर ने भी अपनी सहमति देते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। अब बच्ची का जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट बनाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बहुत ही जल्द बच्ची अपने मम्मी-पापा के साथ सात समंदर पार यानी यूएसए चली जाएगी। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र से पहली बार वर्ष-2016 में भाग्यशाली नाम की बच्ची को भारतीय मूल के न्यूजीलैंड निवासी दंपति ने गोद लिया था। गोद लेने वाले पति-पत्नी सॉफ्टवेयर डेवलपर हैं, जिन्होंने छपरा आकर गोद लिया था। मालूम हो कि उस बच्ची को लगभग 40 फीट गहरे गड्ढे में मरने के लिए फेंक दिया गया था, जिसे बाल संरक्षण इकाई द्वारा बरामद किया गया था। इसके बाद जून-2017 में करीब नौ महीने की बच्ची आकृति को अमेरिका और तीन माह की बच्ची लक्ष्मी को न्यूजीलैंड के दंपतियों ने गोद लिया था। हालांकि आकृति का होठ कटा हुआ था। लेकिन इसके बावजूद भी बच्ची को अमेरिकी दंपति ने गोद लिया था। इसी तरह से वर्ष-2019 में स्वीडन के दंपति ने गरिमा को गोद लिया था। लिहाजा यह कहना मुश्किल नहीं होगा कि अपनों से ठुकराई अनाथ और बेसहारा बच्चियों को अपनाने के लिए विदेशी दंपति बढ़-चढ़ कर गोद लेने के लिए आगे आ रहे हैं।

बाल संरक्षण इकाई की सोच और बेहतर प्रयास का असर अनाथ तथा लावारिस अबोध बच्चों के जीवन पर पड़ रहा है। तभी तो अपनों द्वारा ठुकराए गए बच्चे और बच्चियों के प्रति समाज का बढ़ता रुझान सामाजिक सोच में हो रहे बदलाव को दर्शाता है। शायद यही कारण है कि विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र में रह रही बच्चियों को देश-विदेश के गैर दंपति आगे आकर अपना रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के बाल संरक्षण इकाई द्वारा जिले में संचालित हो रहे विशिष्ट दत्तक ग्रहण केंद्र से लगभग 95 बच्चों को देश-विदेश के दंपति अपना चुके हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष-2016 से अभी तक लगभग 34 बच्चों को गोद ले चुके हैं, जिस कारण राज्य स्तरीय रैंकिंग में सारण जिला पहले पायदान पर है।

अनाथ और बेसहारा बच्चों को गोद लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति को सबसे पहले विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन कराना होता है। उसमें गोद लेने वाले इच्छुक दंपतियों को अपना संपूर्ण पारिवारिक विवरण देना होता है। उसके बाद समाज कल्याण विभाग के विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान द्वारा गृह अध्ययन किया जाता है। इसके बाद पांच बच्चों के फोटो साझा किए जाते हैं, जिसमें से करीब 48 घंटे के अंदर किसी एक बच्चे को गोद लेने के लिए चयन करना होता है। चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को गोद लेने के लिए स्थानीय न्यायालय में आवेदन देकर अनुमति प्राप्त करनी पड़ती है। कोर्ट का आदेश मिलने के बाद बाल संरक्षण इकाई द्वारा चयनित बच्चे को उक्त दंपति को सौंप दिया जाता है।

तराई में लगातार हो रही बारिश से बीस गांवों में बाढ़ का कहर

पश्चिम चंपारण (एजेंसियां)।

नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश ने तबाही मचा दी है। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के 20 गांवों में बाढ़ का कहर है। लोग खाना खाने को तरस रहे हैं। हालांकि लोग भुजा चूड़ा का वैकल्पिक व्यवस्था कर खा रहे हैं और अपना गुजारा कर रहे हैं। छोटे-छोटे मासूम बच्चे भी बुरी तरह परेशान हैं। उधर, वाल्मीकि नगर गंडक बैराज से भी लगातार पानी को छोड़ा जा रहा है। इसके कारण लगातार बाढ़ के पानी में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। पश्चिमी चंपारण जिले के योगापट्टी, नौतन और बैरिया प्रखंड के बीस निचले इलाके के गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, गंडक नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के बाद तीन प्रखंड के 20 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। योगापट्टी प्रखंड के जरपुर पंचायत के जरपुर गांव के ग्रामीण गुड़ बनाने वाले दो कड़ाहों को बांस में बांधकर जुगाड़ से नाव बनाकर गांव से बाहर जा-आ रहे हैं। गांव से करीब दो किलोमीटर दूर तक कड़ाहों वाली नाव से ही लोग सफर तय कर रहे हैं। पूरा गांव टापू में तब्दील हो गया है।

बताया जा रहा है कि गांव से बाहर निकलने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण लोग कमर भर पानी पार कर और जुगाड़ की नाव से आने जाने के लिए मजबूर हैं। योगापट्टी के सिसवा मंगलपुर पंचायत के खापटोला, सिसवा महादलित बस्ती, जरपुर पंचायत के गजना, बैसिया और शाही बाजार सहित कई गांवों में लगातार पानी बढ़ रहा है। बाढ़ का कहर बैरिया और नौतन होते हुए पूर्वी चंपारण की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुंगेर में कार सवार दो दोस्तों को मार डाला, पान मसाला खाने रुके थे, अपराधियों ने गोलियों से भूना

पटना (एजेंसियां)।

मुंगेर में अपराधियों ने दो युवकों की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। दो युवक कार में थे। एनएच 333बी बांक मोड़ पर संगीता होटल के पान मसाला खाने के लिए रूके थे। अचानक दो बाइक सवार अपराधी आए और दोनों को गोलियों से भून डाला। दोनों की मौत के बाद अपराधी पिस्टल लहराते हुए फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। होटल संचालक ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया तथा पुलिस ने अपने वाहन से दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सक डॉ. के. रंजन दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों की पहचान मनजीत मंडल एवं चंदन के रूप में हुई। इधर, घटना के विरोध में परिजन सड़क पर उतर आए। परिजन प्रशासन के खिलाफ जमाकर नारे बाजी करने लगे। पुलिस ने परिजनों को शांत कराने में जुटी है।

इधर, पुलिस पुलिस ने घटनास्थल से 12 खोखे बरामद किए हैं। इसके बाद मनजीत मंडल कासिम बाजार थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर का रहने वाला था। मनजीत पर भी कई मामले दर्ज थे। वह कुख्यात पवन मंडल का सागिर्द बताया जा रहा। घटना की जानकारी देते हुए होटल संचालक लखन कुमार ने बताया कि वह अपने होटल के अंदर बैठा था। इसी दौरान गोलियों की आवाज सुनाई दी। इसके बाद जब वह बाहर निकाला तो देखा कि दो अज्ञात अपराधी हथियायर से लैस बाइक सवार होटल के पास लगी दो युवकों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे है। वहीं होटल के कर्मचारी शंकर साह ने बताया कि एक कार होटल के बाहर आकर रुकी तथा उसमें बैठे युवक ने पैसा देकर पान मसाला लाने को कहा। उसने कार में सवार दोनों युवकों को पान मसाला दिया तथा वापस लौट आया। इतने में बाइक सवार दो अपराधियों ने होटल के सामने कार के आगे बाइक लगा दी। बाइक से उतरकर पिस्टल से दोनों के ऊपर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इसके बाद पिस्टल निकालकर श्री कृष्णा सेतु की ओर भाग निकले।

इधर, घटना की सूचना मिलने पर मुफस्सिल, नयारामनगर, सफियासराय आदि आदि थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा मामले की छानबीन में जुट गई। घटनास्थल पर अब भी मनजीत मंडल की ब्रेजा कर खड़ी है। खून के धब्बे और गाड़ी में कई मोबाइल पड़े हैं। इधर सदर एसडीपीओ राकेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल से 12 खोखा बरामद हुआ है। कार के अंदर ही मृतक का मोबाइल तथा अन्य सामान रखा हुआ है। एफएसएल की टीम पहुंच रही है जो तकनीकी साक्षी इकट्ठा करेगी। वहीं पुलिस तकनीकी तथा उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। उन्होंने कहा होटल सहित आसपास इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा गया। इसमें दो अपराधी नजर आ रहे हैं। उनकी तलाश में छापेमारी चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com